MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 26 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-174

अग्रसेन बैंक की मनमानी

समाज में भारी रोष, हाईकोर्ट की शरण

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र गोयल ने आरोप लगाया कि कुछ समाज विरोधी तत्वों के बहकावे में आकर अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड समाज के खाते बार-बार अवरूद्ध कर बेवजह प्रताडित कर रहा है। उनका कहना है कि समाज के भीतर यह आरोप बहुत मजबूती से उभर रहा है कि बैंक के चेयरमैन श्री प्रमोद कुमार केडिया गैर-पेशेवर तरीके अपनाकर एक खास निष्कासित (निकाल दिए गए) गुट का समर्थन कर रहे हैं। बैंक प्रबंधन इन बाहरी लोगों का साथ देकर न सिर्फ अपनी साख को नुकसान पहुँचा रहा है, बल्कि समाज के वैध (कानूनी) खातों को बार-बार फ्रीज कर रहा है। उनका मानना है कि यह अग्रवाल समाज के धर्मार्थ (भलाई के) कार्यों को रोकने का एक सोचा-समझा प्रयास है।

श्री नरेंद्र गोयल ने शुभ लाभ आनलाइन से विशेष बातचीत में कहा कि चेयरमैन की हठधर्मिता का खामियाजा अग्रवाल समाज तेलंगाना के आश्रितों को उठाना पड़ रहा है, जिनमें असहाय विधवा महिलाएं, पढ़ने वाले विद्यार्थी और गौमाताएं शामिल हैं। समाज के भले के लिए काम करने वाली संस्था के पैसों को रोकना, समाज के विकास को पूरी तरह ठप करने की एक गहरी साजिश नहीं तो और क्या है?

निष्कासित गुट को बढ़ावा देने की कोशिश

श्री गोयल के अनुसार, इस पूरे विवाद की शुरुआत तब हुई जब अग्रवाल समाज ने एक आंतरिक जांच के बाद 4 अप्रैल, 2026 को वित्तीय गड़बड़ियों और गलत व्यवहार के कारण तीन पूर्व पदाधिकारियोंश्री विकास कुमार केशान, श्री अचल गुप्ता और श्री रूपेश कुमार अग्रवालको पद से बर्खास्त (निकाल) कर दिया गया था। इस फैसले पर 11 अप्रैल, 2026 की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में सबकी सहमति से मुहर लगाई गई थी। इसके बाद नई कमिटी का गठन किया गया, जिसमें श्री अनिरुद्ध गुप्ता को अध्यक्ष और डॉ. (श्रीमती) सीमा जैन को मानद सचिव बनाया गया।

इन कानूनी बदलावों को 13 अप्रैल, 2026 को हैदराबाद के सोसायटी रजिस्ट्रार के सामने भी पेश कर दिया गया था। इसके बावजूद, निकाले गए गुट को कथित रूप से पिछले दरवाजे से फायदा पहुँचाने के लिए बैंक ने उसी दिन (13 अप्रैल, 2026) एकतरफा कार्रवाई करते हुए सोसाइटी के सभी पांच चालू खातों को फ्रीज कर दिया।

बैंक का दोहरा रवैया

अग्रसेन बैंक का इस पूरे मामले में दोहरा चरित्र सामने आया है, भेदभावपूर्ण नीति: बैंक ने 28 अप्रैल 2026 को शुरुआत में शर्त रखी थी कि खातों को चालू करने के लिए रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज के रिकॉर्ड में नए पदाधिकारियों के नाम दर्ज होने का प्रमाण पत्र लाना होगा। यदि यह बैंक का सख्त नियम था, तो बैंक ने उस बागी

Agarwal Samaj
Telangana

गुट के पत्रों और शर्तों को कैसे स्वीकार किया, जिनका नाम रजिस्ट्रार के रिकॉर्ड में कभी दर्ज ही नहीं था? यहाँ तक कि बैंक ने उस अनाधिकृत गुट को 9 महीनों तक अवैध रूप से लेन-देन करने की छूट दी और उन्हें वैध पदाधिकारी मानते रहे।

अचानक और बिना सूचना के खाते फ्रीज करना

जब समाज ने 23 मई, 2026 को रजिस्ट्रार कार्यालय से प्रमाणित डिजिटल सर्टिफिकेट बैंक को सौंप दिया, तो बैंक ने 9 जून, 2026 तक मामले को लटकाए रखा। फिर उसी दिन, एक बाहरी और अनाधिकृत व्यक्ति के पत्र पर कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में समाज के खातों को दोबारा ब्लॉक कर दिया। बिना किसी नोटिस या स्पष्टीकरण का मौका दिए लोक-कल्याण के खातों को फ्रीज करना बैंक की मिलीभगत को ही दर्शाता है।

कानूनी रिकॉर्ड की अनदेखी

बैंक ने कानूनन अपडेटेड सरकारी रिकॉर्ड को दरकिनार कर दिया। समाज के पुराने रिकॉर्ड (जैसे मनीष अग्रवाल का नाम) होने के बावजूद, बैंक ने 13 अप्रैल 2026 को समाज के वैध दस्तावेजों को नजरअंदाज किया और बाहरी तत्वों के इशारे पर काम किया। यह बैंकिंग नियमों और रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज के अधिकारों का सीधा उल्लंघन है।

चेक अनादर का मामला, समाज के सम्मान को ठेस

बिना किसी पूर्व सूचना या स्पष्टीकरण के खातों को अचानक बंद करके अग्रसेन बैंक ने 17 जून 2026 को जारी चेक नंबर 729013 को अमान्य कर दिया। एक प्रतिष्ठित और पंजीकृत सार्वजनिक समाज के चेक को इस तरह वापस करना अग्रवाल समाज तेलंगाना का घोर अपमान है। इस गैर-जिम्मेदाराना हरकत से समाज की दशकों से बनी सामाजिक और बाजार की प्रतिष्ठा को गहरी ठेस पहुँची है।

आईसीआईसीआई बैंक से तुलना

श्री गोयल ने आरोप लगाया कि जहाँ एक तरफ आईसीआईसीआई बैंक ने पूरी कॉर्पोरेट ईमानदारी दिखाते हुए कानूनी ढांचे का सम्मान किया और समाज के खातों के संचालन को सुचारू रूप से चालू रखा, वहीं दूसरी तरफ अग्रसेन बैंक बागी गुट के हाथों की कठपुतली बनकर जन-कल्याण के पैसों को बंधक बनाने का काम कर रहा है।

धर्मार्थ कार्यों को पंगु बनाने का प्रयास

एक रजिस्टर्ड चैरिटेबल ट्रस्ट के धन को बार-बार रोककर बैंक ने एक संरक्षक के रूप में अपने भरोसे को तोड़ा है। बैंक के पास किसी संस्था के अंदरूनी विवादों पर फैसला सुनाने का कोई अधिकार नहीं है। बैंक के इस मनमाने रवैये के कारण समाज का दैनिक कामकाज पूरी तरह ठप हो गया है:

कर्मचारियों का संकट: संस्था के नियमित कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल पा रहा है। ▶8पर

...तो नागरिकता का सबूत क्या?

पासपोर्ट आधार नहीं!

नयी दिल्ली, 25 जून, (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय के एक बयान के बाद से यह सवाल खड़ा हो गया है कि भारत का नागरिक कौन है? आज भारत की अधिकांश जनता के पास ऐसा कोई आधिकारिक दस्तावेज नहीं है जो साबित करे कि वो भारत का नागरिक है क्योंकि आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट ये सब देश के अलग-अलग कानूनों के हिसाब से बने पहचान-पत्र हैं लेकिन नागरिकता की पहचान नहीं।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि पासपोर्ट भारतीय नागरिकता की पहचान नहीं है। अब सियासी दल फिर से सवाल उठाने लगे कि फिर भारतीयता की पहचान क्या है। जब भारत सरकार की ओर से जारी कोई भी दस्तावेज नागरिकता का प्रमाण नहीं और भारत सरकार इस हालत में नहीं कि एनआरसी करके प्रमाण-पत्र जारी कर ले तो आज भारतीयों के पास नागरिकता को प्रमाणित करने वाला डॉक्यूमेंट कौन सा है।

चूंकि, मामला कागज दिखाने वाली सियासत से जुड़ा है तो विपक्षी सवाल भी उठा रहे हैं। ओवैसी कहते हैं कि बीजेपी की मेंबरशिप हो तभी आप भारतीय माने जाएंगे। कांग्रेस के गौरव गोगोई कहते हैं कि कहीं ये सब बयान एनआरसी लाने की तैयारी के लिए तो नहीं दिये जा रहे। फिलहाल ऐसा मुमकिन नहीं है लेकिन फिर भी सवाल बहुत हैं।

पासपोर्ट अधिनियम 1967 की नियमावली में चैप्टर-2 के अंदर साफ लिखा है कि पासपोर्ट मुख्य रूप से देश के अपने नागरिकों को जारी किया जाने वाला पहचान और यात्रा दस्तावेज होता है। कई देश विदेशियों को यात्रा दस्तावेज न होने पर पासपोर्ट जारी करते हैं, लेकिन पासपोर्ट में उनकी विदेशी नागरिकता का उल्लेख करते हैं।

ये और बात है कि भारत का चुनाव आयोग जब भारत के नागरिकों का वोटर कार्ड बनाता है तो पहचान के तौर पर उसी पासपोर्ट को मंजूर करता है। 12 अगस्त 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने रऊफ बनाम महाराष्ट्र सरकार मामले में कहा था कि भारत की नागरिकता मुख्य रूप से 1955 के नागरिकता कानून से नियंत्रित होती है, आधार-पैन-वोटर कार्ड से नहीं। पासपोर्ट एक पहचान पत्र हैं। ये और बात है कि भारतीयों में ये भ्रम है कि पासपोर्ट मतलब भारतीयता की पहचान है। यहां तक कि विदेश मंत्री जयशंकर भी पासपोर्ट को राष्ट्रीयता की पहचान बताते हैं।

लेकिन इस राष्ट्रीयता की पहचान पर अब नई बहस शुरू हुई है क्योंकि पासपोर्ट को नागरिकता का दस्तावेज नहीं बताने पर उन्हें शक होने लगा है कि कहीं फिर से कागज तो नहीं मांगे जाएंगे?

क्या फिर से आएगा एनआरसी?

भारत के विपक्षी दलों को ये शक इसलिए है क्योंकि पिछले कुछ बरसों में जब से नागरिकता कानून बना और कागज नहीं दिखाने के नाम पर दिल्ली से लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरुआ हुआ उसके बाद नागरिकता के दस्तावेज तलाशे जाने लगे। नागरिकता अधिनियम, 1955 कहता है कि भारत की नागरिकता जन्म, वंश, रजिस्टरेशन या किसी जमीनी हिस्से के विलय पर निर्भर करती है। ▶8पर

यूपी बीजेपी संगठन और मजबूत

'टीम पंकज' पर नजर

नयी दिल्ली, 25 जून, (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बीजेपी ने अपनी नई प्रदेश संगठन टीम का ऐलान कर 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को औपचारिक रूप से गति दे दी है। योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल विस्तार के बाद अब पार्टी का पूरा फोकस संगठन को मजबूत करने पर है। नई टीम के गठन के जरिए बीजेपी ने साफ संकेत दिया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में वह मजबूत बूथ नेटवर्क, सामाजिक संतुलन और युवा नेतृत्व के दम पर चुनावी मैदान में उतरने की रणनीति पर काम कर रही है। यूपी बीजेपी की लिस्ट में जातीय, क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए युवा और अनुभवी कार्यकर्ताओं के संगम को तरजीह दी गई है। प्रदेश पदाधिकारियों के इस युवा और अनुभवी संगम पर केन्द्रीय मंत्री और यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की स्पष्ट छाप दिखाई दे रही है, जिसके चलते राजनीतिक गलियारों में इसे टीम पंकज कहा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, टीम के गठन में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े ने अहम भूमिका निभाई। बताया जा रहा है कि उन्होंने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार समन्वय कर संगठनात्मक समीकरणों को अंतिम रूप दिया।

पाक आर्मी को 'पीठदिखाई'

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैलरी बढाई

नयी दिल्ली, 25 जून, (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना ने सैनिकों के वेतन में इजाफा करने का ऐलान किया है। पाकिस्तानी सैनिकों की सैलरी में 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। कहा जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर से हुई किरकिरी के बाद पाकिस्तानी सेना ने यह फैसला लिया है। पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मंजूरी के बाद सभी पाकिस्तानी सैनिकों और अधिकारियों के वेतन में इजाफा किया गया है। खुफिया सूत्रों ने आज तक को बताया कि इस संशोधित पैकेज के तहत एड-हॉक रिलीफ अलाउंस में 25 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। डिस्टर्बेंस अलाउंस को तीन गुना किया गया है। कैश-इन-लियू पेमेंट, यूनिफॉर्म अलाउंस और बैटमैन अलाउंस को दोगुना कर दिया गया है। यह कदम पाकिस्तान की मौजूदा आर्थिक दिक्कतों के बीच उठाया गया है। पाकिस्तान फिलहाल बेतहाशा आर्थिक बदहाली के दौर से गुजर रहा है। ऐसे में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कर्जे में डूबे पाकिस्तान ने सैनिकों की सैलरी बढ़ाई है। अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला सीमापार तनाव के बाद सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए लिया गया है। ▶8पर

सिया के माता-पिता बोलें-

बेटी दोषी तो फाँसी दो!

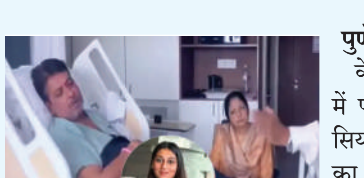

पुणे, 25 जून, (एजेंसियां) केतन अग्रवाल मर्डर केस में पहली बार मुख्य आरोपी सिया गोयल के माता-पिता का बड़ा बयान सामने आया है। सिया के पिता प्रवीण गोयल और मां ने कहा है कि अगर उनकी बेटी दोषी है, तो उसको अभी के अभी फांसी दे दो। सिया के पिता फिलहाल पुणे के एक अस्पताल में भर्ती हैं। उन्हें हार्ट अटैक आने के बाद यहां भर्ती कराया गया था। एक लोकल चैनल से बातचीत में सिया के पिता प्रवीण गोयल ने कहा कि उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। अगर उनकी बेटी को अदालत दोषी मानती है, तो उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं पूरे होशोहवास में कह रहा हूं जो भी आरोपी है उसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए और उसमें देरी नहीं करनी चाहिए। वहीं सिया की मां पूजा गोयल ने कहा कि अगर मेरी बेटी ने गुनाह किया है, तो उसे फांसी की सजा अभी के अभी दे दो। आरोपी को सजा मिलनी ही चाहिए। ये एक मां बोल रही है।

बता दें कि सिया गोयल के पिता प्रवीण गोयल की गुरुवार को तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि सीने में तेज दर्द की शिकायत के बाद उन्हें रूबी हॉल क्लीनिक ले जाया गया। ▶8पर

राहुल माफी'वीर

मानहानि केस में खेद जताया

भोपाल, 25 जून, (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि मामले में गुरुवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। एक दिन पहले ही राहुल गांधी की तरफ से मानहानि के प्रकरण में अपने बयान पर खेद व्यक्त करते हुए हाईकोर्ट में आवेदन पेश किया गया था। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह के बेटे कार्तिकेय सिंह ने उनके लिखित खेदनामा को स्वीकार करते हुए प्रकरण को समाप्त करने के लिए सहमति व्यक्त की। हाईकोर्ट जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने सुनवाई के बाद एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मानहानि मामले को निरस्त करने के आदेश जारी किए हैं। यह मामला पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान द्वारा भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट में दायर मानहानि परिवाद से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 29 अक्टूबर 2018 में झाबुआ में आयोजित एक चुनावी सभा के दौरान राहुल गांधी ने पनामा पेपर्स लीक प्रकरण का उल्लेख करते हुए शिकायतकर्ता का नाम लिया था, जिससे उनकी और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा।

परिवाद पर सुनवाई करते हुए भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित ▶8पर

भूकंप का डबल अटैक

वेनेज़ुएला में हजारों के मरने की आशंका

नयी दिल्ली, 25 जून, (एजेंसियां)। वेनेज़ुएला में दो जबरदस्त भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के चलते कम से कम 164 लोगों की मौत हो गई है, लगभग 1,000 लोग घायल हो गए और कई लोग ढही हुई इमारतों के नीचे फंस गए। हालांकि अपुष्ट खबरों में दस हजार से एक लाख लोगों के मारे जाने की आशंका व्यक्त की जा रही है। बुधवार शाम को आया 7.2 और 7.5 तीव्रता का भूकंप वेनेज़ुएला के सबसे ताकतवर भूकंपों में से एक माना जा रहा है। देश के मुख्य एयरपोर्ट को भारी नुकसान पहुंचा है और उसे बंद कर दिया गया है। वहीं, राजधानी कराकास से लगभग 1,700 किलोमीटर (1,050 मील) दूर ब्राजील के अमेज़ॅन तक इमारतों को खाली कराया गया। घटना के बाद बचावकर्मी मलबे के ढेर के बीच पावर टूल्स का इस्तेमाल करते हुए दिखाई दिए, उन जगहों पर जहां कभी इमारतें हुआ करती थीं। ▶8पर

एलपीजी पाबंदियां हटीं

युद्ध पूर्व आपूर्ति सुनिश्चित

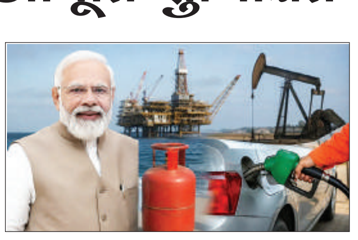

नयी दिल्ली, 25 जून, (एजेंसियां)। एलपीजी को लेकर सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। अभी तक जो भी नियम कायदे और पाबंदियां लागू थीं, उसे अब खत्म कर दिया गया है। लेकिन यह सिर्फ इंडस्ट्रियल और कमर्शियल एलपीजी ग्राहकों के लिए ही है। सरकार ने नॉन-डोमेस्टिक पैक्ड एलपीजी की सप्लाई पर लगी सभी सेक्टर-वाइज पाबंदियां हटा दी हैं और सप्लाई को वेस्ट एशिया संकट से पहले के स्तर पर बहाल कर दिया है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि संकट की शुरुआत में रोकी गई बल्क एलपीजी की सप्लाई में भी ढील दी गई है। इसे संकट से पहले की खपत के स्तर का 50% कर दिया गया है, जिससे कमर्शियल और इंडस्ट्रियल कस्टमर्स को काफी राहत मिली है। यह बहाली एलपीजी सप्लाई की स्थिति में हाल ही में हुए सुधार के बाद की गई है। ▶8पर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

ट्रस्ट ने दर्ज कराई FIR, 8 नामजद

अयोध्या, 25 जून, (एजेंसियां) राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज करा दी। इसमें ट्रस्ट महासचिव चंपत राय के ड्राइवर समेत 8 आरोपी बनाए गए हैं। ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने सीट की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया है।

एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी टिन्नू, लवकुश और अनुकल्प को हिरासत में लिया गया है। वहीं, एफआईआर की आंच किसी बड़े तक नहीं पहुंची। ट्रस्ट के बड़े नाम चंपत राय और अनिल मिश्रा व निर्माण समिति के सहायक गोपाल राव का केस में कहीं कोई जिक्र नहीं है।

अज्ञात लोगों को शामिल किए जाने से जांच का दायरा और बढ़ गया है। अभी जांच में और कई लोग निशाने पर आ सकते हैं। एफआईआर में जिन लोगों को नामजद किया गया है वह सभी गणना व गहने के रखरखाव के कार्य से जुड़े रहे हैं। कानून के जानकारों का कहना है कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद तत्काल प्रभाव से आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकेगी। फैजाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व मंत्री गिरीश चंद्र तिवारी का कहना है कि जिन धाराओं में ट्रस्ट में प्राथमिकी दर्ज कराई है उनमें ▶8पर

होर्मुज जलडमरूमध्य से ईरान नहीं वसूलेगा कोई टोल, डोनाल्ड ट्रंप का ऐलान, तेल बाजार को राहत

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को तेल बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसमें उन्होंने कहा कि ईरान ने अमेरिका को स्पष्ट आश्वासन दिया है कि स्ट्रेट आफ होर्मुज (होर्मुज जलडमरूमध्य) से गुजरने वाले सभी जहाजों पर कोई टोल, बीमा शुल्क या अन्य अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए बताया कि ईरान ने अमेरिका को सूचित किया है कि यह आश्वासन जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए दिया गया है। यह घोषणा मध्य पूर्व में हालिया तनाव के बाद स्थायी शांति स्थापित करने के उद्देश्य से चल रही वार्ताओं के बीच आई है। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था फिलहाल लागू है, लेकिन 60 दिनों की सीजफायर या बातचीत की अवधि समाप्त होने के बाद इसका क्या होगा, इस पर उन्होंने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है।

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में वार्ता चल रही है, जिसमें ईरान के परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हो रही है। ट्रंप ने जोर देकर कहा कि ईरानी सरकार को कोई तरल निधि या नकद राशि हस्तांतरित नहीं की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिकी अधिकार क्षेत्र में जमा अरबों डालर की ईरानी संपत्तियों को अब सख्त नियंत्रण वाले नए तंत्र के तहत संभाला जाएगा। प्रशासन की योजना के अनुसार, इन रोके गए फंड्स का उपयोग विशेष रूप से अमेरिकी कृषि उत्पादों जैसे मक्का, गेहूं और सोयाबीन की खरीद के लिए किया जाएगा, जो सीधे ईरानी जनता के लिए होंगे। ट्रंप ने कहा कि हम उनके कुछ पैसे, जो पूरी तरह हमारे नियंत्रण में हैं, अपने किसानों को देंगे क्योंकि ईरान में इन खाद्यान्नों की बेहद जरूरत है।

इधर ईरान समुद्री शुल्क वसूलने को तैयार

दूसरी ओर, ईरान ने बार-बार कहा है कि वह होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से समुद्री सेवा शुल्क वसूलने की योजना बना रहा है। तेहरान इसे टोल नहीं, बल्कि नेविगेशन सहायता, सुरक्षा और रखरखाव जैसी प्रशासनिक सेवाओं के बदले लिया जाने वाला शुल्क बताता है। अमेरिका ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया है, इसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का उल्लंघन बताया है। मंगलवार को ईरान और ओमान ने एक संयुक्त बयान जारी कर कहा कि दोनों देश होर्मुज से जुड़ी प्रशासनिक सेवाओं के लिए शुल्क लगाने के प्रस्ताव का अध्ययन करेंगे। बयान में दोनों देशों ने इस जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता पर जोर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

रूसी विपक्षी नेता क्रुग्लोव को झूठ फैलाने के आरोप में 7 साल की जेल

मास्को। रूस में प्रमुख विपक्षी पार्टी याब्लोको के उप नेता और यूक्रेन युद्ध के मुखर विरोधी मैक्सिम क्रुग्लोव को बुधवार को रूसी सेना के बारे में झूठ फैलाने के आरोप में दोषी ठहराया गया और सात साल की जेल की सजा सुनाई गई। यह फैसला रूस में सार्वजनिक असहमति पर बढ़ती कार्रवाई को दर्शाता है, जहां युद्ध की आलोचना करने वाले स्वरों को लगातार दबाया जा रहा है। 39 वर्षीय क्रुग्लोव, जो मास्को की नगर विधानसभा के पूर्व सदस्य रह चुके हैं, को अक्टूबर 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन पर 2022 में दो पोस्ट करने का आरोप था, जिस वर्ष रूस ने यूक्रेन पर सैन्य अभियान शुरू किया था। अदालत में सुनवाई के दौरान, क्रुग्लोव ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि यह फैसला स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि रूस में सार्वजनिक असहमति अब अवैध हो गई है, और संक्षेप में, यह असहमति पर एक प्रतिबंध है। उन्होंने अभियोजन पक्ष के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि उनके पोस्ट राजनीतिक नफरत से प्रेरित थे। क्रुग्लोव ने जोर देकर कहा कि उनका पूरा राजनीतिक करियर रूस में लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अदालत को बताया कि इस फैसले से यह साबित हो गया है कि राजनीतिक असहमति को अब नफरत के समान माना जा रहा है, जो रूस के लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चिंताजनक है। क्रुग्लोव ने अदालत में अपना अंतिम बयान देते हुए यह संकल्प लिया कि वे युद्ध के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रूस एक दिन एक शांतिपूर्ण देश बनेगा, एक ऐसा देश जिसका पड़ोसी सम्मान करें, न कि डरें, और जहां असहमति व्यक्त करना संभव हो। यह बयान ऐसे समय में आया है जब रूस में नागरिक स्वतंत्रताएं लगातार संकुचित हो रही हैं। अदालत में पेश किए गए दो पोस्ट में से एक में यूक्रेन संघर्ष में हुई मौतों पर संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का जिक्र था, जबकि दूसरे पोस्ट में मार्च 2022 में कीव के पास बुचा में हुई घटनाओं का उल्लेख किया गया था।

चीन ने बना दिया दुनिया का सबसे शक्तिशाली सुपरकंप्यूटर, अब अमेरिका भी पीछे छूट गया

बीजिंग। प्रौद्योगिकी की दुनिया में चीन ने एक बार फिर अपनी धाक जमाई है। सुपरकंप्यूटिंग के क्षेत्र में

एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित करते हुए, चीन के लाइनशाइन नामक सुपरकंप्यूटर ने अमेरिका के शीर्ष कंप्यूटर को पछाड़कर दुनिया में नंबर एक का स्थान हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि साल 2017 के बाद पहली बार है जब किसी चीनी कंप्यूटर ने यह गौरव प्राप्त किया है, जो देश की बढ़ती तकनीकी क्षमता का एक स्पष्ट संकेत है और वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में चीन की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। शेनझेन शहर में स्थित नेशनल सुपरकंप्यूटिंग सेंटर में स्थापित यह लाइनशाइन, हाल ही में जारी हुई प्रतिष्ठित टाप500 रैंकिंग में शीर्ष पर आया है। यह रैंकिंग वैश्विक स्तर पर सबसे शक्तिशाली सुपरकंप्यूटरों को सूचीबद्ध करती है और इसे किसी भी देश की वैज्ञानिक तथा तकनीकी प्रगति के एक महत्वपूर्ण संकेतक के रूप में देखा जाता है। यह सूची तकनीकी नवाचार और गणना शक्ति के क्षेत्र में देशों की प्रतिस्पर्धा को प्रदर्शित करती है, और इसमें शीर्ष पर आना किसी भी राष्ट्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि होती है।

एआई की अगली पीढ़ी सालों नहीं महीनों में बदल देगी साइबर सिक्योरिटी का माहौल

वाशिंगटन। इंटेलिजेंस अलायंस फाइव आइज ने चेतावनी जारी कर कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की अगली जेनरेशन सालों के बजाय कुछ ही महीनों में साइबर सिक्योरिटी के माहौल को पूरी तरह बदल सकती है और सरकारों, बिजनेस और कार्पोरेट लीडर्स से साइबर रेजिलिएंस को तुरंत प्रायोरिटी देने की अपील की है। यह चेतावनी फाइव आइज इंटेलिजेंस ओवरसाइट एंड रिव्यू काउंसिल ने संयुक्त बयान में दी। यह काउंसिल आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका की इंटेलिजेंस और सुरक्षा एजेंसियों का एक समूह है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बयान में कहा गया है कि जब ट्रंप प्रशासन ने टेक्नोलाजी कंपनी एन्थ्रोपिक द्वारा विकसित दो एडवांस्ड एआई सिस्टम तक विदेशी नागरिकों की पहुंच को सीमित करने का कदम उठाया। इस महीने की शुरुआत में घोषित यह फैसला अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों की सलाह के बाद लिया गया। किसी खास कंपनी या माडल का नाम लिए बिना फाइव आइज ने चेतावनी दी गई कि फ्रंटियर एआई सिस्टम से मौजूदा इंडस्ट्री की उम्मीदों से कहीं आगे निकलने और आक्रामक व रक्षात्मक, दोनों तरह की साइबर क्षमताओं में बड़े बदलाव लाने की उम्मीद है।

यूक्रेन में भारत की पीसकीपिंग फोर्स लगाने का प्रस्ताव, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा - मोदी नहीं मानेंगे

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संभावित दूसरे कार्यकाल के शुरुआती दिनों में ही उनके प्रशासन के भीतर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की रणनीति पर गंभीर मतभेद सामने आए थे। 23 जून को जारी हुई ट्रंप प्रशासन के कामकाज पर केंद्रित एक नई किताब रिजीम चेंज ने इस आंतरिक बहस का खुलासा किया है। किताब के अनुसार, 30 जनवरी, 2025 को व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई थी, जो ट्रंप के शपथ ग्रहण के महज 10 दिन बाद हुई थी। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए एक अमेरिका फर्स्ट शांति योजना का मसौदा तैयार करना था।

बैठक के दौरान, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक महत्वपूर्ण सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में शांति बनाए रखने के लिए भारतीय या सऊदी अरब के सैनिकों को पीसकीपिंग फोर्स के रूप में तैनात किया जा सकता है। वेंस का तर्क था कि नाटो देशों के सैनिकों को भेजने से रूस इसे सीधे तौर पर उकसावा मान सकता है, जिससे तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि, ट्रंप ने इस प्रस्ताव को तुरंत खारिज कर दिया। किताब में लिखा है कि ट्रंप ने हंसते हुए कहा, भारतीय ऐसा कभी नहीं करेंगे, वो ऐसी चीजों की कीमत नहीं चुकाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने अच्छे व्यक्तिगत संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी उन्हें बहुत पसंद करते हैं, लेकिन इसके बावजूद भारत इस तरह के अभियान का आर्थिक बोझ नहीं उठाएगा।

इस बैठक में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल कीथ केलाग ने एन अमेरिका फर्स्ट प्लान ट्रंप्स हिस्टोरिक पीस डील फार रूस-यूक्रेन वार नामक एक ड्राफ्ट पेश किया था। इस योजना में युद्धविराम का भी प्रस्ताव था, जिसमें अमेरिका रूस के कब्ज़ाये हुए इलाकों को औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देगा, लेकिन यूक्रेन भी उन्हें बलपूर्वक वापस लेने की कोशिश नहीं करेगा। शांति बनाए रखने के लिए विदेशी सैनिकों की तैनाती का प्रावधान भी इसमें शामिल था। शुरुआत में यूरोपीय देशों जैसे फ्रांस, ब्रिटेन और नीदरलैंड के सैनिकों का जिक्र था, लेकिन वेंस ने इसे खतरनाक बताया, जिसके बाद भारत और सऊदी अरब के नाम का प्रस्ताव रखा गया था। यह घटना भारत के लिए कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह दर्शाता है कि अमेरिका भारत को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में देख रहा है, जिसकी सैन्य क्षमता को यूक्रेन जैसे संकट में शांति स्थापित करने के लिए उपयुक्त माना जा रहा है। ट्रंप का बयान भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को भी उजागर करता है। भारत नाटो का हिस्सा नहीं है और न ही अमेरिका के हर अभियान में शामिल होने को तैयार है। ट्रंप का स्पष्ट इनकार भारत पर किसी भी तरह का दबाव डालने से बचाता है, जिससे भारत को यूक्रेन में सैनिक भेजने या किसी बड़े आर्थिक बोझ को उठाने की कोई बाध्यता नहीं होगी। ट्रंप का पीएम मोदी के प्रति सकारात्मक रुख दोनों नेताओं के व्यक्तिगत स्तर पर मजबूत संबंधों को दर्शाता है।

हालांकि, अगर यह काल्पनिक प्रस्ताव भारत के पास आता और वह इसे स्वीकार कर लेता, तो रूस के साथ उसके संबंधों पर गंभीर नकारात्मक असर पड़ सकता था। रूस भारत को अपने सबसे पुराने और भरोसेमंद सहयोगियों में से एक मानता है। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध में तटस्थ रुख बनाए रखा है, पश्चिमी प्रतिबंधों में शामिल होने से इनकार किया है और सस्ते रूसी तेल की खरीद जारी रखी है। यूक्रेन में भारतीय सैनिकों की तैनाती रूस के लिए पश्चिमी खेमे में भारत का खुलकर शामिल होना माना जाता, जिससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को रूस का समर्थन भी कमजोर पड़ सकता था। भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी ताकत उसकी रणनीतिक स्वायत्तता है, और यूक्रेन में सैनिक भेजकर भारत इस सिद्धांत को कमजोर कर देता। रूस के साथ संबंध खराब होने से भारत को कहीं अधिक नुकसान होता, जितना फायदा उसे पश्चिम या यूक्रेन से मिलता। यही कारण है कि भारत इस युद्ध में शांति का पक्षधर रहा है लेकिन कभी किसी पक्ष का हिस्सा नहीं बना। यह स्पष्ट है कि ट्रंप प्रशासन अमेरिका फर्स्ट के सिद्धांत पर पूरी तरह अडिग है। वह न तो अमेरिकी सैनिक भेजना चाहता है और न ही अमेरिकी करदाताओं का पैसा यूक्रेन में लगाना चाहता है, लेकिन फिर भी वह दूसरे देशों से यह उम्मीद करता है कि वे स्वयं खर्च उठाएं। भारत इसके लिए कदापि तैयार नहीं होता, और ट्रंप ने इस बात को भली-भांति भांप लिया था। इस किताब के खुलासे से भारत की छवि एक जिम्मेदार लेकिन स्वायत्त शक्ति के रूप में उभरी है, जिसे अमेरिका सम्मान देता है लेकिन उससे मुफ्त में कुछ हासिल करने की उम्मीद नहीं रखता।

मुनीर की हत्या की साजिश के मोसाद पर लगे आरोप

ब्रासीलिया

ब्राजील के भू-राजनीतिक विशेषज्ञ पेपे एस्कोबार ने एक चौंकाने वाला दावा किया है, जिसके अनुसार इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और उनके प्रतिनिधिमंडल को जिनेवा में मारने की योजना बनाई थी। यह दावा ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाकर पश्चिम एशिया में शांति स्थापित करने और वैश्विक स्तर पर अपना कद बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। एस्कोबार के मुताबिक, इस साजिश का मकसद अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को पटरी से उतारना था। हालांकि, यह दावा पाकिस्तानी पत्रकारों द्वारा सिरे से खारिज कर दिया गया और इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

एस्कोबार ने अपने पाकिस्तानी स्रोतों का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई को आसिम मुनीर पर हमले की योजना की जानकारी मिल गई थी। इसके बाद आईएसआई ने सीधे कूटनीतिक स्तर पर ओमान के माध्यम से इजरायल को चेतावनी दी। एस्कोबार के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को अत्यंत विश्वसनीय सूचना मिली थी कि बेजामिन नेतन्याहू के आदेश पर

दहशत में आए पाक ने दी थी चेतावनी

मोसाद पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मारने का प्लान बना रही है। इसमें फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ पूरे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को उड़ाने का प्लान था। उन्होंने दावा किया कि जैसे ही पाकिस्तानियों को इस बात की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए ओमान या किसी और मध्यस्थ के माध्यम से इजरायल को सीधा संदेश पहुंचाया कि अगर प्रतिनिधिमंडल को हाथ भी लगाया, तो हम आपको नक्शे से मिटा देंगे। इस चेतावनी के बाद, कथित तौर पर मोसाद ने अपना मिशन वापस ले लिया। पेपे एस्कोबार के अनुसार, आसिम मुनीर इस वक्त पाकिस्तान के सबसे ताकतवर व्यक्ति हैं, और उन पर हमला करने की योजना बनाना इजरायल के लिए भी एक बड़ी बात होती। हालांकि, इस रिपोर्ट पर अभी तक न तो इजरायल सरकार और न ही पाकिस्तान सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आई है। एस्कोबार ने भी अपनी टिप्पणी के संबंध में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किए हैं, जिससे यह दावा फिलहाल अटकलों और कथित स्रोतों पर आधारित ही बना हुआ है।

कांगो से निकला इबोला फ्रांस पहुंचा, युगांडा में भी नए मामले

पेरिस। लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो (डीआरसी) में शुरू हुए इबोला वायरस के प्रकोप ने अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि महज एक महीने के भीतर कांगो में पुष्ट मामलों की संख्या एक हजार को पार कर गई है, वहीं युगांडा और फ्रांस में भी नए मामले सामने आए हैं। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को देश में इबोला का पहला पुष्ट मामला सामने आने की पुष्टि की, बताया गया कि कांगो से लौटे एक डाक्टर में वायरस की पुष्टि हुई है। मंत्रालय के अनुसार, मरीज मंगलवार को पेरिस पहुंचा था और किंशासा से एयर फ्रांस की व्यावसायिक उड़ान से आया था। डाक्टर में सिरदर्द के अलावा अन्य लक्षण लगभग नहीं थे, लेकिन उड़ान के दौरान उनकी हालत थोड़ी बिगड़ गई थी। लैंडिंग के तुरंत बाद उन्हें आइसोलेशन में रख लिया गया, और उनकी हालत स्थिर बताई गई है, उनका वायरल लोड भी बहुत कम है। एयरलाइंस ने सभी यात्रियों की सूची स्वास्थ्य अधिकारियों को सौंप दी है, और संपर्क में आए व्यक्तियों की ट्रेसिंग शुरू कर दी गई है। दूसरी ओर, युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी दी कि देश में कुल 20 इबोला मामले दर्ज हो चुके हैं। इनमें से 15 कांगो से आए प्रवासी हैं, जबकि पांच स्थानीय संक्रमण के मामले हैं। राहत की बात यह है कि 20 में से 15 मरीज पूरी तरह ठीक होकर अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं, जबकि फिलहाल तीन मरीजों का इलाज चल रहा है और दो लोगों की मौत हो चुकी है।

10 साल तक फ्रांसीसी पत्नी को बंधक बनाकर रखा, बेटे ने कराया आजाद

पाकिस्तान में पाकिस्तानी पति निकला हैवान

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से एक हृदय विदारक मामला सामने आया है, जहां एक पाकिस्तानी शख्स पर अपनी फ्रांसीसी पत्नी सिल्वी यास्मिना (54) और पांच बच्चों को 10 वर्ष से अधिक समय तक घर में कैद करके रखने और उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगा है। इस अमानवीय घटना का खुलासा तब हुआ जब यास्मिना के बेटों में से एक किसी तरह भाग निकलने में सफल रहा और पुलिस के पास पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्रांत के दूरस्थ इलाके बारा में स्थित घर पर छापेमारी की। वहां पुलिस को यास्मिना और उनके पांचों बच्चे एक तंग और बेहद जर्जर कमरे में कैद अवस्था में मिले।

अधिकारियों ने बताया कि परिवार के सभी सदस्यों के शरीर पर चोट के निशान थे, जो पति द्वारा की गई क्रूरता की गवाही दे रहे थे। पुलिस ने तुरंत यास्मिना और उनके पांचों बच्चों को पेशावर के एक महिला आश्रय गृह में भर्ती कराया है, जहां उन्हें सुरक्षित माहौल प्रदान किया गया। परिवार अब फ्रांस लौटने की तैयारी कर रहा है ताकि इस भयावह अनुभव से उबर सकें। यास्मिना ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि 2014 में आस्ट्रेलिया से पाकिस्तान आने के बाद उनके पति ने पूरे परिवार को कैद कर लिया था। उन्हें किसी भी बाहरी व्यक्ति से मिलने या संपर्क करने की अनुमति नहीं थी। उनके दो बड़े बच्चे शिक्षा से वंचित रह गए, जबकि तीन छोटे बच्चे पाकिस्तान में पैदा हुए और उन्होंने कभी स्कूल का मुंह नहीं देखा।

यास्मिना के अनुसार, उनकी शादी 2003 में हुई थी और पाकिस्तान जाने से पहले वे अपने दो बड़े बच्चों के साथ आस्ट्रेलिया में रह रहे थे। पाकिस्तान पहुंचने के बाद परिवार का बाहरी दुनिया से कोई संपर्क नहीं रहा, और उन्हें एक तरह से दुनिया से काट दिया गया। पुलिस ने अभी तक पति की पहचान सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन बताया गया है कि वह पाकिस्तानी नागरिक है, जो यास्मिना से मिलने के समय आस्ट्रेलिया में अवैध रूप से रह रहा था। यास्मिना ने पुलिस को दिए बयान में अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा, हमें हमारी स्वतंत्रता छीन ली गई थी। मेरे पति ने पति और पिता होने के नाते हमारी देखभाल नहीं की, बल्कि हमें रोजाना पीटा और मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया। उसने आगे कहा कि मेरा भविष्य तो बर्बाद हो चुका है।

अगर दूसरे देशों के पास मिसाइलें हैं तो ईरान के पास मिसाइलें होना गलत नहीं: ट्रंप

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा- मिसाइल कार्यक्रम पर समझौता नहीं, नेतन्याहू को झटका

न्यूयार्क

अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में शुरू हुई बातचीत को बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया जा रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि जिन मुद्दों को लेकर युद्ध शुरू हुआ था, उन पर आज भी कोई स्पष्ट सहमति नहीं बन पाई है। कुछ मुद्दों पर बातचीत तो हो भी रही है लेकिन ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल को तो बातचीत की लिस्ट से ही बाहर कर दिया गया है जो नेतन्यहू का बड़ा मकसद था। मसलन सबसे बड़ा विवाद ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को लेकर है। वहीं अब ट्रंप कह रहे हैं कि अगर दूसरे देशों के पास मिसाइलें हैं तो ईरान के पास भी कुछ मिसाइलें होना गलत नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

युद्ध की शुरुआत में अमेरिका और इजराइल ने दावा किया था कि तेहरान की मिसाइल क्षमता क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है और इसे खत्म करना उनके प्रमुख मकसद में शामिल है, लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने साफ कहा है कि अमेरिका-ईरान समझौते में मिसाइल कार्यक्रम का कोई जिक्र नहीं है और यह मुद्दा कभी बातचीत की मेज पर नहीं था। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी दो टूक कहा कि उनका देश अपने मिसाइल कार्यक्रम पर किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगा। उनका कहना है कि यही मिसाइलें ईरान की सुरक्षा की गारंटी हैं और अगर ये नहीं होतीं तो अमेरिका और इजराइल ईरान के साथ भी वही करते जो गाजा में हुआ। दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप भी अब अपने पुराने रुख से पीछे हट रहे हैं। अप्रैल में जहां वाशिंगटन का लक्ष्य ईरान की मिसाइल क्षमता को नष्ट करना बताया गया था, वहीं अब ट्रंप कह रहे हैं कि अगर दूसरे देशों के पास मिसाइलें हैं तो ईरान के पास भी कुछ मिसाइलें होना गलत नहीं है।

परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा भी अब तक अनसुलझा है। अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु ठिकानों पर अंतरराष्ट्रीय निरीक्षण की अनुमति दे और परमाणु हथियार विकसित न करने की गारंटी दे। दूसरी तरफ तेहरान लगातार कहता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। दोनों पक्षों के बीच अविश्वास अब भी बरकरार है। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हैं। अमेरिका इसे खुला और सुरक्षित रखना चाहता है क्योंकि दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। वहीं ईरान बार-बार यह संकेत देता रहा है कि वह इस रणनीतिक मार्ग पर अपना प्रभाव बनाए रखेगा। इस पूरी तस्वीर में इजराइल सबसे बड़ी बाधा है। अमेरिका क्षेत्रीय संघर्ष खत्म करने की बात कर रहा है, लेकिन इजराइल अब भी दक्षिणी लेबनान से सेना हटाने को तैयार नहीं दिख रहा। वह हिज्बुल्लाह के पूरी तरह निशस्त्रीकरण को अपनी शर्त बना चुका है यानी वाशिंगटन और तेल अवीव की प्राथमिकताओं में भी अंतर दिखाई दे रहा है। बता दें स्विट्जरलैंड में अगले 60 दिनों के अंदर अंतिम समझौते की कोशिश होगी, लेकिन मौजूदा हालात बताते हैं कि न मिसाइल मुद्दे पर सहमति बनी है, न परमाणु विवाद सुलझा है, न होर्मुज को लेकर भरोसा कायम हुआ है ।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें। यह न सिर्फ़ आपका दबाव कम करेगा, बल्कि आपकी झिझक भी मिटा देगा। मुमकिन है कि आपके आँसुओं को पोंछने के लिए कोई ख़ास दोस्त आगे आए। अगर आपको लगता है कि आप दूसरों की मदद के बिना महत्वपूर्ण कामों को कर सकते हैं, तो आपकी सोच काफ़ी ग़लत है। हवन पूजा आदि का आयोजन घर मे होगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप मानें या न मानें, आपके आस-पास को बड़े ग़ौर से आपको देख रहा है और आपको एक आदर्श मानता है। इसलिए ऐसे काम करें, जो क़ाबिले-तारीफ़ हों और आपकी प्रतिष्ठा को बढ़ाएँ। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। काम में आपकी दक्षता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकाग्रता बनाए रखने की ज़रूरत है। आज लोग आपकी वह प्रशंसा करेंगे, जिसे आप हमेशा से सुनना चाहते थे। अगर आप जीवनसाथी के अलावा किसी और को अपने ऊपर असर डालने का मौक़ा दे रहे हैं, तो जीवनसाथी की ओर से आपको नकारात्मक प्रतिक्रिया मिलना संभव है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको सभी की राय जानने की कोशिश करनी चाहिए। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। दिन अच्छा है दूसरों के साथ-साथ आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाएंगे। अपने जीवनसाथी के साथ आप प्यार भरे पुराने दिन एक बार फिर जी पाएंगे।लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद रोमानी होने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। आपके साझीदार आपकी नई योजनाओं और विचारों का समर्थन करेंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। आपका जीवनसाथी किसी फ़रिश्ते की तरह आपका बहुत ध्यान रखेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आपका संगी आपका भला सोचता है इसलिए कई बार आप पर गुस्सा भी कर बैठता है, उनके गुस्से पर नाराज होने से बेहतर यह होगा कि आप उनकी बातों को समझें। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। किसी ख़ूबसूरत याद के कारण आपके और आपके जीवनसाथी के बीच की अनबन रुक सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अध्यात्म की सहायता लेने का सही समय है, क्योंकि मानसिक तनाव को मार भगाने के लिए यह सबसे बेहतरीन विकल्प है। ध्यान और योग आपकी मानसिक मज़बूती को बढ़ाने में कारगर रहेंगे। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। संयम और साहस का दामन थामे रखें। ख़ास तौर पर तब जब दूसरे आपका विरोध करें, जिसकी कामकाज के दौरान संभावना है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आर्थिक जीवन की स्थिति आज अच्छी नहीं कही जा सकती आज आपको आपको बचत करने में मुश्किलें आ सकती हैं। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। आप अपने मातहतों से नाख़ुश हो सकते हैं, क्योंकि वे उम्मीद के मुताबिक़ काम नहीं कर रहे हैं। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगें

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। समय और धन की क़द्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अगर आप अपने साथी के नज़रिए को नज़रअंदाज़ करेंगे, तो वह अपना आपा खो सकता/सकती है। जो आपकी सफलता के आड़े आ रहे थे, वे आपकी आँखों के सामने ही नीचे को खिसकेंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। लेकिन जीवनसाथी की ओर से इससे निबटने में काफ़ी मदद मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

यात्रा आपको थकान और तनाव देगी- लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। नवजात शिशु की ख़राब तबियत परेशानी का सबब बन सकती है। इस ओर तुरंत ध्यान देने की ज़रूरत है। डॉक्टर से भली-भांति सलाह लें, क्योंकि ज़रा-सी लापरवाही बीमारी को बद से बदतर बना सकती है। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को ख़राब न करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते। शादीशुदा ज़िन्दगी के मोर्चे पर हालात वाक़ई थोड़े मुश्किल रहे हैं, लेकिन अब आप सुधरते हालात महसूस कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। थोड़ी कोशिश और करें। आज भाग्य आपका साथ ज़रूर देगा, क्योंकि यह आपका दिन है। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है

आज का पंचांग

दिनांक : 26 जून 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 10:25 तक
नक्षत्र : विशाखा रात्रि 07:16 तक
योग : सिद्ध प्रातः 11:38 तक
करण : बव प्रातः 09:17 तक
चन्द्रराशि : तुला दोपहर 12:34 तक
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:55, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : एकादशी पारणा , श्याम बाबा की बारस

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

संविधान हत्या दिवस पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का मौन प्रदर्शन

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना प्रदेश के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने संविधान हत्या दिवस के अवसर पर गोशामहल स्थित हिंदीनगर में डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मौन प्रदर्शन में भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने लोकतंत्र की रक्षा तथा संविधान के सम्मान का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने कहा कि यह मौन प्रदर्शन लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा देश में आपातकाल लागू कर लोकतांत्रिक अधिकारों एवं संवैधानिक मूल्यों को गंभीर आघात पहुंचाया गया था। उन्होंने बताया कि आपातकाल के दौरान ऑपरेशन मिडनाइट जैकपॉट के तहत हजारों लोगों को मीसा कानून के अंतर्गत बिना वारंट गिरफ्तार किया गया था।

प्रदेश महामंत्री रजनीश जैन ने कहा कि संपूर्ण क्रांति के प्रणेता जयप्रकाश नारायण को बेंगलुरु जेल में रखा गया था, जहां उनकी तबीयत अत्यंत खराब हो गई थी। इसके अतिरिक्त मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, जॉर्ज फर्नांडिस सहित अनेक राष्ट्रभक्त नेताओं को जेल में डाल दिया गया था तथा अनेक राष्ट्रवादियों को यातनाएं सहनी पड़ी थीं। उन्होंने कहा कि उस दौरान नौ राज्यों की गैर-कांग्रेसी सरकारों को बर्खास्त कर दिया गया तथा एक लाख से अधिक लोगों को मीसा और डीआईआर के तहत गिरफ्तार किया गया था।

वक्ताओं ने कहा कि आपातकाल के दौरान प्रेस की स्वतंत्रता पर भी व्यापक अंकुश लगाया गया। समाचार पत्रों एवं मीडिया पर सेंसरशिप लागू कर दी गई थी तथा समाचार प्रकाशित करने से पूर्व उन्हें सेंसर अधिकारियों की अनुमति लेना अनिवार्य था। विरोध स्वरूप कुछ समाचार पत्रों ने खाली संपादकीय कॉलम प्रकाशित कर लोकतंत्र पर लगे प्रतिबंधों के प्रति अपनी असहमति व्यक्त की थी।

हरप्रीत सिंह गुलाटी ने कहा कि उस समय फिल्मों, गीतों और नाटकों पर भी कड़ी निगरानी रखी गई थी। उन्होंने कहा कि फिल्म आंधी पर प्रतिबंध लगा दिया गया था तथा रेडियो पर केवल सरकारी सूचनाओं का प्रसारण किया जाता था। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की आवाज को दबाने के कारण 25 जून को काला दिवस के रूप में भी याद किया जाता है।इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, महामंत्री रजनीश जैन, हरप्रीत सिंह गुलाटी, उपाध्यक्ष रूबीन फ्रांसिस, सचिव सतपाल सिंह छाबड़ा, मनमोहन सिंह, सतीश हुंडिया, मोहम्मद गझीनी, कोषाध्यक्ष जसपाल सिंह टुटेजा, मीडिया संयोजक मुकेश चौहान, कार्यालय सचिव सुमीत माखीजा, चंदना जैन, रीदा कुद्दूस, अवाइस मिर्जा, भर्गींदर सिंह, शेख शाहबाज, साहेब सिंह, भाजपा जामबाग डिवीजन अध्यक्ष ए. राजकुमार, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने संविधान, लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया।

रामचंद्र राव एवं विधायक राकेश रेड्डी से सिखवाल समाज प्रतिनिधियों की औपचारिक भेंट

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल प्रगति समाज के श्रृंग ऋष्य भवन कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री एन. रामचंद्र राव एवं आरमूर विधायक श्री राकेश रेड्डी के साथ सौजन्य एवं औपचारिक भेंट का अवसर प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर भाजपा प्रशासन के 12 वर्षों के जनकल्याणकारी एवं विकासात्मक कार्यों पर आधारित करपत्र (रिपोर्ट कार्ड) के विमोचन कार्यक्रम में सहभागिता की गई।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक विषयों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई। साथ ही समाजहित एवं राष्ट्रहित से जुड़े कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के संकल्प को भी बल मिला।

कार्यक्रम में गोशामहल संभाग के कर्मठ पदाधिकारी श्रीराम व्यास तथा सिखवाल समाज के सक्रिय समाजसेवी श्री सुरेश कुमार व्यास जानम विशेष रूप से उपस्थित रहे। उपस्थित जनों ने समाज एवं राष्ट्र के विकास में संगठित सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर समाज एवं संगठन के प्रति समर्पित व्यक्तित्वों के साथ हुई यह सार्थक भेंट प्रेरणादायी एवं स्मरणीय रही। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा उपस्थित सभी जनों ने सामाजिक एकता एवं जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना प्रेरणादायक : सुभाष अग्रवाल

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजन में केबीआर पार्क केंद्र पर, इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित कवर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का भव्य एवं श्रद्धापूर्ण आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों, मरीजों के परिजनों एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुभाष अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निष्ठा, समर्पण और निस्वार्थ भाव से निरंतर मानव सेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह वास्तव में सराहनीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज में सेवा और संवेदनशीलता की आवश्यकता पहले से अधिक है, ऐसे में राधे-राधे ग्रुप का यह प्रयास जरूरतमंदों के जीवन में आशा और सहारा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हम इस सेवा परिवार के सदस्य हैं और समाजहित के ऐसे पुण्य कार्यों में अपनी सहभागिता निभा रहे हैं।

सुभाष अग्रवाल ने कहा कि निर्जला एकादशी का पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह दान, सेवा और परोपकार के माध्यम से मानवता की सेवा करने का भी संदेश देता है। इस दिन किया गया अन्नदान विशेष पुण्यदायी माना जाता है और जरूरतमंदों को भोजन कराना सबसे श्रेष्ठ सेवाओं में से एक है। उन्होंने सभी लोगों से अपने सामर्थ्य के अनुसार समाजसेवा और जनकल्याण के कार्यों में आगे आने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्यों में अनेक श्रद्धालुओं एवं ग्रुप के सदस्यों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। सभी ने एक स्वर में राधे-राधे ग्रुप द्वारा संचालित नियमित अन्नदान अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अत्यंत उपयोगी पहल बताया। सेवा, समर्पण और मानवता के भाव से सम्पन्न यह आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ।

बेंगलूरु आगमन पर पूर्व मंत्री एवं महू विधायक उषा ठाकुर का भव्य स्वागत

बेंगलूरु, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मध्यप्रदेश की पूर्व मंत्री एवं महू क्षेत्र की विधायक उषा ठाकुर के बेंगलूरु आगमन पर प्रख्यात सामाजिक व्यक्तित्व एवं उद्यमी अश्विन सेमलानी तथा उनके परिवार द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सत्कार किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. आकाश पाठक, श्रीमती कल्पना नायक, अपर्णा नायक सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अश्विन सेमलानी के अनुसार, इस दौरान पूर्व मंत्री उषा ठाकुर के साथ मध्यप्रदेश एवं देश से जुड़े विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक तथा समसामयिक राजनीतिक विषयों पर सार्थक एवं सकारात्मक चर्चा हुई।

बैठक के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा समाज-सेवा के क्षेत्र में चल रहे प्रयासों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

विधायक उषा ठाकुर ने प्रतिनिधिमंडल के विचारों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों की सराहना करते हुए समाज के समग्र विकास के लिए सतत प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु मंडल सलाहकार समिति के सदस्य एवं उद्यमी अश्विन सेमलानी, नीमा जैन सहित अन्य गणमान्यजन भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज एवं राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर रचनात्मक संवाद का वातावरण रहा।

इससे पूर्व प्रेस्टीज वेस्टवुड परिसर में अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। अश्विन सेमलानी के नेतृत्व में स्थानीय प्रवासी समाज के प्रतिनिधियों ने पूर्व मंत्री उषा ठाकुर का माल्यार्पण एवं शाल्यार्पण कर सम्मान किया। कार्यक्रम में मानव जैन, गजेंद्र सिंह सहित अनेक प्रतिष्ठित नागरिक भी उपस्थित रहे।उपस्थित जनों ने इस भेंट को सामाजिक समन्वय, जनसंपर्क एवं जनकल्याण के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी बताया।

मंचेरियाल में मतदाता सूची संशोधन सर्वेक्षण शुरू, 24 जुलाई तक चलेगा

मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देश पर मंचेरियाल जिले में मतदाता सूची संशोधन सर्वेक्षण गुरुवार से शुरू हो गया है। अधिकारी घर-घर जाकर गणना प्रमाण पत्र भरवा रहे हैं। पारदर्शिता के लिए मृत, फर्जी और प्रवासी मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। एक माह तक चलने वाला यह सर्वेक्षण 24 जुलाई को समाप्त होगा। कांग्रेस, बीआरएस और भाजपा के बूथ लेवल कार्यकर्ता भी सर्वेक्षण में सहयोग कर रहे हैं। जिलाधीश कुमार दीपक, विधायक के. प्रेम सागर राव और मेयर मधुकर ने जनता से सर्वेक्षण अधिकारियों को सहयोग देने की अपील की है।

भाजपा ने आपातकाल विरोध दिवस पर निकाली रैली

मंचेरियाल, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) भाजपा ने आज आईबी चौराहे पर मआपातकाल विरोध दिवसफ मनाया। 1975 में लगे आपातकाल के 51 वर्ष पूरे होने पर नगर में रैली निकालकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ नारेबाजी की गई।

जिलाध्यक्ष नागुनुरी वेंकटेश्वर गौड़ ने आपातकाल को लोकतंत्र का ङ्कङ्ककाला अध्यायङ्कङ्क और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया।

राज्य उपाध्यक्ष रघुनाथ वेरबेल्ली ने कहा कि संविधान पर हमला होने पर भाजपा चुप नहीं बैठेगी। इस दौरान आपातकाल में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई।

पोचारम ने एसआईआर प्रक्रिया में दर्ज कराईं मतदाता डिटेल

बांसवाड़ा, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) गुरुवार को पोचारम गांव में आरडीओ रविंदर रेड्डी की देखरेख में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम हुआ। सरकारी कृषि सलाहकार व बांसवाड़ा विधायक पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने राजस्व अधिकारियों के पास खुद अपनी वोटर डिटेल दर्ज कराईं। उनके साथ पूर्व डीसीसीबी चेयरमैन पोचारम भास्कर रेड्डी व परिवार ने भी एसआईआर प्रक्रिया पूरी की।

विधायक ने सभी लोगों से पारदर्शी तरीके से चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि फाइनल मतदाता सूची 1 अक्टूबर को जारी होगी और हर योग्य व्यक्ति को पंजीकरण कराना चाहिए। कार्यक्रम में आरडीओ रविंदर रेड्डी, तहसीलदार राजा नरेंद्र गौड़, सरपंच व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

पेद्दापल्ली में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू

पेद्दापल्ली, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) चुनाव आयोग के आदेश पर पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) कार्यक्रम गुरुवार से शुरू हो गया। नगर निगम कार्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में आरडीओ गंगैया ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची की पूरी जांच, योग्य नागरिकों को मतदान का अधिकार देना और अयोग्य नाम हटाना है। कमिश्नर अकुला वेंकटेश ने अधिकारियों को प्रक्रिया तेज करने और बीएलओ के साथ समन्वय के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी योग्य मतदाता का नाम नहीं हटेगा और सोशल मीडिया की अफवाहों पर विश्वास न करें। एमआरओ राजैया ने सभी विवरण त्रुटि रहित दर्ज करने को कहा। बाद में बीएलओ को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में आरडीओ, कमिश्नर, एमआरओ, वार्ड अधिकारी, बीएलओ और नगर निगम स्टाफ मौजूद रहे।

बांसवाड़ा से तिरुमाला तिरुपति के लिए महा साइकिल यात्रा रवाना

बांसवाड़ा, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) पूर्व डीसीसीबी चेयरमैन पोचाराम भास्कर रेड्डी ने श्री अयप्पा स्वामी मंदिर से तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के लिए महा साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

यह यात्रा श्री गुरु विनय स्वामी की देखरेख में श्री वेंकटेश्वर स्वामी को श्रद्धांजलि देने के लिए शुरू की गई है। भास्कर रेड्डी ने कहा कि भक्ति, लगन और दृढ़ संकल्प से शुरू हुई यह यात्रा स्वामी के आशीर्वाद से सफल होगी। इस अवसर पर मालाधारण स्वामी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नेता और श्रद्धालु मौजूद रहे।

सांवलाजी मंदिर की 17वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई

जालौर, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) बागरा गांव में गुरुवार को सांवलाजी मंदिर की 17वीं वर्षगांठ बड़े उत्साह से मनाई गई। सुबह शिखर पर ध्वजारोहण के बाद भगवान सांवलिया सहित सभी देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना और हवन हुआ। कार्यक्रम में आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित शामिल हुए। मंदिर समिति ने उनका सम्मान किया। विधायक ने मंदिर के पीछे सड़क निर्माण का आश्वासन दिया। अधिक अंक लाने वाले छात्रों को टैबलेट, अन्य को स्टडी चेयर, स्कूल बैग और नोटबुक दी गईं। बीएलएलबी करने पर निशिता सोलंकी, गणित अध्यापिका बनने पर तरुणा भाटी व एम्स में नर्सिंग ऑफिसर बनने पर महावीर सोलंकी को सम्मानित किया गया। भामाशाहों को तिलक व साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। हजारों भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया। सुरक्षा के लिए बागरा पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए थे।

हर समस्या का समाधान है महावीर दर्शन

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को भगवान महावीर का जन्म कल्याण है। उनके सिद्धांत बताते हैं कि वर्तमान के वर्तन (व्यवहार) को किस प्रकार से रखा जाए कि जीवन में शांति, मरण में समाधि, परलोक में सद्गति तथा परम्पर से परमगति पाई जा सके। मानवीय गुणों की उपेक्षा के इस समय में महावीर के कल्याण का दिन हमसे अपने जातीय भेद भुलाकर सत्य से साक्षात का संदेश देता है। भगवान महावीर ने अहिंसा की जितनी सूक्ष्म व्याख्या की है वैसी अन्यत्र दुर्लभ है। उन्होंने मानव को मानव के प्रति ही प्रेम और मित्रता से रहने का संदेश नहीं दिया अपितु मिट्टी, पानी, अग्नि, वायु, वनस्पति से लेकर कीकोडे-मकोडे, पशु-पक्षी आदि के प्रति भी उसी मित्रता और अहिंसक विचार के साथ रहने का उपदेश दिया है। उनकी इस शिक्षा में पर्यावरण के साथ बने रहने की सीख भी है। आज जिस हिंसात्मक वातावरण और आपाधापी के बीच बच्चे बढ हो रहे हैं उसके कारण उनमें संयम का अभाव है। यह पीढी लक्ष्य से भटक रही है। ऐसे वातावरण में बडे हो रहे बच्चों से अपेक्षा रखना कि वे नैतिक राह पर चलेंगे ठीक नहीं। आज हमें समग्रता में महावीर की शिक्षाओं की बहुत जरूरत है ताकि हम इस धरा को सुंदर बना सकें।

बढती बुद्धि उन्नत कारोबार यही है बुधवार व्रत का उपहार

क्या आपका मन किसी काम में नहीं लगता क्या बार- बार किसी काम को करने से हतोत्साहित हो जाते हैं। या फिर व्यापार को लेकर आप हमेशा असंतुष्ट रहते हैं। तो इन समस्याओं के छुटकारा पाने के लिए बुधवार का व्रत कर सकते हैं। यह व्रत स्त्री-पुरुष दोनों के लिए ही मंगलदायक होता है। इस व्रत को करने से आपकी बुद्धि में काफी इजाफा हो सकता है।

करें ये उपाय सर्वप्रथम नित्यकर्मो से मुक्त होकर बुध देवता के मंत्र से बुध त्वं बुद्धिजनको बोधद: सर्वदा नृणाम तत्वावबोधं कुरुषे सोमपुत्र नमो नम: ॥ उनका ध्यान करें। घर के इशान कोण में भगवान शिव या बुध का चित्र या मूर्ति कांस्य के बर्तन में स्थापित करना चाहिए। उनपर बेलपत्र, अक्षत, धूप और दीप जलाकर विधिवत पूजा करनी चाहिए। दिन हरे-पीले रंग के शेड वाले कपडे पहनने चाहिए। पन्ना रत्न धारण करना शुभ होता है। व्रत में हरी वस्तुओं का इस्तेमाल करना चाहिए। मूंग का हलवा, हरे फल, छोटी इलाइची का विशेष महत्व है।

दिन के व्रत की पूर्णाहुति सूर्यास्त के बाद एक बार फिर से बुध को धूप, दीप और गुड, चावल एवं दही के भोग लगाने से होती है उसके बाद प्रसाद वितरण कर स्वयं भी ग्रहण करना चाहिए। व्रत करने वाले को दिन में एक बार ही नमक रहित भोजन करना चाहिए। बुधवार का व्रत को विशाखा नक्षत्र में बुधवार के दिन से आरंभ करना चाहिए, जिसे 17 या 21 सप्ताह तक करना चाहिए। इस योग के नहीं मिलने की स्थिति में इस व्रत को किसी भी माह में शुक्ल पक्ष के पहले बुधवार से किया जा सकता है। ब्राह्मणों को भोजन करवाकर यथाशक्ति दान देना चाहिए।

बुधवार व्रत की कथा

कहते हैं समतापुर नगर में मधुसूदन नामक एक व्यक्ति रहता था। वह बहुत धनवान था। मधुसूदन का विवाह बलरामपुर नगर की सुंदर लड़की संगीता से हुआ था। एक बार मधुसूदन अपनी पत्नी को लेने बुधवार के दिन बलरामपुर गया। मधुसूदन ने पत्नी के माता-पिता से संगीता को विदा कराने के लिए कहा। माता-पिता बोले- 'बेटा, आज बुधवार है। बुधवार को किसी भी शुभ कार्य के लिए यात्रा नहीं करते।' लेकिन मधुसूदन नहीं माना। उसने ऐसी शुभ-अशुभ की बातों को न मानने की बात कही। दोनों ने बैलगाडी से यात्रा प्रारंभ की।

दो कोस की यात्रा के बाद उसकी गाडी का एक पहिया टूट गया। वहाँ से दोनों ने पैदल ही यात्रा शुरू की। रास्ते में संगीता को प्यास लगी। मधुसूदन उसे एक पेड के नीचे बैठाकर जल लेने

चला गया। थोडी देर बाद जब मधुसूदन कहीं से जल लेकर वापस आया तो वह बुरी तरह हैरान हो उठा क्योंकि उसकी पत्नी के पास उसकी ही शक्ल-सूरत का एक दूसरा व्यक्ति बैठा था। संगीता भी मधुसूदन को देखकर हैरान रह गई। वह दोनों में कोई अंतर नहीं कर पाई। मधुसूदन ने उस व्यक्ति से पूछा 'तुम कौन हो और मेरी पत्नी के पास क्यों बैठे हो' मधुसूदन की बात सुनकर उस व्यक्ति ने कहा- 'अरे भाई, यह मेरी पत्नी संगीता है। मैं अपनी पत्नी को ससुराल से विदा करा कर लाया हूँ।

लेकिन तुम कौन हो जो मुझसे ऐसा प्रश्न कर रहे हो' मधुसूदन ने कहा 'तुम जरूर कोई चोर या ठग हो। यह मेरी पत्नी संगीता है। मैं इसे पेड के नीचे बैठाकर जल लेने गया था।' इस पर उस व्यक्ति ने कहा- 'अरे भाई झूठ तो तुम बोल रहे हो। संगीता को प्यास लगने पर जल लेने तो मैं गया था। मैंने तो जल लाकर अपनी पत्नी को पिला भी दिया है। अब तुम चुपचाप यहाँ से चलते बनो। नहीं तो किसी सिपाही को बुलाकर तुम्हें पकडवा दूंगा।' दोनों एक-दूसरे से लडने लगे। उन्हें लडते देख बहुत से लोग वहाँ एकत्र हो गए। नगर के कुछ सिपाही भी वहाँ आ गए। सिपाही उन दोनों को पकडकर राजा के पास ले गए। सारी कहानी सुनकर राजा भी कोई निर्णय नहीं कर पाया। संगीता भी उन दोनों में से अपने वास्तविक पति को नहीं पहचान पा रही थी। राजा ने दोनों को कारागार में डाल देने के लिए कहा। राजा के फैसले पर असली मधुसूदन भयभीत हो उठा। तभी आकाशवाणी हुई- 'मधुसूदन तूने संगीता के माता-पिता की बात नहीं मानी और बुधवार के दिन अपनी ससुराल से प्रस्थान किया। यह सब भगवान बुधदेव के प्रकोप से हो रहा है।'

मधुसूदन ने भगवान बुधदेव से प्रार्थना की कि 'हे भगवान बुधदेव मुझे क्षमा कर दीजिए। मुझसे बहुत बडी गलती हुई। भविष्य में अब कभी बुधवार के दिन यात्रा नहीं करूंगा और सदैव बुधवार को आपका व्रत किया करूंगा' मधुसूदन के प्रार्थना करने से भगवान बुधदेव ने उसे क्षमा कर दिया। तभी दूसरा व्यक्ति राजा के सामने से गायब हो गया। राजा और दूसरे लोग इस चमत्कार को देख हैरान हो गए। भगवान बुधदेव की इस अनुकम्पा से राजा ने मधुसूदन और उसकी पत्नी को सम्मानपूर्वक विदा किया। कुछ दूर चलने पर रास्ते में उन्हें बैलगाडी मिल गई। बैलगाडी का टूटा हुआ पहिया भी जुडा हुआ था।

दोनों उसमें बैठकर समतापुर की ओर चल दिए। मधुसूदन और उसकी पत्नी संगीता दोनों बुधवार को व्रत करते हुए आनंदपूर्वक जीवन-यापन करने लगे। इस तरह भगवान बुधदेव की कृपा से उनके यहां खुशियां बरसने लगीं।

आइये जाने मां दुर्गा की उत्पत्ति की कहानी

हिंदू धर्म में मां दुर्गा की आराधना के लिए विशेष रूप से नवरात्रि का त्यौहार मनाया जाता है। इस त्यौहार को साल में दो बार मनाया जाता है। मां दुर्गा को कई नामों जैसे- काली, पार्वती, गौरी, सती, महामाया और महिषासुर मर्दिनी के नाम से जाना जाता है। मां दुर्गा के रूप पार्वती को भगवान शिव की अर्धांगनी माना जाता है। मां दुर्गा की उत्पत्ति की गाथा कुछ इस प्रकार है: नवरात्री में आरती की थाली ऐसे सजाएं।

एक बार की बात है, एक भैंसा दानव था, जिसे महिषासुर के नाम से जाना जाता था, जो बडा शक्तिशाली था। वह सभी देवताओं का वध करना चाहता था, ताकि वह संसार में सर्वोच्च हो सकें। इससे घबराकर सभी देवता, सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्म् के पास गए और अपनी बात कही। तब सभी ने सर्वसम्मति से अपनी शक्तियों से मिलाकर देवी दुर्गा का सृजन किया। देवी दुर्गा का सृजन सभी की शक्तियों को मिलाने से ही संभव था ताकि महिषासुर का वध किया जा सकें। मां देवी दुर्गा का स्वरूप, बेहद आकर्षक है, उनके मुख में सौम्यता और स्नेह झलकता है। उनके दस हाथ हैं, जिसमें हर एक में एक विशेष शस्त्र है। उन्हें हर भगवान और देवता ने कुछ न कुछ अवश्य दिया था, भगवान शिव ने त्रिशुल, भगवान विष्णु ने चक्र, भगवान वायु ने तीर आदि।

देखिये दुर्गा पूजा की बेहतरीन तस्वीरें मां के कपडे और सवारी: मां दुर्गा की सवारी शेर है, जो हिमावंत पर्वत से लाया गया था। इस प्रकार देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करने के लिए बनाया गया है। बाद में देवी दुर्गा ने महिषासुर को मार डाला।

इस स्वरूप को आप अक्सर तस्वीरों और मूर्तियों में देख सकते हैं। महिषासुर को देवी दुर्गा ने अपने शेर और शस्त्रों से मार डाला। इस प्रकार मां दुर्गा, आज भी बुरी बाधाओं का वध करने के लिए पूजी जाती हैं। साल में चैत्र माह की नवरात्रि मुख्य होती है।

बालों में फूलों का गजरा लगाने का महत्व

भारत में आपको लडकियां और महिलाएं अपने बालों में फूल लगाएं जरूर मिल जाएंगी। खासतौर पर दक्षिण भारत में आपको हर लडकी बालों में एक या फूलों का गजरा लगाए दिख जाएगी। रंग बिरंगे फूल बालों को देखने में खूबसूरत ही नहीं बलकि हर फूल की अपनी अलग-अलग परिभाषा होती है। उनके पीछे जरूर कोई मतलब छुपा होता है। हर फूल किसी ना किसी गुण से जुडा होता है। चाहे बात करें चमेली, गुलाबी, गुलदाउदी या गुलाब आदि फूलों की, इस सब में कोई ना कोई राज छुपा होता है। माना जाता है कि अगर घर की लडकी या महिलाएं इन फूलों को सिर में लगाएं तो घर में खुशहाली आती है। आइये जानते हैं इन फूलों के पीछे छुपे हुए राज को।

बालों में फूलों का गजरा लगाने का महत्व

1. चमेली : चमेली अपनी खुशबू की वजह से फूलों की रानी के रूप में जानी जाती है। कोई त्योहार चमेली के फूल का उपयोग किए बिना पूरा नहीं समझा जाता है। यह समृद्धि और सौभाग्य का एक निशान है। इसलिए महिलाओं को आमतौर पर बालों पर चमेली के फूलों का गजरा पहने हुए देखा जाता है।

2. गुलाब: गुलाब प्यार और जुनून का प्रतीक है। तो अगर कोई लडकी गुलाब का फूल बालों में लगाती है, तो इसका मतलब होता है कि वह या तो अपने प्यार को याद कर रही होती है या फिर प्यार के जुनून को दिखा रही है।

3. गुलदाउदी: ये सुंदर से फूल खुशी को दर्शाते हैं। अगर एक लडकी बालों में गुलदाउदी पहनती है, तो वह अपने परिवार के लिए खुशी लाने के लिए सोंचती है।

4. गुडहर: यह फूल शक्ति का प्रतीक है इसलिये इससे काली देवी और अन्य रूपों की पूजा में प्रयोग किया जाता है।

फूलों का महत्व:फूलों का महत्व काफी प्राचीन है। भारत की हर संस्कृति में अलग अलग महिलाओं के लिये इन फूलों का महत्व एक दम जुदा है। भारत में लडकी का बालों में फूलों का गजरा लगाना उसके परिवार में खुशी और समृद्धि लाने से जोडा जाता है। माना जाता है कि फूल

सुख-समृद्धि लाने में लगाने से मां लक्ष्मी घर में निवास करती हैं और वह घर को छोड कर कभी नहीं जाएंगी।

फेंगशुई प्रोडक्ट से जगा सकते हैं सोई किस्मत

फेंगशुई प्रोडक्ट घर में काफी सहायक हैं, लेकिन इन प्रोडक्ट्स का प्रयोग करते समय दिल और दिमाग में इसके प्रति आस्था रखनी आवश्यक है, तभी यह मनोवांछित फल देते हैं। आज घर-घर में पाए जाने वाले लाफिंग बुद्धा, मनी प्लांट आदि फेंगशुई की ही देन है। फेंगशुई के जानकार मानते हैं कि यह वस्तुएं आपकी सोई किस्मत को जगाकर आपको खुशहाल बना सकती हैं। हालांकि, कई जगह इन सामानों को भारतीय ज्योतिष से भी जोड कर देखा जाता है। जैसे कछुआ ना सिर्फ फेंगशुई में विशेष महत्व रखता है बल्कि ज्योतिष में भी इसका बेहद महत्व है। मान्यता है कि श्रीहरि विष्णु ने भी कछुआ रूप धारण कर समुद्र-मंथन के समय संसार की सहायता की थी। इसी तरह हाथियों को फेंगशुई के साथ भारतीय ज्योतिष में भी पुण्यकारी और लाभ देने वाला बताया गया है। फेंगशुई के सकारात्मक प्रभाव देखने के लिए इसमें विश्वास होना बेहद जरूरी है।

अगर विश्वास है तो तुच्छ माने जाने वाले बांस के पौधे भी आपके घर में पैसों की बारिश करा सकते हैं। फेंगशुई में मछलियों का महत्व होता है। मान्यता है कि मछलियां धन और समृद्धि लेकर आती हैं। मछलियों की उछलकूद देखने से मन को शांति मिलती है और यह अपने साथ सारे अपशकुन लेकर चली जाती हैं। हालांकि, इसे रखने के लिए विशेष देखभाल की जरूरत होती है। फेंगशुई के अनुसार घर में अगर जिंदा मछलियां रखनी हो तो आठ सुनहरी और एक काली मछली को मछलीघर में रखना चाहिए और अगर जगह की कमी हो तो आप दो मछलियों को रख सकते हैं। एक्वेरियम को रखने के भी कुछ नियम हैं जैसे इसे दरवाजे के पास या ठीक दरवाजे के सामने नहीं रखना चाहिए। इसे घर की उत्तर, पूर्व या उत्तर पूर्व दिशा में रखना चाहिए। अगर कोई मछली मर जाती है तो यह अपशकुन नहीं है, यह संदेश होता है कि मछली घर पर आने वाली आपदा को अपने साथ लेकर चली गई। अगर घर में बडा एक्वेरियम रखने की जगह ना हो तो आप छोटा सा एक्वेरियम दो मछलियों वाला भी रख सकते हैं। यह प्यार का प्रतीक माना जाता है। साथ ही आप क्रिस्टल की बनावटी मछलियों का जोडा बेडरूम में रख सकते हैं।

गोल्डफिश को फेंगशुई के अनुसार सबसे अधिक पवित्र और संपन्नता देने वाला माना जाता है। सोने की प्रतीत होने वाली यह मछली आपके जीवन में भी सोने की चमक बिखेर देगी। फेंगशुई एरोवाना मछली सबसे शुभ मछली माना जाता है। मान्यता है कि यह मछली अच्छे स्वास्थ्य, समृद्धि, सुख, धन और शक्ति का प्रतीक है। फेंगशुई के अनुसार एरोवाना मछली बुरी शक्तियों को हटाती है। अगर

आप जिंदा एरोवाना मछली ना पाल पाएं तो आपको मुंह में सिक्का लिए हुए सुनहरी एरोवाना मछली की मूर्ति रखनी चाहिए।

मान्यता है कि इस नींबू को अपने पास रखने वाले को समृद्धि मिलती

तमिलनाडु के विलुपुरम जिले में मंदिर प्रशासन ने एक पवित्र नींबू की नीलामी की। पांगुनी उतिराम त्योहार की एक रस्म के तहत की गई इस नीलामी में एक दंपती ने इसे 39,000 रुपए में खरीदा। तिरुवण्णेनल्लूर के बालातंडेतपनी मंदिर में 11 दिनों तक उत्सव होता है। इसके आखिरी दिन भगवान मुरुगन के भाले पर लटकाए गए फलों को नीलाम करने की परंपरा है। गांव वालों की ऐसी मान्यता है कि इस नींबू को अपने पास रखने वाले को समृद्धि मिलती है और जिस दंपती के पास यह फल होता है, उन्हें संतान सुख मिलता है। इस साल दंपती जयरामन और अमरावती ने 39,000 रुपए देकर 'पवित्र' नींबू खरीद लिया। बाकी के आठ नींबू भी अच्छे दामों में बिके। कुल मिलाकर नौ नींबू 57 हजार 722 रुपए में बिके। गांव के एक बुजुर्ग ने बताया कि किसी को नहीं पता कि यह मंदिर कब बनाया गया था। मंदिर उस जगह पर बना है, जहां दो पहाडियां मिलती हैं। काफी समय बाद गांव वालों का ध्यान इस मंदिर पर गया।

जब अकबर ने ली भगवान की परीक्षा, यह चमत्कार देख मान ली हार

शूरवीर और शहंशाह भी ईश्वर की शक्ति को नमन करते हैं। ऐसा ही एक बार अकबर के जीवन में भी हुआ और उसने जगदीश महाराज के दरबार में शीश झुकाया। आगरा से अजमेर में ख्वाजा साहब की जियारत के जाते समय बादशाह अकबर जब गोनेर के पास से गुजरा तो लोगों ने लक्ष्मी जगदीश महाराज की प्रसिद्धि के बारे में बताया। बादशाह ने भगवान की परीक्षा लेने की सोची और गोनेर की ओर कूच किया।

उसने कहा कि यदि बिना मांगे मुझे मनचाहा प्रसाद एवं दर्शन हो जाएंगे तो मैं मान जाऊंगा, नहीं तो मंदिर को तोड दूंगा। उधर भगवान ने बादशाह की मंशा भांपकर अपने सेवक देवादास को स्वप्न में दर्शन देकर कहा कि एक भक्त मेरी परीक्षा लेने आ रहा है। उसे बिना मांगे प्रसाद में घेवर देना और पंच पीर के दर्शन करवा देना। इस पर देवादास ने कहा कि भगवान हां तो किसी को घेवर बनाने भी नहीं आते। कैसे प्रसाद दूंगा इस पर भगवान ने कहा, तू चिंता मत कर, सब प्रबंध हो जाएगा। जब अकबर गोनेर मंदिर पहुंचा तो सेवक देवादस ने बिना मांगे घेवर का प्रसाद देकर बादशाह को मंदिर में पंचपीर के दर्शन करा दिए। इससे बादशाह बहुत प्रभावित हुआ। उसने मंदिर में भगवान के दर्शन किए और शीश नवाया। तब से होली के दिन से भगवान को मालपुए एवं अन्य मिष्ठानों का भोग नहीं लगाया जाता। फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा से पांच दिन लक्ष्मी जगदीश भगवान के केवल घेवर का ही भोग लगता है। रंगपंचमी के दिन भगवान को गर्भगृह से बाहर लाते हैं और गर्भगृह सहित पूरे मंदिर का शुद्धिकरण किया जाता है।

लक्ष्मी जगदीश का मेला गोनेर स्थित श्री लक्ष्मी जगदीश भगवान का प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल दूज पर लगने वाला वार्षिक लक्खी मेला शुक्रवार को आयोजित होगा। मंदिर के महंत हनुमान दास शर्मा एवं सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि इस मेले में प्रदेशभर से श्रद्धालु आएंगे। इस अवसर पर भगवान जगदीश, चारभुजानाथ, बिहारीजी को मनोहरी फाल्गुनी पोशाक धारण करवा कर झांकी सजाई जाएगी।

सम्मान और यश प्राप्ति की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य में होती है

सम्मान और यश प्राप्ति की अभिलाषा प्रत्येक मनुष्य में होती है, किंतु जिन कार्यों से सम्मान मिलना संभव होता है उन्हें करने के लिए बहुत कम लोग राजी होते हैं। झूठे सम्मान के लोभी मनुष्यों को अथक प्रयास करने पर भी असफलता ही हाथ लगती है। जिस योग्यता पर यश मिलता और सम्मान बढता है उसे बढाया न जाए तो यह महत्वाकांक्षा अधूरी ही बनी रहेगी।

उचित योग्यता के अभाव में क्या किसी को सम्मान मिला भी है। योग्यता विलक्षणता, परिश्रम और अभ्यास से मिलती है। इसके लिए सबसे पहले अतुलनीय साहस उत्पन्न करना पडता है। साहस के बगैर वह शक्ति नहीं आती जो विपन्न स्थिति में धैर्य स्थिर रख सके। सर्वोपरि स्थान प्राप्त करने के लिए घोर संघर्ष का सामना किए बिना कोई बच नहीं सकता। साहस से सहिष्णुता आती है, जिससे लोग हंसते हुए उन कठिनाइयों को झेल जाते हैं। जब इस तरह का विशाल हृदय मनुष्य का बन जाता है तो यश स्वयं चलकर आपके पास आ जाता है।

कर्तव्य-बुद्धि का परिष्कार ही गुणों की पराकाष्ठा तक पहुंच सकता है। यश का लोभ कामना-पूर्ति में विलंब होते या विघ्न आते देखकर बीच में ही गिरा देता है, इसलिए इसे त्याज्य कहा गया है। यश की अभिलाषा आंतरिक हो और किसी आदर्श पर प्रतिरोपित हो तो ही मनुष्य कठिनाइयों के उच्च शिखर पर चढता चला जाता है। श्रेष्ठता प्राप्त करने का अभ्यास आवेश या अंधानुकरण पर आधारित न हो अन्यथा अधिक देर तक उस सत्कर्म में टिके रहना संभव न होगा। विचार करें कि अपनी प्रकृति, स्थिति और शक्ति के अनुसार कौन-सी विशेषता सहज ही में प्रकट कर सकेंगे। दान, सेवा, भक्ति, चरित्र की निर्मलता, ब्रह्मचर्य आदि का चयन अपनी स्थिति को ध्यान में रखकर करें।

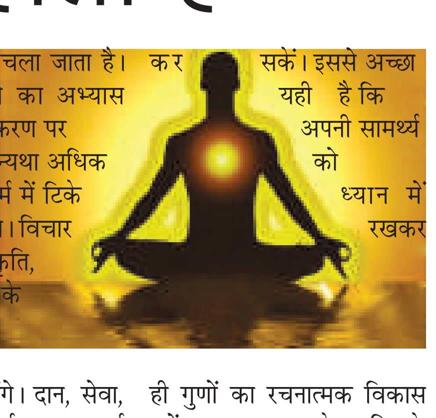

विपरीत स्थिति और शक्ति से बढकर किए गए प्रयास प्रायः निष्फल होते हैं या फिर साहस इतना बुलंद हो कि प्रत्येक स्थिति को कठोरता को अंत तक सहन कर सकें। इससे अच्छा यही है कि अपनी सामर्थ्य को ध्यान में रखकर ही गुणों का रचनात्मक विकास करें। सामान्य स्तर के व्यक्ति के लिए भी जीवन में सम्मान प्राप्त करने का एक सीधा सच्चा उपाय है। वह है वैर-भाव, ईर्ष्या-द्वेष और प्रतिशोध की भावना न रखना। सबके साथ प्रेम, दया, करुणा और सहृदयता से रहकर यह स्थिति प्राप्त की जा सकती है।

कहीं भी हो सकते हैं मुंहासे...

मुंहासे हमारे शरीर के किसी भी भाग में हो सकते हैं, यहां तक कि सिर की त्वचा पर भी। सिर की त्वचा में मुंहासों की समस्या होने के बहुत से कारण होते हैं जैसे कि हार्मोन्स में असंतुलन, अस्वास्थ्यकर आहार, अस्वच्छता, एलर्जिक रिएक्शन आदि। आज हम आपको सिर की त्वचा पर आने वाले मुंहासों से तुरंत छुटकारा पाने के तरीके बताएंगे। टी ट्री ऑइल एक एंटीसेप्टिक और कीटाणु नाशक की तरह काम करते है। ऑलिव ऑयल और टी ट्री ऑयल को एक साथ मिला कर सिर पर लगाने से मुंहासें पैदा करने वाले कीटाणु मर जाते हैं। विनेगर और पानी को मिलाकर बालों में 20 मिनट लगाने से मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया और तेल को साफ किया जा सकता है। 20 मिनट बाद आप बालों को धो लें। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए हल्दी पाउडर तथा नारियल के तेल को मिलाएं। इसे सिर पर मुंहासों वाली जगह पर लगाएं और बाद में गुनगुने पानी से धो डालें। एलोवेरा बहुत ही चमत्कारी है। इसे मुंहासों वाली जगह पर लगा कर कुछ देर तक सूखने दें। इसे दिन में कम से कम दो-तीन बार लगाएं। नीम में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण होते हैं जिसके कारण यह मुंहासों के उपचार में काफी प्रभावी होता है। इसके लिए पानी में कुछ पत्तियों को उबाल लें और पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को रोज मुंहासे पर लगाने से मुंहासे जल्दी सुख जाते है। सिर की त्वचा पर 10 मिनट टमाटर का ताजा रस लगाने से मुंहासों को दूर किया जा सकता है। इसमें सैलिसिलिक एसिड होता है।10 मिनट बाद में पानी से धो लें। इसे त्वचा पर ज्यादा देर तक न लगा रहने दें।

184 सालों में पहली बार नहाया ये कछुआ...

दुनिया का सबसे पुराने जिंदा जीव के तौर पर पहचान रखने वाले जोनाथन ने 184 सालों में पहली बार नहाया है। उसका ये स्नान तो जानकारी में है, जो पहली बार है। उसने 184 सालों से पहले कभी नहाया हो, तो उसका रिकॉर्ड नहीं। ये जोनाथन दरअसल दुनिया का सबसे पुराना जीवित जीव है। जो एक विशालकाय कछुआ है। ये कछुआ सेंट हेलेना द्वीप पर रहता है। जिसकी सारी जिम्मेदारी सरकार उठाती है। सेंट हेलेना सरकार की तरफ वीडियो में जोनाथन को नहाते दिखाया गया है। सरकार ने इसे ऐतिहासिक पल करार देते हुए सभी सेंट हेलेना वासियों को उसे नहाते देखने के लिए आमंत्रित किया था। जोनाथन की देखरेख करने का जिम्मा संभालने वाले हॉलिंस का कहना है कि हम चाहते थे कि लोग आएं और जो लोग उससे मोहब्बत करते हैं, वो उसे महसूस करें। वो बहुत प्यारा है। हॉलिंस ने कहा कि मैं जब कुछ बोलता हूं, तो जोनाथन अलग ही आवाज में मुझे जवाब देता है। जोनाथन के साथ मेरी ट्यूनिंग बेहतरीन है। मैं हर सप्ताह उसकी जांच करता हूं और साफ सब्जियों की डाइट देता हूं। जोनाथन की देखरेख की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि वो दुनिया का सबसे उम्रदराज जीव है। मैं जोनाथन की देखरेख का जिम्मा पाकर खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं ।

ब्रेस्टफीडिंग
कराने से होते हैं ये फायदे

मां के दूध में बच्चे के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। मां का दूध बच्चे के लिए संपूर्ण आहार कहा जाता है। छः महीने तक शिशु शरीर की सारी जरूरतें इससे पूरी हो जाती है। जिन शिशुओं को मां का दूध दिया जाता है, वे अन्य शिशुओं के मुकाबले कम बीमार पड़ते हैं। इतना ही नहीं ब्रेस्टफीडिंग सिर्फ आपके शिशु के लिए ही नहीं बल्कि आपके लिए भी फायदेमंद है। स्तनपान कराने वाली महिलाएं रोगमुक्त रहती हैं।

संक्रमण से बचाव
ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं में सांस संबंधी समस्या व कान के संक्रमण जैसी समस्याओं से रक्षा होती है। इसके अलावा यह बच्चों में मधुमेह एवं श्वेत रक्तता, और अन्य एलर्जी जैसे दमा और एक्जिमा के खतरे को कम करता है।

शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी
ब्रेस्टफीडिंग समय से पहले जन्में शिशुओं की सेहत में सुधार करता है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि समय से पहले पैदा होने वाले बच्चों का वजन काफी कम होता है। ब्रेस्टफीडिंग के जरिए शिशुओं के वजन में बढ़ोत्तरी की जा सकती है।

वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है
ब्रेस्टफीडिंग से शिशुओं को बचपन में होने वाले मोटापे के खतरे को कम किया जा सकता है। बाहरी दूध की तुलना में मां के दूध में इन्सुलिन काफी कम होता है (इन्सुलिन वसा निर्माण को उत्प्रेरित करता है)।

स्वस्थ आदतों का विकास
स्तनपान करने वाले शिशु अपने भोजन को नियमित रूप से लेने में, और जैसे-जैसे उनका शारीरिक विकास होता है वैसे-वैसे स्वस्थ आदतों को विकसित करने में भी अधिक कुशल होते है।

दिमाग का विकास
मां के दूध में कई ऐसे तत्व होते हैं जो शिशु के दिमाग के विकास के लिए जरूरी है। शोध में भी यह बात साबित हो चुकी है कि स्तनपान करने वाले शिशु बुद्धिमान होते हैं।

शरीर का तापमान होता है सामान्य
शिशु के जन्म के पहले कुछ हफ्तों में, अधिकांश शिशुओं को अपने शरीर के तापमान को सामान्य बनाने में कठिनाई होती है। स्तनपान आपके शिशु की उसके शरीर का तापमान सामान्य रखने में मदद करता है। उसे गर्म रखने के अलावा,त्वचा का त्वचा से स्पर्श आपके और आपके शिशु के बीच मजबूत भावनात्मक बंधन को भी बढ़ाता है।

तकलीफ के कम लक्षणों का प्रकट होना
मां के दूध के फायदों के बारे में विशेषज्ञों ने पता लगाया है कि जिन शिशुओं को टीकाकरण से ठीक पहले अथवा बाद में स्तनपान कराया जाता है, उनमें तकलीफ के कम लक्षण प्रकट होते हैं।

वजन मां का भी कम होता है
स्तनपान कराने वाली महिलाएं अधिक कैलोरी को इस्तेमाल करती हैं जिसकी वजह से उनका वजन बढ़ जाता है। लेकिन प्राकृतिक ढंग से वजन को कम करने और मोटापे से बचने का यह कारगर तरीका है।

तनावमुक्त करने में मददगार
जब शिशु की तबीयत ठीक नहीं होती या वो बैचेनी महसूस करता है तो स्तनपान कराने से उसे आराम मिलता है। स्तनपान शिशु का रोना कम करने, और आपको तनावमुक्त करने में मदद करता है।

कैंसर का खतरा कम
स्तनपान करानेवाली माताओं को स्तन या गर्भाशय के कैंसर का खतरा कम होता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक है।

इस तरह से ब्रेस्टफीडिंग कराना बच्चे के साथ-साथ मां के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

हैदराबादी परंपरा का अनूठा स्वाद
मुहर्रम का विशेष उपहार दम के रोट

बिस्कुट और कुकीज़ हमेशा से हैदराबाद में शाम के नाश्ते और यहाँ की संस्कृति का एक अहम हिस्सा रहे हैं। लेकिन इन सबमें अपनी समृद्धि, बेमिसाल गुणवत्ता और पारंपरिक महत्व के कारण जो कुकी सबसे अलग पहचान रखती है, वह है दम के रोट। मुहर्रम के पवित्र महीने से गहरा प्रतीकात्मक और पारंपरिक संबंध रखने वाली यह कुकी हर हैदराबादी की पहली पसंद है।

अपनी बेहतरीन हलीम, बिरयानी, ज़ाफ़रानी चाय, लाजवाब स्नैक्स और बेकरी उत्पादों के लिए दुनिया भर में मशहूर हैदराबाद का विश्वप्रसिद्ध ब्रांड पिस्ता हाउस, मुहर्रम के इस विशेष सीजन में अपने ग्राहकों के लिए अत्यंत खास दम के रोट लेकर आया है।

क्या है दम के रोट की खासियत?

अद्भुत स्वाद और बनावट: यह आकार में बड़ी और कुरकुरी बेक की हुई कुकी होती है, जो बाहर से एकदम भूरी व क्रिस्पी (करारी) होती है, जबकि अंदर से बेहद सॉफ्ट और लाजवाब होती है।

शुद्ध और प्रामाणिक सामग्रियां: इसे बनाने में केवल प्रामाणिक और प्रीमियम सामग्रियों जैसे भरपूर ड्राई फ्रूट्स (मेवे) और शुद्ध देसी घी का उपयोग किया जाता है।

100% शुद्ध शाकाहारी: स्वास्थ्य और प्राथमिकताओं का ध्यान रखते हुए पिस्ता हाउस का यह प्रसिद्ध हैदराबादी दम के रोत 100% शुद्ध शाकाहारी है।

तो फिर देर किस बात की? इस मुहर्रम, हैदराबाद की इस सबसे प्रसिद्ध पारंपरिक कुकी के स्वाद का आनंद उठाएं। विशेष पिस्ता हाउस दम के रोट अब हैदराबाद भर में स्थित पिस्ता हाउस के सभी आउटलेट्स पर उपलब्ध हैं। अपने नजदीकी आउटलेट पर जाएँ और शुद्धता व परंपरा के इस बेजोड़ स्वाद का अनुभव करें।

प्याज के रस से कैसे बढ़ाएं
बालों की लंबाई

प्याज घर में उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ बालों के उत्पादों में से एक है। हालांकि अक्सर लोग इसकी तीखी गंध और इसे काटने पर आंखों में आने वाले आंसू के कारण इसे पसंद नहीं करते। लेकिन क्या आप जानती हैं कि प्याज बालों की विभिन्न प्रकार की समस्याएं जैसे बालों का झड़ना और दोमुंहें बालों को दूर करने में बहुत मददगार होती है। प्याज में मौजूद सल्फर बालों की जड़ों को पोषण देता है जिससे बालों के विकास में मदद मिलती है।

इसलिए बहुत से लोग बालों की लंबाई बढ़ाने के लिए प्याज का रस लगाते हैं। प्याज में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण के कारण इसका रस बालों में लगाने से गिरते बालों को रोकने, रूसी और सिर के संक्रमण आदि को दूर करने में मदद मिलती है। यह घरेलू उपाय बालों को चमकदार और मजबूत बनाने के लिए अदभुत रूप से काम करता है। अगर आप भी अपने बालों को स्वस्थ, चमकदार और लंबे बालों की चाह रखते हैं तो प्याज के रस से बने हेयर पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

प्याज का रस
प्याज का रस निकालकर इसे अपने सिर की त्वचा यानी स्कैल्प पर लगाकर 25-30 मिनट के लिए छोड़ दें। साथ ही अपने सिर पर तौलिए को लपेट लें ताकी बालों के रोम इसे अवशोषित कर लें। फिर शैंपू से बालों को धो लें।

प्याज के साथ बीयर
बीयर आपके बालों को प्राकृतिक रुप से चमकदार बनाती है। प्याज के रस को बीयर में मिक्स करके लगाने से बालों की ग्रोथ होने के साथ बाल कंडीशन भी होते हैं। बाल को बढ़ाने के लिए इस उपाय को एक सप्ताह में दो बार करें।

प्याज और नारियल का तेल
तेल के साथ प्याज के रस को मिक्स करने पर यह बालों के विकास को बढ़ाता है और बालों को पोषण भी देता है। प्याज के रस को तेल के साथ मिलाकर बालों में मसाज करें। फिर एक तौलिया लपेटें और भाप लें। यह उपाय स्कैल्प से मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाता है, जिससे बालों की ग्रोथ बढ़ जाती है।

प्याज के साथ शहद
बालों के विकास के लिए यह बहुत ही प्रभावी घरेलू उपाय है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज का पेस्ट बनाकर उसमें कुछ बूंदें शहद की मिला लें। इस पेस्ट को बालों के उस हिस्से में लगाए जहां पर बाल कम हैं।

प्याज के साथ नींबू
नींबू और प्याज के रस का प्रयोग बालों की ग्रोथ के साथ रूसी के इलाज में भी मदद करती है। नींबू का रस स्कैल्प को साफ करने के साथ बालों का झड़ना भी कम करता है।

प्याज का रस और रम
बालों के विकास के लिए प्याज के रस का प्रयोग सबसे आसान तरीका है। इसके लिए रातभर आपको रम के एक गिलास में घिसी हुई प्याज को डाल कर रखना होगा। सुबह इस मिश्रण को छान कर अपने सिर की मसाज करें। इससे आपके बालों को मजबूती मिलेगी और जल्द से जल्द बाल बढ़ने शुरु हो जाएगें।

प्याज और अंडे की सफेदी

यह बात तो शायद सभी जानते हैं कि अंडा बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। लंबे बालों की चाह रखने वाले लोगों के लिए प्याज और अंडे से बना हेयर पैक बहुत ही लाभकारी होता है। इस पैक को बनाने के लिए प्याज के रस में अंडे के सफेद हिस्से को मिक्स कर लें। फिर इस पैक को 25-30 मिनट अपने गीले बालों में लगाकर शैंपू कर दें। प्याज के रस से बने हेयर पैक के इस्तेमाल से आप आसानी से बालों को लंबा, घना और चमकदार बना सकते हैं।

रेसिपी

भाटीया कड़ी

सामग्री

1 कप तुवर दाल, 1/4 कप दही, 1 टेबल-स्पू[illegible] बेसन, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून जीरा[illegible] 1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/[illegible] टी-स्पून मेथी दानें, 1 कप भिंडी, 50 मिमी [illegible] टुकड़ो में कटी हुई, 1/4 कप स्लाईस्ड मूली, [illegible] 1/2 कप सहजन फल्ली, 50 मिमी के टुकड़ो में कट[illegible] हुई, 3 से 4 कोकम, 10 मिनट के लिए भिगोकर छा[illegible] हुए, 4 टेबल-स्पून कटा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप मोटे स्लाईस्ड केले, **सजाने के लिए:** 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

तुवर दाल और 5 कप पानी को एक प्रैशर कुकर में मिलाकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। हल्का ठंडा कर, दाल छान लें और पानी को एक तरफ रख दें। इस व्यंजन के लिए आपको केवल पानी की आवश्यक्ता है। दही और बेसन को एक बाउल में अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा, सरसों, हींग और मेथी दानें डालें। जब सरसों के बीज चटकने लगे, भिंडी, मूली, सहजन फल्ली और छाना हुआ दाल का पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढ़क्कन से ढ़ककर, धिमी आंच पर 8-10 मिनट के लिए या सब्जीयों के नरम होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। कोकम, गुड़, तैयार दही-बेसन का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, धिमी आंच पर 4 से 5 मिनट के लिए पका लें। केले डालकर अच्छी तरह मिला लें और धिमी आंच पर और 2 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

माठा ची भाजी

सामग्री

6 कप कटी हुई चौलाई भाजी, 1 1/2 टी-स्पून तेल, 2 टी-स्पून सरसों, 1/2 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टेबल-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटे हुए प्याज, 1 कप अंकुरित मूंग, एक चुटकी शक्कर, नमक सवादअनुसार, सजाने के लिए 3 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और लहसुन का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुनें। प्याज डालकर मध्यम आंच पर और मिनट या प्याज के नरम होने तक भुनें। चौलाई भाजी, अंकुरित मूंग डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भुनें। 2 कप पानी, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिलायें। ढ़ककर धिमी आंच पर 15 से 20 मिनट या अंकुरित मूंग के पकने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें, जिससे सब्जी को बर्तन के नीचे चिपकने से बचाया जा सके। धनिया से सजाकर तुंरत परोसें।

संपादकीय

और कितने 'लाक्षागृह'

यह अग्निकांड नहीं, हत्याकांड है। यह हादसा या दुर्घटना नहीं, कत्लेआम का बंदोबस्त है। यह आधुनिक दौर का 'लाक्षागृह कांड' है। ऐसी हत्याएं यहीं नहीं रुकेंगी, क्योंकि यह हमारी व्यवस्था की निरंतर नाकामी है। नगर निगम आंख मूंद कर सोया है, निर्लिप्त है, कोई चिंता-सरोकार नहीं है। बिजली विभाग को करंट दो, क्योंकि वह सन्नाटे में बेसुध है। फायर ब्रिगेड के भीतर जान बचाने का जज्बा बुझ चुका है। ये विभाग और बड़े अधिकारी सिर्फ 'चाय-पानी' की प्रतीक्षा में हैं। उनकी औलादें विदेश में या बेहतर व्यवस्था के संस्थानों में कम्प्यूटर पर खेल रही हैं। आग विदेश में भड़कती है, धुआं वहां भी काला और दमघोंटू होता है। 'लाक्षागृह' स्तरीय संस्थानों में भी बनाए जा सकते हैं। एक बार किसी मंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर, सचिव, निदेशक का बच्चा ऐसे 'लाक्षागृह' में फंसना चाहिए, लेकिन उसके दम घुटने अथवा जिंदा जल जाने की कल्पना भी हम नहीं करेंगे। 'लाक्षागृह' लखनऊ में ही नहीं हैं। इसी महीने की शुरुआत में राजधानी दिल्ली के एक 'गेस्ट हाउस' में अग्निकांड हो गया था। 21-22 निर्दोष, अतिथि मारे गए। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, पालम, द्वारिका आदि में भी कई लोग जिंदा जल कर खाक हो गए। उनकी क्षतिपूर्ति 5-10 लाख रुपए आंकी गई और अध्याय खत्म..! फिर एक और 'लाक्षागृह' का इंतजार...! देश के आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में 'लाक्षागृह' धू-धू कर जले हैं। कितना होश आया, व्यवस्था बदली या बुलडोजर चलाए गए? देश में और कितने ऐसे 'लाक्षागृह' हैं, कोई नहीं बता सकता। ईश्वर भी असहाय साबित होंगे। जांच के नाम पर कुछ ढोंग किए जाते हैं, कुछ इमारतें सील की जाती हैं, छोटे कर्मचारी निलंबित कर दिए जाते हैं, बस...हो गया न्याय! सरकारें मुआवजे बांटने को लालायित रहती हैं। शायद उनसे भी वोट मिलते होंगे! सरकारें अवैध, अतिक्रमण वाले, असुरक्षित, बिना अग्निशमन सिस्टम के, बड़े-बड़े निर्माणों, इमारतों, होटलों, मॉल, अस्पताल, स्कूल-कॉलेज की तरफ आंख उठा कर भी नहीं देखतीं, क्योंकि 'चाय-पानी' मिल चुका होता है। हमारी संपूर्ण व्यवस्था ही बेईमान, भ्रष्ट, नालायक और सुप्तावस्था में है। नतीजतन 'लाक्षागृह' बनते जा रहे हैं। लखनऊ में भी कुछ अधिकारियों को निलंबित करने से कुछ नहीं होगा। जिनके कार्यकाल में ये 'लाक्षागृह' बनाए गए हैं, उन्हें सरकारी सेवाओं से, तुरंत प्रभाव से, बर्खास्त कर देना चाहिए। सरकारें अदालती चुनौतियों को भी झेलें और उन्हें यथार्थ से अवगत कराएं। सरकारों को ऐसा दंडात्मक रुख अख्तियार करना पड़ेगा। 'लाक्षागृह' में आग लगने से 2005-15 में सालाना 17,700 से अधिक मौतें हुई हैं। 2015-24 के दौरान 10,909 मौतें...! अर्थात 25-30 'लाक्षागृह मौतें' हररोज...! कितना खौफनाक, त्रासद आंकड़ा है यह? 2024 की रपट भी सामने है, जिसके मुताबिक उस साल 5971 'लाक्षागृह कांड' हुए, जिनमें 5888 मौतें हुईं। क्या ऐसा देश 'विश्व-गुरु' होने की खुशफहमी भी पालने लायक है? 'स्मार्ट सिटी' बनाने की परियोजना ही बंद कर देनी चाहिए, क्योंकि हम ऐसा ढांचा बनाने में अक्षम हैं। हम चेतना-सोच के स्तर पर 'स्मार्ट' होने से बहुत दूर हैं। क्यों करदाताओं के करोड़ों रुपए 'स्मार्टफहमी' के नाम पर फूंके जा रहे हैं? जिन्हें 'चाय-पानी' की लार परेशान कर रही है, उन्हें सत्ता और प्राधिकरण के दफ्तरों से बाहर कर देना चाहिए। यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री यह काम नहीं कर सकते, तो यह काम भी देश की आक्रोशित जनता कर सकती है। यह लापरवाही, अनदेखी और भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा है कि 70 फीसदी से अधिक दिल्ली 'लाक्षागृह' की आशंका, अंदेशों के साथ जी रही है। जरा दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, करोल बाग, पहाड़गंज सरीखे बाजारों में घूम कर अनुभव लें। दिल्ली की बड़ी-बड़ी इमारतों के परिसर में जाकर उनकी पुरानी, संकरी व्यवस्था को देख लें, नंगी तारों के झुंड भी जरूर देखना, तो आप एकबारगी सिहर उठेंगे। डर जाएंगे और वहां से एकदम भागना चाहेंगे, क्योंकि वे तमाम 'लाक्षागृह' ही हैं। यह देश की राजधानी का यथार्थ है। हमारी विडंबना और दुर्भाग्य है कि कानून में 'लाक्षागृह कांड' को अपराध अथवा हत्या नहीं, बल्कि दुर्घटना-हादसा माना गया है, नतीजतन अधिकतर आरोपित सालों से जमानत पर घूम रहे हैं। क्या वाकई ये अग्निकांड 'हादसे' ही हैं? इस तरह की घटनाएं बार-बार हो रही हैं और हम कोई सबक नहीं ले रहे हैं।

> नगर निगम आंख मूंद कर सोया है, निर्लिप्त है, कोई चिंता-सरोकार नहीं है। बिजली विभाग को करंट दो, क्योंकि वह सन्नाटे में बेसुध है। फायर ब्रिगेड के भीतर जान बचाने का जज्बा बुझ चुका है। ये विभाग और बड़े अधिकारी सिर्फ 'चाय-पानी' की प्रतीक्षा में हैं। उनकी औलादें विदेश में या बेहतर व्यवस्था के संस्थानों में कम्प्यूटर पर खेल रही हैं। आग विदेश में भड़कती है, धुआं वहां भी काला और दमघोंटू होता है। 'लाक्षागृह' स्तरीय संस्थानों में भी बनाए जा सकते हैं। एक बार किसी मंत्री, मुख्यमंत्री, मेयर, सचिव, निदेशक का बच्चा ऐसे 'लाक्षागृह' में फंसना चाहिए, लेकिन उसके दम घुटने अथवा जिंदा जल जाने की कल्पना भी हम नहीं करेंगे। 'लाक्षागृह' लखनऊ में ही नहीं हैं। इसी महीने की शुरुआत में राजधानी दिल्ली के एक 'गेस्ट हाउस' में अग्निकांड हो गया था। 21-22 निर्दोष, अतिथि मारे गए। राजधानी दिल्ली के विवेक विहार, पालम, द्वारिका आदि में भी कई लोग जिंदा जल कर खाक हो गए। उनकी क्षतिपूर्ति 5-10 लाख रुपए आंकी गई और अध्याय खत्म..! फिर एक और 'लाक्षागृह' का इंतजार...! देश के आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों में 'लाक्षागृह' धू-धू कर जले हैं।

कुछ अलग

कतार में पीछे छूटा आदमी

यहां जो लोग हमें मिलते हैं, उनकी निपुणता अपना प्रशस्ति गायन स्वयं करने में होती है। अपने मुंह मियां मि्ू बनना इतनी पुरानी कहावत हो गई है कि अब तो बच्चे भी इसे नहीं दोहराते। हमें लगता है कि अपना प्रशस्ति गायन करना और करते रहना अब एक ऐसी कला में बदल गया है, कि ये लोग अपनी शान में कसीदे पढ़ते हुए तनिक भी नहीं झिझकते, और फिर उम्र भर यही विश्वास जीते चले जाते हैं, कि ये सब गुण उनमें सदा से थे, आपको ही नजर नहीं आए। यह बात केवल एक व्यक्ति के लिए ही नहीं, पूरे देश पर लागू हो रही है। हम अपने देश को सबसे बड़ा गणतंत्र बताते हुए तनिक भी नहीं झिझकते। दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र, लेकिन यह सबसे उत्तम भी है क्या? इसका उत्तर इसका कोई पैरोकार नहीं देता। कभी अठहत्तर वर्ष पहले जब इस देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना का संविधान घोषित हुआ था, तब सबको विश्वास था कि जनाब इतना प्राचीन और पवित्र देश है कि आज भी इस देश में वैदिक ऋचाएं गूंजती रहती हैं। नैतिक मूल्यों का वर्चस्व है। देश आजाद हो गया है। अब तो राजमुकुट एक साधारण से साधारण आदमी भी पहन सकेगा। जनता का राज आ गया है। अब एक किसान और मजूर का बेटा भी सत्तारूढ़ होकर सबके भले के लिए सोच सकेगा। विशेषकर अपनी उन कठिनाइयों का समाधान अवश्य कर लेगा, जो सदियों से यहां लम्बित हैं, और जिनका समाधान न होने का धीरज हम सब ने अब पैदा कर लिया है। लीजिये साहब तीन चौथाई सदी गुजर गई। हम लोग मेलों ठेलों में यकीन करते हैं न, इसलिए इस आजादी को अमृत कह उसका महोत्सव भी हमने मना लिया। बोलने की आजादी मिल गई है।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर विशेष

नशे से बर्बाद होते जीवन को बचाना होगा

> आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो।

नशीली दवाओं का बढ़ता प्रचलन आज विश्व मानवता के सामने एक ऐसे संकट के रूप में उभर रहा है, जो केवल स्वास्थ्य की समस्या नहीं है, बल्कि सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर वैश्विक प्रश्न बन चुका है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग और अवैध तस्करी लाखों लोगों के जीवन को अंधकार में धकेल रही है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी इसका सबसे बड़ा शिकार बन रही है। यही कारण है कि प्रतिवर्ष 26 जून को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व समुदाय इस चुनौती के प्रति जागरूक हो, सामूहिक प्रयासों को सशक्त बनाए और एक नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हो। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 7 दिसंबर 1987 को संकल्प संख्या 42/112 के माध्यम से इस दिवस को मनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों के दुरुपयोग से मुक्त अंतर्राष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक सहयोग और कार्रवाई को मजबूत करना है। इस दिवस के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि नशीली दवाओं की समस्या का समाधान केवल दंडात्मक उपायों से नहीं, बल्कि जनजागृति, सामाजिक-पारिवारिक रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और सामाजिक सहयोग से संभव है। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम निर्धारित की है- ''विश्वव्यापी नशीली दवाओं की समस्याः स्थायी मुद्दे, नई चुनौतियां, अभिनव समाधान''। यह थीम इस तथ्य को रेखांकित करती है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति को अपराधी नहीं, बल्कि सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। समाज, परिवार, सरकार और स्वास्थ्य संस्थाओं के समन्वित प्रयास ही उसे पुनः सामान्य जीवन की ओर लौटा सकते हैं। विश्व मादक पदार्थ रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नशीली दवाओं के उपयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। अनुमानतः विश्वभर में 30 करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कर रहे हैं। इनमें से करोड़ों लोग नशे की लत के कारण गंभीर शारीरिक एवं मानसिक रोगों से पीड़ति हैं, लेकिन उपचार सुविधाओं तक उनकी पहुंच अत्यंत सीमित है। मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों से पीड़ति प्रत्येक आठ व्यक्तियों में से केवल एक को ही उपचार प्राप्त हो पाता है। यह स्थिति विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर चुनौती को उजागर करती है। बीते कुछ दशकों में वैश्विक मादक पदार्थ बाजार का स्वरूप तेजी से बदला है। परंपरागत नशीले पदार्थों-अफीम, हेरोइन, गांजा, चरस और कोकीन के साथ-साथ अब सिंथेटिक ड्रग्स, फेंटानिल, मेथामफेटामाइन और विभिन्न रासायनिक नशीले पदार्थों का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। कृत्रिम नशीले पदार्थों के उत्पादन में कम लागत, तस्करी में कम जोखिम और अत्यधिक मुनाफे ने अवैध मादक पदार्थ उद्योग को और अधिक संगठित तथा खतरनाक बना दिया है। आज मादक

पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह आधुनिक तकनीक, डार्क वेब, क्रिप्टोकरेंसी और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर नए उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं और किशोरों, को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। ऑनलाइन नेटवर्क और गुप्त डिजिटल लेन-देन ने नशीली दवाओं की उपलब्धता को पहले की अपेक्षा कहीं अधिक आसान बना दिया है। संगठित अपराध और मादक पदार्थों का यह गठजोड़ विश्व शांति और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन गया है। नशीली दवाओं का दुरुपयोग मानव शरीर की लगभग प्रत्येक प्रणाली को प्रभावित करता है। हृदय, यकृत, फेफड़े, मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर इसका विनाशकारी प्रभाव पड़ता है। दीर्घकालिक सेवन व्यक्ति को अवसाद, मानसिक असंतुलन, आत्महत्या की प्रवृत्ति, स्मृति ह्रास और व्यक्तित्व विघटन की ओर ले जाता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार अफीम, हेरोइन, स्मैक, कोकीन और सिंथेटिक ड्रग्स का निरंतर सेवन व्यक्ति को मानसिक रूप से अक्षम बना सकता है। नशे का दुष्प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण परिवार टूटते हैं, घरेलू हिंसा बढ़ती है, बेरोजगारी और आर्थिक संकट गहराते हैं तथा अपराध और सामाजिक असुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। अनेक शोधों में यह तथ्य सामने आया है कि चोरी, हिंसा, तस्करी, यौन अपराध और संगठित अपराधों का एक बड़ा हिस्सा मादक पदार्थों से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। भारत भी इस वैश्विक संकट से अछूता नहीं है। भौगोलिक स्थिति, सीमावर्ती चुनौतियां, बढ़ती शहरीकरण प्रक्रिया और युवाओं में बदलती जीवनशैली के कारण देश में नशीली दवाओं का दुरुपयोग चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। विशेष रूप से पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-पूर्वी राज्यों तथा महानगरों में यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। भारत की पश्चिमी सीमा के निकट स्थित तथाकथित 'गोल्डन क्रिसेंट'-अफगानिस्तान, पाकिस्तान और ईरान विश्व के प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों में शामिल है, जिसके कारण सीमावर्ती राज्यों में तस्करी की समस्या अधिक जटिल हो गई है। पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी और नशे की समस्या से जूझ रहा है। सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। पाकिस्तान ने भारत में आतंकवाद की ही तरह नशे एवं ड्रग्स को व्यापक स्तर पर फैलाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कमजोर और सामाजिक संरचना को क्षतिग्रस्त करना है। यह केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न है। जिसके दुष्परिणाम विशेषतः पंजाब के साथ-साथ समूचे देश को भोगने को विवश होना पड़ रहा है। पंजाब नशे की अंधी गलियों में धंसता जा रहा है, सीमा पार से शुरू किए गए इस छद्म युद्ध की कीमत पंजाब की जनता को चुकानी पड रही है, देर आये दुरुस्त आये की भांति लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं एवं ड्रग्स के धंधे के खिलाफ आप सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध एवं अभियान शुरू किया है। पंजाब देश में ड्रग्स में सर्वाधिक संलिप्त राज्यों में आता है। यह डाटा गतदिनों गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में 'मादक पदार्थों की तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा' पर आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में सामने आया। भारत सरकार ने नशे के विरुद्ध अनेक पहलें शुरू की हैं। 'नशा मुक्त भारत अभियान' देश के 272 से अधिक संवेदनशील जिलों में व्यापक जनजागरण, शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से तस्करी के नेटवर्क पर कार्रवाई की जा रही है। स्कूलों, कॉलेजों, पंचायतों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से भी नशे के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। फिर भी यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। परिवार, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, मीडिया और नागरिक समाज को भी इस अभियान का सक्रिय भागीदार बनना होगा। बच्चों और किशोरों में जीवन मूल्यों, आत्मविश्वास, नैतिक शिक्षा और तनाव प्रबंधन की संस्कृति विकसित करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। खेल, योग, ध्यान, सांस्कृतिक गतिविधियां और सकारात्मक सामाजिक वातावरण युवाओं को नशे की ओर बढ़ने से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। महान दार्शनिकों और आध्यात्मिक चिंतकों ने सदैव संयम को स्वस्थ जीवन का आधार माना है। भारतीय संस्कृति का मूल संदेश भी आत्मसंयम, जागरूकता और सदाचार पर आधारित रहा है। यदि समाज में आध्यात्मिक चेतना, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित किया जाए तो नशे जैसी अनेक सामाजिक बुराइयों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि नशे के शिकार व्यक्तियों के प्रति घृणा या बहिष्कार का दृष्टिकोण छोड़कर उन्हें सहानुभूति, उपचार और पुनर्वास के अवसर प्रदान किए जाएं। नशे की जंजीरों को तोड़ने के लिए सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों, परिवारों और समुदायों को एक साझा मोर्चा बनाना होगा। नशीली दवाओं के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानव जीवन अनमोल है और उसे नशे के अंधकार में खोने नहीं दिया जा सकता।

देश दुनिया से

92 अरब डॉलर का रक्षा बजट और परमाणु शक्ति का बदलता वैश्विक संतुलन

92 100,000,000 डॉलर। यह वह विशाल धनराशि है जिसे भारत ने केवल एक वर्ष में अपनी सेना और हथियारों पर खर्च कर दिया। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की जून 2026 की वार्षिक रिपोर्ट वैश्विक सुरक्षा की एक बेहद डरावनी तस्वीर पेश करती है। परमाणु-संपन्न देशों ने दुनिया को एक बार फिर बारूद के ढेर पर ला खड़ा किया है। पूरी दुनिया में इस समय 12,187 परमाणु हथियार मौजूद हैं जिसमे से 9745 सेना के पास, 4012 मिसाइल या विमान पर तैनात हैं और 1200 से अधिक तो हाई एलर्ट मोड में हैं। यह संख्या पूरी मानवता को कई बार नष्ट करने के लिए काफी है। शीतयुद्ध के बाद दुनिया अब सबसे खतरनाक और अस्थिर दौर से गुजर रही है। सिपरी एक स्वतंत्र संस्था है जिसकी स्थापना 1966 ई० में स्वीडन के स्टॉकहोम में हुई थी जिसके 60 वर्ष पूरे हो चुके हैं। सिपरी की नवीनतम रिपोर्ट 'सिपरी इयरबुक- 2026' के अनुसार दुनिया भर में शांति और निरस्त्रीकरण के कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो चुके हैं। विभिन्न देशों के बीच अब आधुनिक हथियारों की एक नई होड़ शुरू हो चुकी है। प्रमुख देश अब अंतरराष्ट्रीय कानूनों के बजाय केवल सैन्य शक्ति और परमाणु प्रतिरोध पर निर्भर हैं। पुराने द्विपक्षीय समझौते अब प्रभावी नहीं रहे। पारंपरिक युद्धों का स्वरूप बदल चुका है। अब युद्ध के मैदान में साइबर ऑपरेशन्स, घातक ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग तेजी से बढ़ा है। सिपरी ने सचेत किया है कि इन नई तकनीकों के सैन्य उपयोग से वैश्विक टकराव का जोखिम चरम पर पहुंच गया है। वैश्विक सैन्य खर्च के मामले में सिपरी की रिपोर्ट एक नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज करती है। आर्थिक मंदी के बावजूद दुनिया भर की सरकारों ने अपने रक्षा बजटों में अप्रत्याशित वृद्धि की है। वैश्विक सैन्य खर्च की इस सूची में अमेरिका 954 बिलियन डॉलर के साथ हमेशा की तरह पहले स्थान पर बना हुआ है जो पूरी दुनिया के सम्पूर्ण सैन्य खर्च का एक तिहाई है। दूसरे स्थान पर 336 बिलियन डॉलर के साथ चीन है जो पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य शक्ति का विस्तार कर रहा है। तीसरे और चौथे स्थान पर क्रमशः रूस और जर्मनी मौजूद हैं। इस सूची में भारत 92.1 अरब डॉलर के रक्षा खर्च के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा देश है। पिछले वर्ष की तुलना में भारत के सैन्य बजट में 8.9 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है। भारत का यह भारी-भरकम सैन्य खर्च सीमाओं पर जारी गंभीर सुरक्षा चुनौतियों को दर्शाता है। चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती के कारण भारत को अपनी सेना को लगातार आधुनिक बनाना पड़ रहा है। भारतीय रक्षा बजट का एक बड़ा हिस्सा अब घरेलू स्तर पर

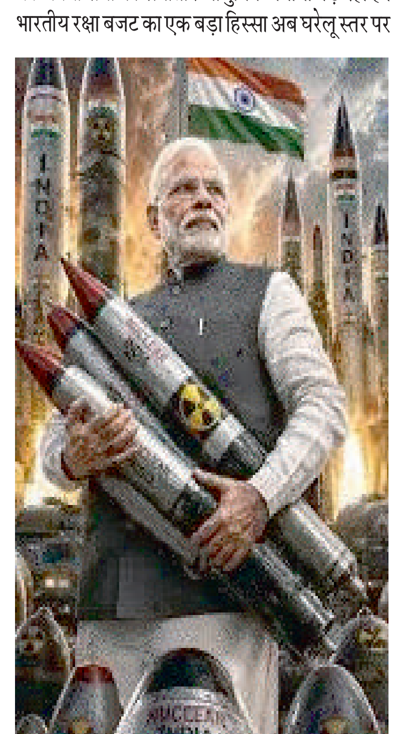

हथियारों की खरीद के लिए आरक्षित किया जा रहा है। सरकार का मुख्य लक्ष्य रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके बावजूद वैश्विक हथियारों के हस्तांतरण के आंकड़े अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के एक अलग विरोधाभास को सामने लाते हैं। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण यूक्रेन इस समय वैश्विक हथियारों के आयात में भारत को पीछे छोड़ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है।चुनावी सर्वेक्षण रिपोर्ट वैश्विक हथियारों के कुल आयात में 8.2 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बना हुआ है। भारत का अभी भी बड़ा आयातक बने रहना यह साबित करता है कि रक्षा प्रणालियों के स्वदेशीकरण की प्रक्रिया काफी लंबी और जटिल होती है। भारत वर्तमान में लड़ाकू विमानों के कलपुर्जे, मिसाइल डिफेंस सिस्टम और नौसैनिक इंजनों का बड़े पैमाने पर आयात कर रहा है। हालांकि अब भारत के आयात स्रोतों में एक बड़ा रणनीतिक बदलाव आया है। रूस पर भारत की पारंपरिक निर्भरता पहले की तुलना में काफी कम हुई है। अब फ्रांस, अमेरिका और इजरायल जैसे देशों से हथियारों का आयात बढ़ा है। इसके साथ ही भारत का अपना रक्षा निर्यात भी अब तक के सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। परमाणु शस्त्रागार के मोर्चे पर सिपरी की रिपोर्ट सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित करती है। कुल वैश्विक परमाणु हथियारों का लगभग 83 प्रतिशत हिस्सा अकेले रूस और अमेरिका के पास केंद्रित है। इसके बाद चीन का स्थान आता है जो अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार सबसे तेज गति से कर रहा है। सिपरी का अनुमान है कि जनवरी 2026 तक भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़कर 190 हो गई है, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 180 थी। इस रिपोर्ट का सबसे चौंकाने वाला दावा भारत की परमाणु नीति में आए एक बड़े बदलाव को लेकर है। रिपोर्ट के अनुसार भारत ने पहली बार शांति काल के दौरान अपने कुछ परमाणु हथियारों को तैनात यानी पूरी तरह सक्रिय स्थिति में रखा है। माना जा रहा है कि ये हथियार भारत की परमाणु-सशस्त्र पनडुब्बियों पर गश्त के दौरान तैनात किए गए हैं। हालांकि भारत सरकार ने इस दावे की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यदि सिपरी का यह रणनीतिक अनुमान सही है, तो यह चीन के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई की क्षमता को और अधिक मजबूत करने की नीति को दर्शाता है। वैश्विक शांति व्यवस्था के संदर्भ में भी सिपरी ने अपनी एक उप-रिपोर्ट में बेहद चिंताजनक आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। वर्ष 2025 के अंत तक अंतरराष्ट्रीय शांति सैनिकों की कुल संख्या घटकर केवल 79,000 रह गई है जो पिछले 25 वर्षों का सबसे निचला स्तर है।

आप का नज़रिया

राष्ट्रीय खेल मंच पर

योग कार्यशाला में उपस्थिति अब राष्ट्र का फिटनेस सूचकांक बता रही है। इसी संदर्भ में हमीरपुर के साई मैदान ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर नया सामथ्र्य खोजा, यानी मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय खेल मंच से खेलो इंडिया खेलो का करिश्मा हिमाचल में उतारने का प्रण लिया। हिमाचल में राष्ट्रीय स्तर के खेल उत्सव यदि आयोजित होते हैं, तो इसका सबसे बड़ा लाभ खेल अधोसंरचना को मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल ने कुछ खेलों, खास तौर पर महिला वर्ग में खुद को स्तरोन्नत किया है। ऐसे में खेलो इंडिया खेलो के आयोजन का दावा अगर हिमाचल करता है, तो प्रोत्साहन की खिड़कियां चारों ओर खुलेंगी। हमने इन्हीं कालमों में बार-बार यह मांग उठाई है कि हिमाचल में राष्ट्रीय खेल उत्सव होने चाहिएं। बेशक कुछ राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन होते हैं, लेकिन इस परिपाटी का पदार्पण उच्चकोटि का नहीं बन पाया। धर्मशाला, मंडी तथा सोलन में फुटबाल, हॉकी तथा ठोडो जैसे मुकाबले राष्ट्रीय पहचान का सबब बने हैं, तो धीरे-धीरे निजी प्रयासों से भी खेलों की समय सारिणी बन रही है। बिलासपुर के मोरसिंघी में हैंडबाल की कोचिंग व प्रबंधन के इंतजाम इस कद्र हुए कि राष्ट्रीय टीमों का गठन ही यहां होने लगा है। सबसे ज्यादा सफल आयोजन क्रिकेट एसोसिएशन ने किए, तो धर्मशाला स्टेडियम की चर्चा सारे विश्व में हो गई। इसी तरह वर्तमान सरकार ने नादौन में 150 करोड़ की लागत से उत्कृष्ट खेल परिसर स्थापित करके पूरा माहौल बदल दिया है। पिछले कुछ सालों में धर्मशाला, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, शिमला के घटासनी तथा विश्व का सबसे ऊंचा और प्रमुख हाई-अल्टीट्यूड ट्रेनिंग सेंटर शिलारू के अलावा खेल छात्रावासों के बाद, नादौन सेंटर बन कर तैयार हो रहा है। हिमाचल ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन की पेशकश में पहले ही काफी देर कर दी है, फिर भी अगर खेलो इंडिया खेलो जैसे आयोजन होते हैं, तो ढांचा और ढर्रा पूरी तरह बदल जाएगा। हिमाचल में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से एक साथ कई जगह खेल ढांचा विकसित होगा। मसलन अगर प्रमुख आयोजन धर्मशाला में करते हुए, खेलों के हिसाब से ऊना, हमीरपुर, नादौन, मंडी, सोलन, पालमपुर, कुल्लू व पौंग डैम में आयोजन कराए जाएं, तो हिमाचल का खेल कारवां आगे चलकर पूरे वातावरण को सशक्त करेगा। हिमाचल में साइकिलिंग, रिवर राफ्टिंग, पैराग्लाइडिंग, केनोइंग, स्कीइंग तथा शूटिंग जैसे विषय अगर रेखांकित होते हैं, तो यह प्रदेश विभिन्न विश्वविद्यालयों, खेल तथा शिक्षण संस्थानों के समर कैंप्स की उत्तम स्थली साबित होगा। विडंबना यह है कि पूरे प्रदेश में घोषणाओं के बावजूद आजतक कोई खेल संस्थान, खेल प्राधिकरण या खेल अकादमियां विकसित नहीं हुई। प्रमुख खेल छात्रावासों व साई केंद्रों के साथ ही कुछ स्कूल-कालेजों में स्पोट्र्स विंग्ज स्थापित कर दें, तो खिलाडियों के लिए ये प्रेरणा-प्रोत्साहन स्थल साबित होंगे। प्रदेश सरकार अपने तौर पर खेल पुरस्कारों और शीतकालीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को तीन से बढ़ा कर पांच करोड़ की पुरस्कार राशि घोषित कर रही है, जबकि एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता को 50 लाख से बढ़ाकर चार करोड़ और राष्ट्रमंडल एवं पैरा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल करने वालों को तीन करोड़ की राशि मिलेगी। ऐसे में हिमाचल में खेल टेलेंट खोज को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल व ग्रामीण खेलों के स्तर पर काफी मेहनत करने की जरूरत है।

> हिमाचल में राष्ट्रीय स्तर के खेल उत्सव यदि आयोजित होते हैं, तो इसका सबसे बड़ा लाभ खेल अधोसंरचना को मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल ने कुछ खेलों, खास तौर पर महिला वर्ग में खुद को स्तरोन्नत किया है। ऐसे में खेलो इंडिया खेलो के आयोजन का दावा अगर हिमाचल करता है, तो प्रोत्साहन की खिड़कियां चारों ओर खुलेंगी। हमने इन्हीं कालमों में बार-बार यह मांग उठाई है कि हिमाचल में राष्ट्रीय खेल उत्सव होने चाहिएं। बेशक कुछ राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन होते हैं, लेकिन इस परिपाटी का पदार्पण उच्चकोटि का नहीं बन पाया। धर्मशाला, मंडी तथा सोलन में फुटबाल, हॉकी तथा ठोडो जैसे मुकाबले राष्ट्रीय पहचान का सबब बने हैं, तो धीरे-धीरे निजी प्रयासों से भी खेलों की समय सारिणी बन रही है। बिलासपुर के मोरसिंघी में हैंडबाल की कोचिंग व प्रबंधन के इंतजाम इस कद्र हुए कि राष्ट्रीय टीमों का गठन ही यहां होने लगा है। सबसे ज्यादा सफल आयोजन क्रिकेट एसोसिएशन ने किए, तो धर्मशाला स्टेडियम की चर्चा सारे विश्व में हो गई। इसी तरह वर्तमान सरकार ने नादौन में 150 करोड़ की लागत से उत्कृष्ट खेल परिसर स्थापित करके पूरा माहौल बदल दिया है। पिछले कुछ सालों में धर्मशाला, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, शिमला के घटासनी तथा विश्व का सबसे ऊंचा और प्रमुख हाई-अल्टीट्यूड ट्रेनिंग सेंटर शिलारू के अलावा खेल छात्रावासों के बाद, नादौन सेंटर बन कर तैयार हो रहा है।

दृष्टि कोण

आपातकाल के स्याह दिनों को याद करना जरूरी

25 जून 1975 की रात 11 बजकर 45 मिनट पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इमरजेंसी के अध्यादेश पर दस्तखत किए। इसी के साथ नागरिक अधिकार, स्वतंत्र विचरण, असहमति-विरोध के अधिकार, मुक्त लेखन आदि के दरवाजे बंद कर दिए गए। 26 जून की सुबह तानाशाही अमावस्या की काली अंधेरी रात की तरह छा चुकी थी। लगभग सभी प्रमुख नेता एवं लाखों कार्यकर्ता बिना कारण बताए जेल में डाल दिए गए। कई स्थानों पर पुलिस की ज्यादती देखने को मिली। उन दिनों लोकतंत्र की रक्षा करने लायक कोई संस्था नहीं बची। आपातकाल का विरोध करने वाले मीडिया का दमन किया गया। न्यायपालिका सत्ताधारी दल को नाखुश करने में संकोच करती दिखी। नौकरशाहों की चापलूसी के चलते प्रशासनिक संस्थाएं पंगु सी हो गईं। उन दिनों स्थिति यह थी कि इंदिरा गांधी के करीबियों को छोड़कर अन्य सभी संदेह के घेरे में थे। देश में आपातकाल लगाया गया तो उसके पीछे संजय गांधी की अहम भूमिका रही। संजय गांधी ने अपनी युवा नेताओं की टीम के साथ आपातकाल के दौरान काफी जुल्म किए थे। संजय गांधी ने अपने करीबियों के साथ मिलकर आपातकाल में नसबंदी, दिल्ली के सौंदर्यीकरण के लिए जबरन झुग्गियों को उजाड़े जाने जैसे कई फैसले लिए, जिसकी वजह से भारत के आपातकाल को देश का सबसे काला दिन कहा जाता है। उस दौर में इमरजेंसी का विरोध करने की सजा जेल होती थी और इस दौरान 21 महीने में 11 लाख लोगों को गिरफ्तार कर जेलों में भेजा गया। इस दौरान लोगों ने शासन का क्रूर चेहरा देखा था, जिसमें जनता नहीं शासन और उसके आका सर्वशक्तिमान बन बैठे थे। लोक पीछे छूट गया था और तंत्र सर्वोपरि हो गया था। कहा जाता है कि उस दौर में देश प्रधानमंत्री कार्यालय से नहीं बल्कि प्रधानमंत्री आवास से चलता था, जहां संजय गांधी रहते थे। विपक्ष की आवाज को दबाने के बाद इंदिरा गांधी ने संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल पर भी रोक लगा दी। आपको बता दें कि संसद के दोनों सदन यानी लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही के पहला घंटे में संसद सदस्य कोई भी प्रश्न पूछ सकते हैं। इसे प्रश्नकाल बोलते हैं। लेकिन इंदिरा गांधी को उस दौर में प्रश्न पूछना भी बर्दाश्त नहीं था।

इंदिरा गांधी के इस फैसले पर तब के लोकसभा अध्यक्ष जीएस ढिल्लों आंखें बंद किए रहे। इसके बाद इंदिरा गांधी ने संविधान में अपने हिसाब से संशोधन करने शुरू किए। इंदिरा गांधी के आपातकाल के फैसले के खिलाफ कई लोगों ने कोर्ट में अपील की। तो 22 जुलाई 1975 को इंदिरा गांधी ने संविधान में संशोधन कर न्यायपालिका यानी कोर्ट से आपातकाल के फैसले पर सुनवाई का अधिकार ही छीन लिया। इसे 38वां संशोधन कहा जाता है। इसके बाद 39वां संविधान संशोधन कर कोर्ट से प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त व्यक्ति के चुनाव की जांच करने का अधिकार ही छीन लिया गया। यानी इंदिरा गांधी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट अब चुनाव में धांधली के मामले की सुनवाई कर ही नहीं सकता था। इमरजेंसी में अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंट दिया गया था। सरकार अपने खिलाफ कोई भी आवाज नहीं सुनना चाहती थी। अब हम आपको बताते हैं कि किस तरह इमरजेंसी के रोड-रोलर से प्रेस की आजादी को कुचला गया। 25 जून 1975 की आधी रात को इमरजेंसी लगाई गई और अखबारों के दफ्तरों में उसी रात को पावर सप्लाई जानबूझकर काट दी गई ताकि ज्यादातर अखबार अगले दिन आपातकाल का समाचार ना छाप सकें। अखबारों के दफ्तरों को दो दिन बाद पावर सप्लाई की गई। संजय गांधी ने इमरजेंसी के दो दिन बाद ही सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल को हटाकर अपने करीबी विद्याचरण शुक्ल को मंत्री बना दिया और विद्याचरण शुक्ल के जरिए सरकार ने मीडिया पर मनमानी की। कड़ी सेंसरशिप की वजह से कई अखबारों का प्रकाशन बंद हो गया। पत्रकारों के लिए सरकार ने कोड ऑफ कंडक्ट बना दिया। अखबारों के बोर्ड में सरकारी अफसर बैठा दिए गए।

फीफा विश्व कप 2026 : मेक्सिको ने चेकिया को 3–0 से रौंदा, विश्व कप में पहली बार ग्रुप चरण के सभी मैच जीते

मेक्सिको सिटी

मेक्सिको ने फीफा विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को चेकिया को 3-0 से हराकर ग्रुप चरण के अपने तीनों मुकाबले जीत लिए। इस जीत के साथ मेक्सिको ने इतिहास रचते हुए पहली बार विश्व कप के ग्रुप चरण में शत-प्रतिशत जीत दर्ज की।

मेक्सिको की जीत के नायक रहे 22 वर्षीय मातेओ चावेज़, जिन्होंने अपने पहले ही विश्व कप में 55वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जूलियन क्विनोनेस ने 61वें मिनट में टूर्नामेंट का अपना दूसरा गोल दागकर बढ़त दोगुनी कर दी। मुकाबले के इंजरी टाइम में अल्वारो फिडाल्गो ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी।

इससे पहले मेक्सिको का सर्वश्रेष्ठ ग्रुप चरण प्रदर्शन दो जीत और एक ड्रा का रहा था, जो 1986 और 2002 विश्व कप में देखने को मिला था। दिलचस्प बात यह है कि दोनों अभियानों में जेवियर एग्विरे किसी न किसी रूप में टीम से जुड़े थे—1986 में खिलाड़ी और 2002 में मुख्य कोच के रूप में।

ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पहले ही सुनिश्चित कर चुकी मेक्सिको अब राउंड आफ 32 में अपने अगले मुकाबले के लिए तैयार है, जो 1 जुलाई को एज़्टेका स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरी ओर, चेकिया का अभियान निराशाजनक रहा। टीम तीन मैचों में केवल एक अंक जुटा सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

मुकाबले में मेक्सिको के युवा और अनुभवी खिलाड़ियों ने भी सुर्खियां बटोरीं। 17 वर्षीय गिल्बर्टो मोरा विश्व कप में मेक्सिको की ओर से शुरुआती एकादश में उतरने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

वहीं 40 वर्षीय गोलकीपर गिलर्मो मेमो ओचोआ 77वें मिनट में मैदान पर उतरकर विश्व कप के छह संस्करणों में खेलने वाले चुनिंदा खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। इस सूची में केवल अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी शामिल हैं।

हालांकि मैच के दौरान कुछ दर्शकों द्वारा लगाए गए विवादित नारे भी चर्चा का विषय बने, जिनके कारण पहले भी मेक्सिको फुटबाल महासंघ को दंड झेलना पड़ा है।

मेक्सिको की यह जीत उसे नाकआउट चरण में मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित करती है, जबकि चेकिया के लिए विश्व कप 2026 का सफर यहीं समाप्त हो गया।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 : कनाडा को 2-1 से हराकर स्विट्जरलैंड ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान किया पक्का

वैंकूवर। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–बी मुकाबले में बुधवार को स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2–1 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बीसी वैंकूवर स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में तीनों गोल दूसरे हाफ में देखने को मिले। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं, लेकिन दूसरे हाफ की शुरुआत होते ही स्विट्जरलैंड ने आक्रामक रुख अपनाया। 46वें मिनट में रूबेन वर्गास ने गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में योहान मांजाम्बी ने दूसरा गोल कर स्विट्जरलैंड की स्थिति मजबूत कर दी और स्कोर 2–0 कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद कनाडा ने वापसी की कोशिश की। 76वें मिनट में प्रामिस डेविड ने गोल कर अंतर कम किया और मुकाबले को रोमांचक बना दिया। मैच के अंतिम क्षणों में कनाडा बराबरी के बेहद करीब पहुंच गया था। अतिरिक्त समय के आखिरी मिनट में अलिस्टेयर जानस्टन का हेडर सीधे स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल के हाथों में चला गया और कनाडा की उम्मीदें टूट गईं। इस जीत के साथ स्विट्जरलैंड ने ग्रुप–बी में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया, जबकि कनाडा को करीबी हार के बावजूद अगले चरण की उम्मीदों के लिए अन्य परिणामों पर निर्भर रहना होगा ।

फीफा विश्व कप 2026 :स्काटलैंड को हराकर ब्राज़ील ग्रुप-सी में शीर्ष पर, विनीसियस जूनियर ने दागे दो गोल

मियामी। स्टार विंगर विनीसियस जूनियर के शानदार दो गोलों की बदौलत ब्राज़ील ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप–सी मुकाबले में बुधवार को स्काटलैंड को 3–0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया। मैच की शुरुआत से ही ब्राज़ील ने आक्रामक खेल दिखाया। सातवें मिनट में स्काटलैंड के रक्षक स्काट मैकेना की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने गोल दागकर ब्राज़ील को बढ़त दिलाई। 22वें मिनट में विनीसियस ने एक और गोल किया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद इसे रद्द कर दिया गया। फैसला दिया गया कि उन्होंने स्काटलैंड के रक्षक जैक हेंड्री को फाउल किया था। हालांकि, विनीसियस ने पहले हाफ के अतिरिक्त समय में अपना दूसरा गोल दागकर ब्राज़ील की बढ़त दोगुनी कर दी। ब्रूनो गिमारेस के सटीक क्रास पर उन्होंने शानदार हेडर लगाकर गेंद को जाल में पहुंचाया। दूसरे हाफ में ब्राज़ील ने अपना दबदबा कायम रखा और तीसरा गोल भी कर दिया। ब्रूनो गिमारेस के पास पर माथेउस कुन्हा ने गोल करते हुए टूर्नामेंट में अपना तीसरा गोल दर्ज किया।

यूएस ओपन बैडमिंटनः तन्वी शर्मा और किदांबी श्रीकांत ने जीत के साथ किया आगाज

फुलर्टन (अमेरिका)। विश्व जूनियर चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा और थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट 2026 के महिला एकल वर्ग में विजयी शुरुआत की। तन्वी शर्मा ने जर्मनी की यवोन ली को 23–21, 21–16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं देविका सिहाग ने पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो को सीधे गेमों में 21–14, 21–14 से पराजित किया। पुरुष एकल वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों के बीच हुए मुकाबले में उभरते शटलर रौनक चौहान ने पूर्व विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता एस. शंकर मुथुसामी को 23–21, 21–16 से हराकर अगले दौर का टिकट कटाया। टूर्नामेंट के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए भारतीय खिलाड़ी डी. सनीत को मात्र 30 मिनट में 21–14, 21–12 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। महिला एकल में रक्षिता श्री ने भी जीत दर्ज की। उन्होंने चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा को 21–15, 21–8 से हराया। मिश्रित युगल वर्ग में भारत की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ध्रुव रावत और के. मनीषा ने इंडोनेशिया के विरावन इहसान आदम और सेरेना कानी को 21–15, 21–16 से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला केवल 26 मिनट में अपने नाम किया।

क्रिकेट किट खरीदने के लिए मां ने अपने गहने तक बेचे थे : क्रांति गौड़

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव से निकलकर राष्ट्रीय टीम तक पहुंची हैं। क्रांति का कहना है कि उसके यहां तक पहुंचने में माता-पिता और परिवार ने काफी संघर्ष और त्याग किया था। इसी कारण अब वह उनके लिए खिताब जीतकर गर्व का अनुभव कराना चाहती हैं। क्रांति के अनुसार उसकी क्रिकेट किट खरीदने के लिए उनकी मां ने अपने गहने तक बेच दिए थे।

यह उनके परिवार द्वारा किया एक बड़ा त्याग था, जिसने क्रांति को एक गहरी जिम्मेदारी का एहसास कराया। उन्होंने कहा, परिवार मेरे लिए इतना कर रहा था, तो मुझे जिम्मेदारी महसूस हुई। मैं उन्हें कुछ लौटाना चाहती थी। मैं उनके बलिदान को मायने देना चाहती थी। क्रांति अपने परिवार की हमेशा आभारी रहेंगी, जिन्होंने उन्हें अपनी पसंद का करियर चुनने और अपने सपनों को पूरा करने की आजादी दी। उस दौर को याद करते हुए क्रांति बताती हैं, उस समय कई लड़कियों को घर से बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं थी, लेकिन मेरे माता–पिता अलग थे। उन्होंने कभी मुझे यह महसूस नहीं कराया कि मैं कुछ गलत कर रही हूं। उन्होंने मेरे सपने पर भरोसा किया। पैसों की तंगी के बावजूद, उनके माता–पिता ने हर कदम पर उनका साथ दिया। क्रांति मानती हैं कि जब परिवार का साथ हो, तो बाहरी दुनिया की नकारात्मक बातों का कोई मतलब नहीं रह जाता। उनके परिवार के इस अटूट विश्वास और समर्थन ने उन्हें अपने लक्ष्यों को पाने की ताकत दी। क्रांति की सफलता ने सिर्फ उनके जीवन को ही नहीं, बल्कि उनके पैतृक गांव घुवारा में भी एक क्रांति ला दी है। उन्होंने गर्व से बताया कि भारत के लिए उनके सफल प्रदर्शनों की वजह से गांव में एक क्रिकेट अकादमी खुल गई है।

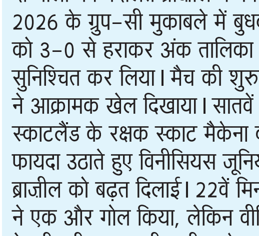

ब्रॉड भी हुए वैभव के मुरीद, बोले उससे संभलकर रहे इंग्लैंड के गेंदबाज

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने 15 साल के उभरते हुए भारतीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि हम उसका खेल देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वैभव के आक्रामक अंदाज के साथ ही उनकी निडर रवैये से भी ब्रॉड बेहद प्रभावित हैं अनका कहना है कि विरोधी टीम के लिए इस बल्लेबाज पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा। वैभव ने जिस प्रकार से हाल में भारत ए की ओर से खेलते हुए श्रीलंका 'ए के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी की थी और 11 गेंदों में लिस्ट–ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक लगाया था। उससे भी इंग्लैंड के खेमे में जबरदस्त उत्साह है। ब्रॉड ने कहा, उसके पास सब कुछ है, है न अब तो वह स्लेजिंग भी करने लगा है! उसके लिए क्रिकेट बहुत आसान हो गया है। 11 गेंदों में अर्धशतक! यह वाकई पागलपन है। उन्होंने आगे कहा, मैं 1 जुलाई को डरहम में भारत के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में रहूंगा और मुझे सच में लगता है कि मैं उसे देखकर हैरान रह जाऊंगा। ब्रॉड ने इस बात पर भी जोर दिया कि वैभव की यह चर्चा केवल सोशल मीडिया में बनी हुई कहानी नहीं है। क्रिकेट जगत में हर कोई इसी क्रिकेटरर की बात कर रहा। ब्रॉड ने बताया, मैंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सहायक कोच दिनेश कार्तिक से जबवैभव के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि यह लड़का सचमुच असाधारण है। आप सोच भी नहीं सकते कि यह बच्चा कितना बेहतरीन क्रिकेटर है। ब्राड के अलावा इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भी वैभव जमकर प्रशंसा की है।बटलर ने उनके रिकॉर्ड्स की तारीफ करते हुए कहा, उसने भारत ए के लिए 11 गेंदों में 50 रन बनाए, जो लिस्ट–ए इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लैंड टीम को सावधान करते हुए बटलर ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो हमने पहले कभी नहीं देखा। वह जिस तेजी से रिकॉर्ड्स तोड़ रहा है, वह डराने वाला है। एक इंग्लिश टीम के रूप में हमें टी20 सीरीज में उसपर अंकुश लगाने के तरीके खोजने होंगे। वह वाकई एक अलग स्तर का खिलाड़ी है। गौरतलब है कि वैभव ने पिछले कुछ महीनों में जिस तेजी से क्रिकेट की दुनिया में अपनी पहचान बनाई है, उसने उन्हें सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक क्रिकेट का एक चर्चित चेहरा बना दिया है। अब इंग्लैंड दौरे पर सभी की निगाहें इस बात पर टिकी होंगी कि क्या विदेशी पिचों पर भी वैभव उसी रफ्तार से रन बनाएंगे, जिस तरह उन्होंने घरेलू पिचों पर बनाये हैं।

महिला टी20 विश्व कप वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

लंदन

बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में शानदार प्रदर्शन के दम पर मेजबान इंग्लैंड ने बुधवार को वेस्टइंडीज को 38 रन से हराकर महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। इंग्लैंड टूर्नामेंट की पहली टीम बन गई है जिसने अंतिम चार में प्रवेश किया है।

दोनों टीमें इस मुकाबले से पहले अपराजित थीं, लेकिन इंग्लैंड ने एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज कर अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 186 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज डैनी वायट–हाज ने 65 रन की शानदार पारी खेली, जबकि कप्तान हीदर नाइट ने 43 रन का योगदान दिया।

हालांकि चिनेल हेनरी ने शुरुआती झटका देते हुए एमी जोन्स को आउट किया, लेकिन डैनी वायट–हाज और हीदर नाइट ने पारी को संभाल लिया। वेस्टइंडीज की ओर से अशमिनी मुनिसार ने दो विकेट लिए।

187 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद धीमी रही। पावरप्ले के पहले तीन ओवरों में टीम केवल 12 रन ही बना सकी। कप्तान हेली मैथ्यूज ने कुछ आकर्षक शाट लगाए, लेकिन विवादास्पद फैसले का शिकार होकर 14 रन पर आउट हो गईं।

इसके बाद डिएंड्रा डाटिन ने तेजी से रन बनाने की कोशिश की, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। मध्यक्रम भी दबाव में बिखर गया और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही।

अंतिम ओवरों में चिनेल हेनरी ने संघर्ष करते हुए नाबाद 51 रन बनाए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 148 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड की ओर से चार्ली डीन ने दो विकेट झटके, जबकि अन्य गेंदबाजों ने भी कसी हुई गेंदबाजी कर वेस्टइंडीज को लक्ष्य से काफी दूर रखा।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि वेस्टइंडीज को अब अगले मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी।

संक्षिप्त स्कोरः

इंग्लैंड – 186/7 (20 ओवर)
डैनी वायट–हाज 65, हीदर नाइट 43
अशमिनी मुनिसार 2/42
वेस्टइंडीज – 148/5 (20 ओवर)
चिनेल हेनरी 51*
चार्ली डीन 2/31
परिणामः इंग्लैंड ने 38 रन से जीत दर्ज की।

आईएचएफ महिला अंडर 20 हैंडबाल विश्व चैम्पियनशिप

चीन में ग्रुप ई आईएचएफ महिला अंडर 20 हैंडबाल विश्व चैम्पियनशिप में खेलते हुए चीन और अल्जीरिया के खिलाड़ी।

युवा टेनिस प्रतिभाओं को निखारने के लिए भारत-स्पेन खेल साझेदारी पर हुए हस्ताक्षर

बार्सिलोना । स्पेन के बार्सिलोना स्थित स्पोर्ट्स विलेज यूरोपा के कॉर्पोरेट कार्यालय में गुरुवार को स्पोर्ट्स विलेज यूरोपा (बार्सिलोना, स्पेन) और सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी (हैदराबाद, भारत) के बीच एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (चेण) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौता ज्ञापन पर स्पोर्ट्स विलेज यूरोपा के निदेशक जोकिन बीना मार्टिनेज ने हस्ताक्षर किए। इस गरिमामयी समारोह में हैदराबाद (भारत) के होनहार टेनिस खिलाड़ी मोहम्मद नुमान शम्सुद्दीन और बार्सिलोना (स्पेन) की प्रतिभाशाली उभरती हुई टेनिस खिलाड़ी एशिया बीना फिरायत विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा, शहर के प्रसिद्ध खेल प्रमोटर मोहम्मद शम्सुद्दीन भी इस अवसर पर मौजूद थे, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय खेल सहयोग को बढ़ावा देने और युवा एथलीटों के लिए नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मोहम्मद शम्सुद्दीन ने कहा, इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य एथलीटों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण, कोचिंग और प्रतिस्पर्धी अवसरों तक पहुंच का मार्ग तैयार करके युवा खेल प्रतिभाओं की पहचान करना, उन्हें निखारना और आगे बढ़ाना है।

उन्होंने आगे कहा, इस सहयोग के माध्यम से, सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी खेल विशेषज्ञता के आदान–प्रदान को सुगम बनाने और अनुभवी यूरोपीय कोचों को भारत लाने के लिए स्पोर्ट्स विलेज यूरोपा के साथ मिलकर काम करेगी, जिससे युवा एथलीटों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और प्रदर्शन (एक्सपोजर) मिल सके।

शम्सुद्दीन ने यह भी कहा, इस पहल से भारतीय खेल विकास में एक क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है, जिससे उभरते हुए एथलीटों को अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने, अपने प्रदर्शन के स्तर को सुधारने और वैश्विक मंचों पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

यह साझेदारी भविष्य के चैंपियन तैयार करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने अंत में कहा, दोनों संगठनों ने अगली पीढ़ी के एथलीटों को सशक्त बनाने और दोनों क्षेत्रों के बीच खेल संबंधों को मजबूत करने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

फीफा विश्व कप 2026 : दक्षिण अफ्रीका ने पहली बार विश्व कप नाकआउट में किया प्रवेश

दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से दी शिकस्त

मेक्सिको

दक्षिण अफ्रीका ने फीफा विश्व कप 2026 में इतिहास रचते हुए दक्षिण कोरिया को 1–0 से हराकर पहली बार नाकआउट चरण में प्रवेश कर लिया।

मेक्सिको के मोंटेरे स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए ग्रुप ए के इस मुकाबले में थापेलो मासेको के दूसरे हाफ में किए गए गोल ने दक्षिण अफ्रीका को यादगार जीत दिलाई।

2010 में अपने देश में आयोजित विश्व कप के बाद पहली बार टूर्नामेंट में खेल रही दक्षिण अफ्रीकी टीम को शुरुआती मुकाबले में मेक्सिको से 0–2 की हार के बाद लगभग बाहर माना जा रहा था। हालांकि, उसने चेक गणराज्य के खिलाफ ड्रा खेलकर वापसी की और फिर दक्षिण कोरिया को हराकर अंतिम–32 में जगह बना ली।

मुकाबले की शुरुआत दक्षिण कोरिया ने आक्रामक अंदाज में की। कप्तान की जगह टीम की अगुवाई कर रहे किम मिन–जे का शक्तिशाली हेडर गोल लाइन पर ही रोक दिया गया, जबकि ली कांग–इन का प्रयास मामूली अंतर से बाहर चला गया।

दक्षिण अफ्रीका ने धीरे–धीरे खेल पर पकड़ बनाई, लेकिन फिनिशिंग में कमजोरी दिखाई। 30वें मिनट में उसे बढ़त लेने का सुनहरा मौका मिला, जब एविडेंस माकगोपा के पास आसान अवसर था, लेकिन वह गोलकीपर किम सियुंग–ग्यु को भेद नहीं सके।

दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण कोरिया ने बड़ा फैसला लेते हुए अपने स्टार खिलाड़ी और कप्तान सोन ह्युंग–मिन को मैदान पर उतारा। इसके बावजूद टीम को सफलता नहीं मिली।

63वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका को वह मौका मिला जिसका उसे इंतजार था। त्शेपांग मोरेमी के क्रास पर थापेलो मासेको ने शानदार फिनिश करते हुए गेंद को निकट पोस्ट के अंदर पहुंचा दिया और अपनी टीम को 1–0 की बढ़त दिला दी।

गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने बराबरी के लिए पूरा जोर लगाया, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी गोलकीपर रोनवेन विलियम्स और रक्षापंक्ति ने कोई मौका नहीं दिया।

इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने नाकआउट चरण में जगह पक्की कर ली, जहां उसका सामना 28 जून को लास एंजिलिस में सह–मेजबान कनाडा से होगा।

वहीं, मेक्सिको ने अपने तीनों मुकाबले जीतकर नौ अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

परिणामः दक्षिण अफ्रीका 1–0 दक्षिण कोरिया
गोलः थापेलो मासेको (63वां मिनट)
अगला मुकाबलाः दक्षिण अफ्रीका बनाम कनाडा (राउंड आफ 32) – 28 जून।

इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 का आयोजन

छात्र नेताओं की नई पीढ़ी को मिली जिम्मेदारी

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): द हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट ने अपने स्कूल के डाइनिंग हॉल में इन्वेस्टिचर सेरेमनी 2026 (छात्र संसद शपथ ग्रहण समारोह) का भव्य आयोजन किया। इस गरिमामयी समारोह में चालू शैक्षणिक वर्ष के लिए नवनिर्वाचित छात्र परिषद (स्टूडेंट काउंसिल) को औपचारिक रूप से नेतृत्व की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यह समारोह ईमानदारी, जिम्मेदारी और सेवा की भावना से ओत-प्रोत युवा नेताओं को तैयार करने की संस्था की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

इस विशेष अवसर पर रियर एडमिरल श्रीनिवास मड्डुला, वीएसएम, नौसेना स्टाफ के सहायक प्रमुख (विदेशी सहयोग और खुफिया), मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने नेतृत्व, अनुशासन, दृढ़ता और प्रतिबद्धता व सम्मान के साथ देश की सेवा करने के महत्व पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए। उनके प्रेरणादायक संबोधन ने युवा नेताओं को खुद मिसाल बनने, चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना करने और उत्कृष्टता व टीम वर्क के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

समारोह का मुख्य आकर्षण नवनिर्वाचित छात्र परिषद द्वारा औपचारिक रूप से ली गई शपथ रही। छात्र नेताओं ने स्कूल के आदर्शों को बनाए रखने, पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने और अपने सहपाठियों के लिए एक आदर्श (रोल मॉडल) के रूप में कार्य करने की प्रतिज्ञा ली। इस औपचारिक दीक्षा ने समर्पण और उद्देश्य के साथ नेतृत्व करने के लिए उन पर जताए गए विश्वास और भरोसे को प्रदर्शित किया।

इस कार्यक्रम में एचपीएस प्रबंधन के सदस्यों, शिक्षकों, अभिभावकों, पूर्व छात्रों और विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, जिससे यह नेतृत्व और संस्थागत गौरव का एक यादगार उत्सव बन गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, द हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट के प्रिंसिपल डॉ. स्कंद बाली ने कहा, इन्वेस्टिचर सेरेमनी महज एक औपचारिक परंपरा से कहीं बढ़कर है, यह जिम्मेदारी, चरित्र और सेवा की यात्रा की शुरुआत है।

एचपीएस में हमारा मानना है कि नेतृत्व की भावना ईमानदारी, सहानुभूति, लचीलेपन और कर्म के माध्यम से विकसित होती है। हमें अपनी नवनिर्वाचित छात्र परिषद पर गर्व है और हमें पूरा विश्वास है कि वे हमारी संस्था की समृद्ध विरासत और मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए अपने साथियों को प्रेरित करेंगे।

यह समारोह छात्रों को नेतृत्व कौशल, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की मजबूत भावना विकसित करने के सार्थक अवसर प्रदान करके समग्र शिक्षा (होलिस्टिक एजुकेशन) के प्रति एचपीएस बेगमपेट के स्थायी दर्शन को दर्शाता है। जैसे ही इन नवनियुक्त नेताओं ने कार्यभार संभाला, वे सामूहिक विकास और उपलब्धि के लिए पूरे स्कूल समुदाय को प्रेरित करने के साथ-साथ विद्यालय की उत्कृष्टता की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में निर्जला एकादशी कार्यक्रम में महिलाओं ने पूजा-अर्चना व भजन प्रस्तुत किए। गौसेवा की इस अवसर पर उपस्थित आईजी महिला मंडल, रामपल्ली महिला मंडल, ईसीआईएल महिला मंडल, चकरीपुरम महिला मंडल, बालाजी नगर महिला मंडल, बालागुड़ा महिला मंडल, दमाईगुड़ा महिला मंडल व अन्य महिलाओं ने भाग लिया।

तहसीलदार ने एसआईआर का किया निरीक्षण

मदनूर, 25 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

मतदाता सूची संशोधन कार्यक्रम के तहत मदनूर तहसीलदार एमडी मुजीब ने घर-घर जाकर गणना प्रमाण पत्र वितरण कार्य का निरीक्षण किया।

उन्होंने विभिन्न वार्डों में बीएलओ के कार्य की समीक्षा की और फॉर्म भरने व वितरण में बरती जाने वाली सावधानियों के निर्देश दिए।

तहसीलदार ने कहा कि हर घर को फॉर्म मिलना चाहिए और पात्र मतदाताओं का विवरण सटीक दर्ज हो। वितरण के बाद संग्रह भी शीघ्र पूरा किया जाए।

उन्होंने नागरिकों से एसआईआर प्रक्रिया की जानकारी लेने और संदेह होने पर तुरंत बीएलओ से संपर्क करने की अपील की। बीएलओ को समयसीमा में 100% वितरण पूरा करने के निर्देश दिए गए।

श्री शांतिनाथ मंदिर अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव की प्रचार सामग्री का विमोचन

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराष्ट्र स्थित प्रसिद्ध श्री अंतरिक्ष पार्श्वनाथ तीर्थ में विराजित खरतरगच्छाधिपति पूज्य श्री मणिप्रभसूरीश्वरजी महाराज साहब आदि ठाणा की पावन निश्रा में हैदरगुडा, अवंतिनगर स्थित अविघ्न पार्क श्री शांतिनाथ जैन मंदिर में आयोजित होने वाले अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव की प्रचार-प्रसार सामग्री का विधिवत विमोचन किया गया।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ श्रावक कांतिलाल छाजेड़, विमलचंद नाहटा, प्रकाशजी चोपड़ा, नेमीचंद चोपड़ा, सुरेश संकलेचा, राजुभाई मुथा, प्रतीक संकलेचा एवं केतन छाजेड़ उपस्थित रहे। सभी ने महोत्सव की सफलता के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए अधिकाधिक धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं को इस आयोजन से जुड़ने का आह्वान किया।

विमोचन कार्यक्रम में विहार सेवा परिवार, त्रयनगर के विजयभाई ओस्तवाल, विक्रमसिंह ढड्ढा, योगेश चोपड़ा, रुपेश जैन सहित अनेक गणमान्य सदस्य एवं धर्मप्रेमी भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि अविघ्न पार्क श्री शांतिनाथ मंदिर में आयोजित होने वाला अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव जैन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन होगा। महोत्सव के माध्यम से धर्म प्रभावना, भक्ति एवं संस्कारों के प्रसार को नई दिशा मिलने की अपेक्षा व्यक्त की जा रही है।

सरपंच ने की एसआईआर में सहयोग की अपील

मदनूर, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

छोटा शक्करगा सरपंच दिगंबर ने गुरुवार को बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा 25 जून 2026 से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू किया गया है।

इसका उद्देश्य पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में जोड़ना और अपात्र नाम हटाना है। सरपंच ने जनता से अपील की कि वे जनगणना प्रमाण पत्र में अपना विवरण सही भरें। 25 जून से 24 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर प्रमाण पत्र वितरित करेंगे।

उन्होंने बीएलओ से मतदाताओं को फॉर्म भरने में सहायता करने और समय पर फॉर्म वापस लेने का अनुरोध किया।

परमेश्वरी सिंह के नेतृत्व में इंदिरा महिला शक्ति साड़ी वितरण कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): आज गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंगलहाट, रहीमपुरा स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर खेल मैदान में महिलाओं के लिए मइंदिरा महिला शक्ति साड़ी वितरण कार्यक्रमफ का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन मंगलहाट की पूर्व कॉर्पोरेटर एवं खैरताबाद डीसीसी उपाध्यक्ष परमेश्वरी सिंह लोध द्वारा किया गया। इस अवसर पर आरपी (ठझफी) श्रीमती आरती गारू और श्रीमती सतीशी गारू सहित कई स्थानीय नेता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री अनुमुल रेवंत रेड्डी के निर्देशों के अनुसार, तेलंगाना कांग्रेस सरकार जनता के हित और कल्याण के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजन-ाओं को धरातल पर लागू कर रही है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि हर पात्र महिला को राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई इन कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठाना चाहिए। नेताओं ने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ समाज के हर घर तक पहुंचे। सरकार विशेष रूप से महिलाओं और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अग्रसेन बैंक...

दैनिक खर्चों पर रोक: बिजली, पानी, उपयोगिता बिल और सरकारी टैक्स का भुगतान अटक गया है।

सेवाओं में बाधा: विधवाओं, जरूरतमंद छात्रों और गौशालाओं को मिलने वाली आर्थिक मदद पूरी तरह बंद हो गई है।

केंद्रीय समिति की बैठक में अग्रसेन बैंक के बहिष्कार का प्रस्ताव

दिनांक 20 जून 2026 को राघव रत्ना टॉवर की 10वीं मंजिल पर आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक में समाज के सदस्यों ने इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया। बैठक में अग्रसेन बैंक पर प्रतिबंध लगाने और उसका पूर्ण बहिष्कार करने का प्रस्ताव भी पास किया गया ।

समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि वे इस बात का सम्मान करते हैं कि इस बैंक के नाम में महार-ाजा अग्रसेन का पवित्र नाम जुड़ा हुआ है, और वे नहीं चाहते कि कुछ लोगों के निजी स्वार्थ और गलत हरकतों के कारण इस नाम की गरिमा को कोई ठेस पहुँचे। समाज अब इस अवैध व्यवधान के खिलाफ खातों को तुरंत बहाल करने के लिए तेलंगाना उच्च न्यायालय की शरण में गया है।

पासपोर्ट ...

इसमें जन्म वंश के आधार पर नागरिकता तय करने का मानदंड है कि व्यक्ति या तो 26 जनवरी 1950 से 1 जुलाई 1987 के बीच जन्मा हो या 1 जुलाई 1987 से 3 दिसंबर 2004 के बीच जन्मा हो तो उसके माता या पिता में से कोई एक भारत का नागरिक हो। या फिर 3 दिसंबर 2004 के बाद जन्मा हो तो उसके माता-पिता दोनों भारतीय हों।

नागरिकता की पहचान कैसे?

इसी सवाल का जवाब भारत सरकार 1951 से खोज रही है क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 11 और नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 14ए के तहत नागरिकता तय करने के लिए एनआरसी में नाम होना जरूरी है। वैसे तो 1951 में एनआरसी की शुरुआत हो चुकी थी लेकिन नागरिकता नियम 2003 में एनआ-रसी एनपीआर की प्रक्रिया का संशोधन किया गया। फिर 2004 में नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 14ए जोडी गई, जिसमें एनआरसी बनाना अनिवार्य किया गया।

पाक आर्मी ...

यह वेतन वृद्धि पाकिस्तानी सेना में सभी रैंकों पर लागू होगी और इससे रक्षा क्षेत्र के वेतन व्यय में अच्छी-खासी बढ़ोतरी होने की संभावना है। हालांकि, अभी तक इस संबंध में इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों ने पुष्टि की है कि नया वेतन स्ट्रक्चर तत्काल प्रभाव से लागू किया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि

बता दें कि भारत ने सात मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। इस ऑपरेशन का उद्देश्य उन आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाना था, जहां से भारत के खिलाफ हमलों की योजना बनाई जाती थी।

इस ऑपरेशन को 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी।

बेटी दोषी ...

बताया जा रहा है कि केतन मर्डर केस की चल रही जांच के बहुत ज्यादा तनाव के कारण उन्हें हार्ट अटैक आया।

उनकी हालत पर नजर रखने और आईसीयू के आस-पास के इलाके की सुरक्षा के लिए अस्पताल परिसर में कड़ी निगरानी का इंतजाम किया गया है। अधिकारियों ने परिवार को कड़ी निगरानी में रखा है, जबकि डॉक्टर लगातार आरोपी के पिता की रिकवरी और सेहत से जुड़े पैरामीटर्स पर नजर रख रहे हैं।

राहुल...

होने के लिए समन जारी किए थे। इसके खिलाफ राहुल गांधी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर राहत की मांग की थी। हाईकोर्ट ने पूर्व में सुनवाई के दौरान अधीनस्थ न्यायालय का रिकॉर्ड प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। मंगलवार को हुई सुनवाई में राहुल गांधी की ओर से एमपी-एमएलए कोर्ट का रिकॉर्ड हाईकोर्ट के समक्ष पेश किया गया। साथ ही 25 जून को निर्धारित सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देने के लिए आवेदन भी दाखिल किया गया था।

इस आवेदन पर बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से प्रस्तुत आवेदन में कहा गया कि उनका बयान शिकायतकर्ता के संदर्भ में नहीं था। साथ ही बयान को लेकर खेद भी व्यक्त किया गया। आवेदन में कहा गया था कि तथाकथित पनामा पेपर्स मामले में गलती से शिकायतकर्ता का नाम ले लिया था। इसके लिए उन्होंने अगले दिन सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त किया था। उनका इरादा पनामा पेपर्स मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र के नाम का जिक्र करना था।

शिकायतकर्ता ने व्यक्त की सहमति

याचिका पर गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता ने भोपाल एमपी-एमएलए कोर्ट में लंबित मानहानि के प्रकरण को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की। एकलपीठ ने याचिका का निराकरण करते हुए उक्त आदेश जारी किए। शिकायतकर्ता की तरफ से अधिवक्ता संकल्प कोचर ने पैरवी की।

भूकंप...

कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने गुरुवार सुबह मरने वालों की ताजा संख्या बताई। उन्होंने कहा कि अधिकारी दिन के उजाले का अधिकतम उपयोग कर मलबे के नीचे फंसे लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। रोड्रिग्ज ने बताया कि दर्जनों इमारतें ढह गई हैं और लोगों की जान बचाने के लिए बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

डेल्सी रोड्रिग्ज ने यह भी जानकारी दी कि राजधानी के कुछ हिस्सों में बिजली और सेलफोन नेटवर्क ठप हो गए।

रोड्रिग्ज ने व्यवसायों से अपील की कि वे रेस्क्यू ऑपरेशंस के लिए भारी कंस्ट्रक्शन उपकरण उपलब्ध कराएं। उन्होंने यह भी बताया कि संयुक्त राष्ट्र से सर्टिफाइड सर्च और रेस्क्यू टीमें वेनेज़ुएला के रास्ते में हैं।

ऑनलाइन शेयर किए गए एक वीडियो में दर्जनों लोगों का इलाज एक अस्पताल के बाहर होते देखा गया, कुछ लोग जमीन पर लेटे थे तो कुछ अस्पताल के बेड पर।

दुनिया भर से मदद की पेशकश

कराकास के निवासी दो तेज भूकंपों के बाद पूरी तरह सदमे में हैं। भूकंप के दौरान लोग हिलती हुई इमारतों से बाहर भाग खड़े हुए थे। लोगों ने देखा कि दीवारें पूरी तरह तबाह हो चुकी थीं और सड़क से ही घरों का फर्नीचर दिखाई दे रहा था। राजधानी के व्यस्त इलाकों में धूल का गुबार उठता देखा गया।

बुधवार देर रात राष्ट्र के नाम संबोधन में रोड्रिग्ज ने आपातकाल की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार भूकंप से क्षतिग्रस्त अस्पतालों और घरों के पुनर्निर्माण के लिए 200 मिलियन अमेरिकी डॉलर का फंड बना रही है और अर्थव्यवस्था व वित्त मंत्रियों को इसकी देखरेख का निर्देश दिया है। इस बीच दुनिया भर के देशों से मदद की पेशकश आने लगी है।

एलपीजी ...

सरल शब्दों में कहें तो 50 फीसदी एलपीजी की सप्लाई अब कमर्शियल और इंडस्ट्री कस्टमर्स को की जाएगी।

वेस्ट एशिया संकट के दौरान, घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार ने आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत आदेश जारी किए थे। इन आदेशों के तहत सी3- सी4 स्ट्रीम्स का इस्तेमाल सिर्फ़ एलपीजी उत्पादन के लिए करना जरूरी कर दिया गया था और उन्हें पेट्रोकेमिकल व अन्य डाउनस्ट्रीम इस्तेमाल से हटाकर एलपीजी उत्पादन में लगाया गया था।

सी3-सी4 स्ट्रीम्स में बदलाव

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि घरेलू एलपीजी उत्पादन में सुधार और इम्पोर्टेड एलपीजी कार्गो की अनुमानित उपलब्धता को देखते हुए, सरकार ने एलपीजी पूल में सी3- सी4 स्ट्रीम्स के डायवर्जन को कम करने का भी फैसला किया है। नॉन- एलपीजी इस्तेमाल के लिए सी3- सी4 स्ट्रीम्स का बढ़ा हुआ आवंटन लागू किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि घरेलू एलपीजी की उपलब्धता पर कोई असर न पड़े।

घरेलू एलपीजी पर कोई असर नहीं

सरकार ने साफ किया है कि पेट्रोकेमिकल सेक्टर के लिए सी3- सी4 गैसों का आवंटन बढ़ाने के बावजूद आम जनता के लिए घरेलू एलपीजी की उपलब्धता को कम नहीं किया जाएगा। सरकार यह तय करेगी कि घरेलू एलपीजी का उत्पादन कम से कम 40 टीएमटी हर दिन बना रहे। इसका मतलब है कि रसोई एलपीजी गैस की सप्लाई बनी रहेगी।

कच्चे तेल के दाम में बड़ी गिरावट

जंग शुरू होने से पहले कच्चा तेल जिस लेवल पर पहुंचा था, अब उससे भी नीचे आ चुका है। ब्रेंट क्रूड की कीमत अब 72 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। तेल की कीमतों में यह गिरावट तब आई है, जब होर्मुज को फिर से खोल दिया गया है और जहाज तेजी से होर्मुज पार कर रहे हैं।

ट्रस्ट ने...

आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी होगी।

ट्रस्ट ने एफआईआर दर्ज कराकर बड़ा संदेश देने का प्रयास किया है। यह मामला छह जून को पहली बार प्रकाश में आया था। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए प्रदेश सरकार ने एसआईटी का गठन किया था। 20वें दिन राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के कदम को मामले की निष्पक्ष जांच और तथ्यों को सामने लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में सामने आए तथ्यों के आधार पर एफआईआर दर्ज कराई गई है, जबकि अब सभी की निगाहें एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि अंतिम रिपोर्ट में जिम्मेदार व्यक्तियों, वित्तीय प्रक्रियाओं और कथित अनियमितताओं की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकती है।

रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई तय होगी। एसआईटी की प्रारंभिक जांच में वित्तीय लेनदेन और चढ़ावा व्यवस्था से जुड़े बिंदुओं पर सवाल उठे थे। इसके बाद ट्रस्ट ने कानूनी प्रक्रिया का सहारा लेते हुए एफआईआर दर्ज कराई।

इससे यह संदेश गया है कि यदि किसी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसकी जांच से कोई परहेज नहीं किया जाएगा। मामला सामने आने के बाद पिछले कई दिनों से अयोध्या में चर्चाओं और अटकलों का दौर जारी था। विपक्षी दलों, संत समाज और विभिन्न संगठनों की ओर से भी मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही थी। ऐसे माहौल में एफआईआर दर्ज होने को जांच प्रक्रिया को महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण में एफआईआर दर्ज होने के बाद अयोध्या के विभिन्न वर्गों ने इस कदम का स्वागत किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भगवान राम के मंदिर से जुड़े किसी भी मामले में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। महंत विवेक आचारी ने कहा कि एफआईआर राम मंदिर ट्रस्ट को पहले ही करा देना चाहिए था।

जांच आगे बढ़ने और एफआईआर दर्ज होने से सच्चाई सामने आने का रास्ता खुला है। महंत डॉ. देवेशाचार्य ने उम्मीद जताई कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद पूरे प्रकरण से पर्दा उठेगा और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, जबकि निर्दोष लोगों की स्थिति भी स्पष्ट हो जाएगी। व्यापारी पंकज गुप्ता ने कहा कि ट्रस्ट ने सही निर्णय लिया है। जो भी दोषी हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए, ताकि पूरी दुनिया को एक संदेश जाए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की जिला समन्वयकर्ताओं की बैठक संपन्न

पांचों जोनों के चेयरमेन एवं वाइस चेयरमेन को सौंपे गए संगठनात्मक दायित्व

28 जून को होने वाली वार्षिक साधारण सभा की तैयारियों पर हुआ मंथन

शाखाओं से वार्षिक गतिविधियों एवं सदस्यता शुल्क का विवरण लेने का निर्णय

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के पांचों जिला समन्वयकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक मुख्य जिला समन्वयकर्ता सुरेश कुमार टंडन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। समाज के मीडिया एवं प्रेस चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई।

बैठक में बताया गया कि समाज द्वारा पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण एवं सेंट्रल जोन के जिला समन्वयकर्ताओं को जोन चेयरमैन के रूप में मान्यता प्रदान करते हुए प्रत्येक जोन में चार-चार वाइस चेयरमेन नियुक्त किए गए हैं। इसके अंतर्गत पूर्व जोन के चेयरमैन महेंद्र कुमार अग्रवाल, पश्चिम जोन के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, उत्तर जोन के चेयरमैन सुनील कुमार चोखानी, दक्षिण जोन की चेयरपर्सन अलका मिंडा तथा सेंट्रल जोन के चेयरमैन अजय तुलस्यान के नेतृत्व में विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधियों को वाइस चेयरमेन की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बैठक का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन जी के पूजन एवं वंदन के साथ हुआ। मुख्य जिला समन्वयकर्ता सुरेश कुमार टंडन ने अपने स्वागत भाषण में सभी जोनल चेयरमेन, वाइस चेयरमेन, अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों एवं समाज के परामर्शदाता सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि जोनल चेयरमेन एवं वाइस चेयरमेन की यह प्रथम संयुक्त बैठक थी, जिसमें आगामी 28 जून को सायं 6 बजे सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में आयोजित होने वाली अग्रवाल समाज तेलंगाना की वार्षिक साधारण सभा की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी शाखाओं के पदाधिकारियों, केंद्रीय समिति सदस्यों तथा विभिन्न समितियों के चेयरमेन एवं वाइस चेयरमेन से व्यक्तिगत संपर्क कर उन्हें साधारण सभा में उपस्थित होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक जोन के अंतर्गत आने वाली शाखाओं को संबंधित वाइस चेयरमेन के बीच विभाजित कर संपर्क अभियान चलाया जाएगा। साथ ही सभी शाखाओं से यह जानकारी प्राप्त की जाएगी कि उनकी वार्षिक साधारण सभा आयोजित हुई है या नहीं तथा शाखा द्वारा केंद्र को देय शुल्क का भुगतान किया गया है या नहीं। इसकी विस्तृत रिपोर्ट संबंधित जोन चेयरमेन को सौंपी जाएगी। बैठक में समाज के सलाहकार सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्लीवाले, उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद अग्रवाल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, मुख्य जोनल कोऑर्डिनेटर सुरेश कुमार टंडन, जिला समन्वयकर्ता मुकुंद लाल अग्रवाल, सुनील कुमार चोखानी, अलका मिंडा सहित विभिन्न जोनों के वाइस चेयरमेन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अंत में मुख्य जोनल कोऑर्डिनेटर सुरेश कुमार टंडन ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया।

स्वामीजी के साथ दुर्व्यवहार मामले में डीजीपी को सौंपा ज्ञापन

दोषी पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गदवाल एवं मल्दकल क्षेत्र में हिंदू धर्माचार्यों और साधु-संतों के साथ कथित रूप से हुए अनुचित व्यवहार के विरोध में विश्व हिंदू परिषद तथा साधु परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि शंकर स्वामीजी के साथ किया गया अपमानजनक व्यवहार हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। प्रतिनिधिमंडल ने गदवाल एवं मल्दकल के संबंधित पुलिस अधिकारियों, विशेषकर एसआई स्तर के अधिकारियों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की।

इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने कहा कि हिंदू संतों एवं स्वामीजियों के साथ पुलिस द्वारा किया गया कथित अपमानजनक व्यवहार अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि साधु-संतों के प्रति सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करना पुलिस प्रशासन की जिम्मेदारी है तथा ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि हिंदुओं की आध्यात्मिक एवं धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली किसी भी घटना को स्वीकार नहीं किया जा सकता तथा समाज में धार्मिक सौहार्द और सम्मान बनाए रखने के लिए प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्य करना चाहिए।

प्रतिनिधिमंडल की बात सुनने के बाद डीजीपी सी.वी. आनंद ने आश्वासन दिया कि मामले की विस्तृत एवं निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी अधिकारी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर शंकर स्वामीजी, चामुंडेश्वरी स्वामीजी, वेदगिरि महाराज, योगेश प्रभु, विश्व हिंदू परिषद के गोरक्षा राज्य संयोजक सुभाष चंद्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से धार्मिक नेताओं के सम्मान एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने की भी मांग की।

ऐतिहासिक सूरजगढ़ श्री श्याम निशान काचीगुड़ा श्याम मंदिर की गुंबद पर स्थापित

अत्तापुर से निकली पदयात्रा के साथ श्याम भक्तों ने किया निशान समर्पण

विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद शिखर पर चढ़ाया गया पावन ध्वज

श्याम प्रेमियों की भक्ति और आस्था का बना अनुपम संगम

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम मित्र मंडल, सूरजगढ़ निशान अटापुर की ओर से प्रतिवर्ष फाल्गुन एकादशी पर चढ़ाए जाने वाले ऐतिहासिक सूरजगढ़ श्री श्याम निशान को एक बार पुनः हैदराबाद के काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर की गुंबद पर विधि-विधान के साथ स्थापित किया गया।

मंडल के श्याम भक्तों ने रामबाग स्थित राम मंदिर से पूजा-अर्चना कर पदयात्रा प्रारंभ की। विभिन्न मार्गों से होते हुए श्रद्धालु भक्ति एवं जयकारों के साथ काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचे। प्रातः लगभग 10:15 बजे लालनाथ सिद्ध एवं अभिनव अग्रवाल झसूरजगढ़ वालेफ ने मंदिर की गुंबद के शिखर पर ऐतिहासिक सूरजगढ़ श्री श्याम निशान स्थापित किया।

मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया ने बताया कि बाबा श्याम के मंदिरों की गुंबद पर सूरजगढ़ निशान स्थापित करने का विशेष धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष फाल्गुन एकादशी पर हजारों पदयात्री इस पवित्र निशान को समर्पित करते हैं। हाल ही में मंदिर की गुंबद पर स्थापित पूर्व निशान के खंडित होने की सूचना मिलने पर मंडल ने पुनः सूरजगढ़ के ऐतिहासिक श्री श्याम निशान का पूजन कर उसे शिखर पर स्थापित करने का निर्णय लिया।

उन्होंने कहा कि यह निशान केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि श्याम भक्तों की अटूट श्रद्धा, आस्था और समर्पण का प्रतीक है। निशान स्थापना के दौरान वातावरण बाबा श्याम के जयकारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर मंदिर समिति के रामदेव अग्रवाल, श्याम डालिया एवं मंदिर पुजारी श्री रामचरण महाराज ने मंडल के सभी श्याम भक्तों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया एवं राजेंद्र अग्रवाल, अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, मंत्री नरेंद्र जांगिड़, कोषाध्यक्ष मालीराम अग्रवाल, परामर्शदाता संतोष अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, सोहनलाल नेहरा, अशोक शर्मा, अमित कुमार मोदी, राजेश साबू, भंवरलाल थोलिया, करणी सिंह जोधा, लालनाथ सिद्ध, शशिकांत शर्मा, अभिनव अग्रवाल झसूरजगढ़ वालेफ, मान प्रकाश शर्मा, हर्ष अग्रवाल, राजीव तिवारी, हरि सिंह शेखावत, अलंकृता गुप्ता, गिरधारी लाल निठारवाल, इंद्रपाल वर्मा, रामप्रसाद शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान बाबा श्याम के ऐतिहासिक सूरजगढ़ निशान के साथ हनुमानजी का पावन निशान भी मंदिर के शिखर पर समर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने इसे आस्था, परंपरा और भक्ति का अद्भुत संगम बताते हुए बाबा श्याम से सुख, समृद्धि एवं कल्याण की प्रार्थना की।

एकादशी पर अन्नदान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं, मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है : कमला देवी कुमावत

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक एवं सेवा भाव के साथ आयोजन किया गया। एकादशी के पावन अवसर पर आयोजित इस विशेष सेवा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सेवा, समर्पण और मानवता का सुंदर संगम देखने को मिला। उपस्थित सभी सेवाभावियों ने भोजन वितरण में उत्साहपूर्वक भाग लेकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कमला देवी कुमावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति में एकादशी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। यह दिन भगवान विष्णु की आराधना, संयम, उपवास तथा दान-पुण्य के लिए समर्पित माना जाता है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में अन्नदान को सभी दानों में श्रेष्ठ बताया गया है, क्योंकि अन्न ही जीवन का आधार है। जब किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराया जाता है तो केवल उसका पेट ही नहीं भरता, बल्कि उसके चेहरे पर संतोष और प्रसन्नता भी दिखाई देती है, जो ईश्वर की सच्ची पूजा के समान है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में जब समाज में अनेक लोग आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, तब ऐसे सेवा कार्यों का महत्व और भी बढ़ जाता है। जरूरतमंदों की सहायता करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं का भी परिचायक है। एकादशी जैसे पवित्र अवसर पर अन्नदान करने से व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति और आत्मिक संतोष की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सेवा और परोपकार के मार्ग पर चलता है, उसके जीवन में सकारात्मकता, सुख और संतोष का संचार होता है।

कमला देवी कुमावत ने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था पिछले लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुंचाने का कार्य कर रही है। यह केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का एक सशक्त अभियान है, जो समाज के अन्य लोगों को भी सेवा कार्यों के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, जगन गुप्ता, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया एवं महेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन, समाजसेवी एवं सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे और अन्नदान सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

थाईलैंड में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुरेश भायल का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश, समाज एवं भारत का गौरव बढ़ाने वाले सुरेश भायल का हैदराबाद आगमन पर सीरवी समाज, जीडिमेटला द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

जीडिमेटला स्थित आईमाता जी बडेर में आयोजित सम्मान समारोह में समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों, युवाओं एवं मातृशक्ति ने सुरेश भायल का माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर आत्मीय सम्मान किया। समारोह में उपस्थित समाजबंधुओं ने उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त करते हुए जोरदार तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सीरवी समाज जीडिमेटला बडेर के संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सह सचिव मंगलराम पंवार, रतनाराम भायल, उदाराम काग, भुण्डाराम बर्फा, जयरामलाल परिहार, सोहनलाल हाम्बड़, मोहनलाल काग, मुलाराम पंवार, चन्द्रप्रकाश बर्फा, राजुराम लचेटा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि सुरेश भायल ने अपनी कठोर मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण के बल पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वर्ण पदक जीतकर न केवल समाज बल्कि पूरे देश का मान बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि समाज के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है तथा खेलों के प्रति नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगी। वक्ताओं ने कहा कि खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर अभ्यास, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प आवश्यक है, जिसका उत्कृष्ट उदाहरण सुरेश भायल ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने युवाओं से खेलों में सक्रिय भागीदारी कर राष्ट्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। समारोह में उपस्थित सभी समाजबंधुओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सुरेश भायल को उनकी शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य तथा आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्णिम सफलता प्राप्त करने की कामना की। कार्यक्रम का समापन सम्मान समारोह एवं शुभकामना संदेशों के साथ हुआ, जिसमें समाज ने अपने प्रतिभाशाली खिलाड़ी के प्रति गर्व और सम्मान व्यक्त किया।

रेवंत रेड्डी की पहल: जल विवादों को खत्म कर सहयोग से निकलेगा स्थाई समाधान

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि तुंगभद्रा जलाशय के सभी 33 स्पिलवे गेटों की स्थापना और आधुनिकीकरण से कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लाखों किसानों व प्रवासी परिवारों को प्रभावित करने वाले जल मुद्दों का एक स्थाई समाधान मिलेगा।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि अंतर-राज्यीय जल विवादों को सुलझाने के लिए राजनीतिक टकराव नहीं, बल्कि सहयोग आवश्यक है। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के उप-मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार (मूल अंग्रेजी पाठ में कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में उल्लेखित) और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद थे।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना पड़ोसी राज्यों के साथ कृष्णा, गोदावरी और तुंगभद्रा नदियों से जुड़े लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर भी ध्यान आकर्षित किया कि राजोलीबंदा डायवर्जन योजना के तहत आवंटित 17.9 टीएमसी फीट पानी के मुकाबले राज्य को केवल लगभग 6 टीएमसी फीट पानी मिल रहा है, जिससे गदवाल, आलमपुर और पालमुरु क्षेत्रों के किसान प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहे हैं।

कर्नाटक के विजयनगर जिले के होसपेटे में स्पिलवे गेटों के उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने इस अवसर को एक ऐतिहासिक और स्वर्णिम दिन बताया। उन्होंने कहा कि तुंगभद्रा परियोजना के इतिहास में इसका हमेशा एक स्थाई स्थान रहेगा, ठीक वैसे ही जैसे जलाशय के मूल निर्माण का है। उन्होंने कहा कि सभी 33 स्पिलवे गेटों को बदलना और उनका आधुनिकीकरण करना इस अंतर-राज्यीय सिंचाई परियोजना के भविष्य को सुरक्षित करने और इसके पानी पर निर्भर किसानों के हितों की रक्षा करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुराने गेटों के स्थान पर नए गेट लगाने के इस कार्य से कर्नाटक के बल्लारी, आंध्र प्रदेश के अनंतपुर व कुरनूल और तेलंगाना के महबूबनगर जिले के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी, जहां पानी की किल्लत और पलायन पीढ़ियों से एक आवर्ती समस्या बनी हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नए गेटों का उद्घाटन दशकों से चले आ रहे और किसानों की कई पीढ़ियों को प्रभावित करने वाले जल-बंटवारे के विवाद को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

इस आयोजन के महत्व को रेखांकित करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों का एक साझा मंच पर एक साथ आना राजनीतिक विचारों से ऊपर उठकर तुंगभद्रा कमांड क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए एक सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

सभी राजनीतिक शक्तियों को दलीय हितों से ऊपर उठकर तीनों राज्यों के किसानों के कल्याण के लिए काम करने का आह्वान करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि किसानों और ग्रामीण समुदायों की लंबे समय से चली आ रही पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए समन्वित कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने याद दिलाया कि अतीत में मैसूर के राजाओं ने भी विवादों को अलग रखकर किसानों के हित में मिलकर काम किया था, और आज की सरकारों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे बड़े पैमाने पर जनहित के लिए मतभेदों से ऊपर उठें।

उन्होंने बताया कि तुंगभद्रा जलाशय में गाद (मिट्टी) जमा होने और पानी के सुचारू प्रवाह व उपलब्धता को प्रभावित करने वाली अन्य बाधाओं के कारण तेलंगाना को आवंटित पानी का लगभग 10 टीएमसी फीट हिस्सा अप्रयुक्त रह जाता है। तेलंगाना सरकार पहले ही गाद जमा होने और जल आवंटन विवादों से जुड़े मुद्दों को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के संज्ञान में ला चुकी है।

रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री पाटिल से तुंगभद्रा नदी से जुड़े अंतर-राज्यीय जल-बंटवारे के मुद्दों का स्थाई समाधान खोजने के प्रयासों में तेजी लाने की अपील की। उन्होंने कहा कि तुंगभद्रा के तट पर हुई चर्चा अत्यंत महत्वपूर्ण रही और बैठक के दौरान सभी हितधारकों ने जल संकट के स्थाई समाधान की दिशा में काम करने का संकल्प लिया है।

विवादों में उलझने के बजाय समाधान खोजने को प्राथमिकता देने की बात दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर कृष्णा, गोदावरी और तुंगभद्रा नदी प्रणालियों से जुड़े लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने केंद्र सरकार से भी आग्रह किया कि वह तटवर्ती राज्यों के बीच चर्चा को सुगम बनाने और एक निष्पक्ष व स्थाई समझौता सुनिश्चित करने में रचनात्मक भूमिका निभाए।

यह याद करते हुए कि तुंगभद्रा बांध का निर्माण स्वयं किसानों के लाभ के लिए सहयोग के माध्यम से किया गया था, रेवंत रेड्डी ने कहा कि होसपेटे में प्रदर्शित सहयोग की यह भावना देश में अन्य जगहों पर भी इसी तरह के अंतर-राज्यीय जल विवादों को सुलझाने के लिए एक मॉडल के रूप में काम करनी चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह बैठक जल-बंटवारे के मुद्दों के स्थाई समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगी और तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व कर्नाटक के किसानों को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाएगी।

रेवंत की अपील: राज्य की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए कर्मचारी रोज़ाना एक घंटा अतिरिक्त काम करें

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को सरकारी कर्मचारियों से राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने, राजस्व बढ़ाने और सार्वजनिक सेवाओं की डिलीवरी में सुधार करने के लिए प्रतिदिन एक घंटा अतिरिक्त काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों से अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने, राजस्व रिसाव (लीकेज) को रोकने, कर चोरों की पहचान करने और कर बकाये की सख्त वसूली सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया ताकि राज्य कर्मचारियों और जनता के कल्याण के लिए अधिक संसाधन जुटा सके। सरकारी कर्मचारियों, अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) कर्मचारियों और आउटसोर्सिंग स्टाफ को 1.5 करोड़ तक का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करने के लिए 16 बैंकों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने के बाद एक बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कल्याणकारी योजना की सफलता सरकारी कर्मचारियों के समर्पण और कार्यकुशलता पर निर्भर करती है।

उन्होंने कहा कि बेहतर प्रवर्तन और प्रशासनिक दक्षता के माध्यम से उत्पन्न अतिरिक्त राजस्व का उपयोग कर्मचारी कल्याण और जन कल्याण दोनों के लिए किया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने उल्लेख किया कि दुर्घटना बीमा की यह पहल सबसे पहले सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड में शुरू की गई थी, जहां दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले 45 श्रमिकों के परिवारों को 1-1 करोड़ की बीमा सहायता प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि इसी को देखते हुए सरकार ने अब इस लाभ का दायरा बढ़ाने का निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों से अपील की कि वे अपनी शिकायतें और मांगें सीधे उनके संज्ञान में लाएं और आश्वासन दिया कि सरकार बातचीत के माध्यम से मुद्दों को हल करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार कर्मचारियों को सम्मान की दृष्टि से देखती है और जमीनी स्तर पर लोगों तक कल्याणकारी लाभ पहुँचाने में उनकी भूमिका को स्वीकार करती है। पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि पिछले दशक के दौरान तेलंगाना पर 8.11 लाख करोड़ का कर्ज लाद दिया गया, जिससे राज्य गंभीर वित्तीय संकट में फंस गया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने 11 प्रतिशत से अधिक की ब्याज दरों पर भारी कर्ज लिया था और प्रशासनिक व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया था, जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों को वेतन भुगतान में देरी और किश्तों में वितरण होता था।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर कर्ज की लागत को घटाकर लगभग 7.5 प्रतिशत कर दिया है और पदभार संभालने के बाद से पिछले 30 महीनों में ऋण चुकाने (डेट सर्विसिंग) पर लगभग 2 लाख करोड़ खर्च किए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद सरकार ने वित्तीय अनुशासन बहाल किया है और यह सुनिश्चित किया है कि 1 जनवरी, 2024 से हर महीने के पहले दिन कर्मचारियों के खातों में वेतन जमा हो जाए। उन्होंने आगे जोड़ा कि सेवानिवृत्ति लाभों और अन्य लंबित कर्मचारी बकाये के भुगतान के लिए हर महीने लगभग 2,000 करोड़ जारी किए जा रहे हैं, जिससे कार्यबल से किए गए वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है।

वरिष्ठ संघ स्वयंसेवक शांतिलाल जैन सिंघी का निधन, शोक सभा आयोजित

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

सोलापुर के पूर्व जिला कार्यवाह व वरिष्ठ संघ स्वयंसेवक शांतिलाल रिखबचंद जैन सिंघी (78) का बुधवार, 24 जून को प्रातः 4 बजे वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया।

गुरुवार को महावीर भवन फीलखाना में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। संचालन करते हुए मुकेश चौहान ने बताया कि शांतिलाल जी ने 10 वर्ष तक पंढरपुर-सोलापुर जिले के जिला कार्यवाह का दायित्व निभाया। शांतिलाल रिखबचंद जैन सिंघी 1989 में डॉ. हेडगेवार जन्मशताब्दी और रामजन्मभूमि आंदोलन के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों तक संघ कार्य का विस्तार किया। सोलापुर में डॉ. हेडगेवार रक्तपेढ़ी के संस्थापक सदस्य रहे। भाजपा के शुरुआती दौर में लिंगराज वल्याल और सुभाष देशमुख जैसे नेताओं को पार्टी से जोड़ा।

मूल रूप से आहोर, राजस्थान के निवासी शांतिलाल जी कॉपियों के बड़े उत्पादक थे। उनका अंतिम संस्कार बुधवार सायं 4 बजे भाग्यनगर में हुआ।

पत्नी मोवनदेवी, पुत्र महेंद्र जैन सिंघी, चार विवाहित पुत्रियां व भाई सूरजमल। पुत्र महेंद्र हैदराबाद में संघ व जैन समाज में सक्रिय हैं। श्रद्धांजलि सभा में कई गणमान्य उपस्थित रहे।

हाई कोर्ट का बड़ा निर्देश

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग के वकील को उस याचिका पर निर्देश प्राप्त करने का आदेश दिया है, जिसमें ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम क्षेत्र के बाहर मतदाता सूची के एसआईआर-2026 के लिए केवल तेलुगु में गणना फॉर्म वितरित करने के निर्णय के खिलाफ शिकायत की गई है। न्यायाधीश पुल्ला कार्तिक करीमनगर जिले के एम.ए. मुजीब द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता ने अदालत से मपरमादेश रिटफ जारी करने की मांग की है, ताकि ईसीआई और राज्य चुनाव अधिकारियों को पूरे तेलंगाना में तेलुगु और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में यह फॉर्म उपलब्ध कराने का निर्देश दिया जा सके।

नरेंद्र गोयल ने निर्जला एकादशी पर खाटू श्याम बाबा के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

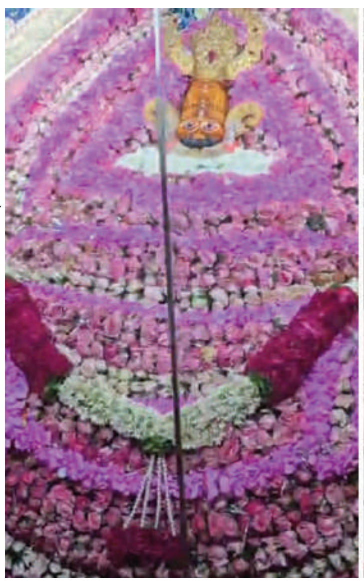

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सबसे कठिन एवं अत्यंत पुण्यदायक मानी जाने वाली निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष एवं समाजसेवी नरेंद्र कुमार गोयल ने अपनी धर्मपत्नी लीला देवी गोयल के साथ राजस्थान के प्रसिद्ध खाटू ग्राम स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में पहुंचकर बाबा श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

निर्जला एकादशी के अवसर पर खाटू धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच गोयल दंपति ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से पूजा-अर्चना की तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

नरेंद्र कुमार गोयल ने कहा कि निर्जला एकादशी सनातन धर्म में विशेष महत्व रखती है। इस दिन भगवान विष्णु एवं उनके कलियुग अवतार माने जाने वाले श्री श्याम प्रभु की आराधना करने से विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को निर्जला एकादशी की शुभकामनाएं देते हुए धार्मिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

खाटू धाम में दर्शन के दौरान गोयल दंपति ने बाबा श्याम के चरणों में समाज की उन्नति, मानव कल्याण एवं विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में चल रहे धार्मिक आयोजनों में भी सहभागिता की।

निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर खाटू श्याम बाबा के दर्शन को गोयल दंपति ने अपने जीवन का सौभाग्यपूर्ण एवं आध्यात्मिक अनुभव बताया।

एसआईआर-2026: वोटर्स सर्विस पोर्टल के जरिए ऑनलाइन भी जमा किए जा सकते हैं गणना फॉर्म

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए अब गणना फॉर्म मवोटर्स सर्विस पोर्टलफ के माध्यम से ऑनलाइन भी जमा किए जा सकते हैं। इसके लिए मतदाता को आधिकारिक वेबसाइट voters.eci.gov.in पर जाना होगा और अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर का उपयोग करके लॉगिन करना होगा। इसके बाद ओटीपी सत्यापन पूरा करते ही पोर्टल तक पहुंच मिल जाएगी।

लॉगिन करने के बाद, अगला कदम डैशबोर्ड पर उपलब्ध फिल एन्युमरेशन फॉर्म विकल्प पर क्लिक करना है। इसके बाद, मतदाता को मतदाता सूची में उपलब्ध अपने विवरणों की पुष्टि करनी होगी, जिसमें नाम, एपिक नंबर, आधार (यदि लिंक हो) और अन्य विवरण शामिल हैं।

मतदाता को फॉर्म पूरा भरना होगा, दर्ज की गई जानकारी को सत्यापित करना होगा, फॉर्म पर ई-हस्ताक्षर करना होगा और अंत में ओटीपी ऑथेंटिकेशन के माध्यम से इसे ऑनलाइन जमा करना होगा।

एक बार फॉर्म जमा हो जाने के बाद, इसे एसआईआर-2026 के लिए सिस्टम में रिकॉर्ड कर लिया जाएगा। सफल ऑनलाइन सबमिशन के बाद, मतदाता को इसकी पावती अपने पास तैयार रखनी चाहिए और सत्यापन के लिए घर आने वाले बूथ स्तर के अधिकारी के साथ इसे साझा करना चाहिए।

ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की यह प्रक्रिया 25 जून से शुरू हो चुकी है और 24 जुलाई तक उपलब्ध रहेगी। इस दौरान बीएलओ भी गणना फॉर्म वितरित करने और उन्हें एकत्र करने के लिए घर-घर जाएंगे।

नागरिक अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन या ऑफलाइन में से किसी भी एक माध्यम का चयन कर सकते हैं। इस गणना प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

निर्जला एकादशी पर किया गया दान-पुण्य अक्षय फलदायी होता है : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया तथा सेवा, समर्पण और मानव कल्याण का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सनातन धर्म में निर्जला एकादशी का विशेष महत्व है। इस दिन किया गया दान-पुण्य, सेवा और सत्कर्म अक्षय फल प्रदान करता है। शास्त्रों के अनुसार निर्जला एकादशी के दिन किए गए पुण्य कार्य कभी नष्ट नहीं होते, बल्कि जीवन में सुख, शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं को भी मजबूत करना है।

उन्होंने आगे कहा कि हम सभी केवल ईश्वर के आदेश का पालन करते हुए मानव मात्र की सेवा का प्रयास कर रहे हैं। जब समाज के सक्षम लोग जरूरतमंदों के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हैं, तब सेवा का यह अभियान और अधिक प्रभावी बनता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन में सेवा, दान और परोपकार को स्थान दें तथा समाज के कमजोर वर्गों की सहायता के लिए आगे आएं।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। अन्नदान के दौरान श्रद्धालुओं एवं राहगीरों ने भी सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अनिल धारशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

नशा मुक्त भारत अभियान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 25 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निर्देशों के अनुपालन में सीसीआरएएस-एनआईआईएमएच, हैदराबाद द्वारा ङ्गनशा मुक्त भारत अभियानफ के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान विषय पर आधारित यह कार्यक्रम दिलसुखनगर स्थित वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. जी.पी. प्रसाद (सहायक निदेशक प्रभारी), डॉ. वी. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी, आयुर्वेद), डॉ. बिस्व रंजन दास (अनुसंधान अधिकारी, होम्योपैथी) तथा श्री के. श्रीनिवास राव (पुस्तकालय एवं सूचना सहायक) के मार्गदर्शन में किया गया।

जागरूकता सत्र के दौरान वक्ताओं ने विद्यार्थियों को ङ्गनशीली दवाओं को ना कहेंङ्ग का सशक्त संदेश देते हुए मादक द्रव्यों के सेवन एवं नशे की लत के दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधा उत्पन्न करता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आधिकारिक शैक्षणिक जागरूकता वीडियो भी प्रदर्शित किए गए, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के समापन पर संस्थान की ओर से डॉ. बिस्व रंजन दास ने कॉलेज प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए कॉलेज के प्राचार्य शेरी रामेश्वर राव, चेयरमैन पम्मी सुधाकर रेड्डी तथा श्री दामोदर रेड्डी का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.